सांध्य प्रकाश

वर्ष 54/ अंक 215/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

आर.एन.आई 22296/71 डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 06 मार्च 2025 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

सेंसेक्स 500 अंक चढ़कर 74,200 पर आया

मुंबई। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन आज यानी गुरुवार (6 मार्च) को सेंसेक्स करीब 500 अंक चढ़कर 74,200 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी

में 150 अंकों की तेजी है, ये 22,500 के स्तर पर है। मेटल, ऑटो और सरकारी बैंकों के शेयरों में 1% तक की तेजी है। निफ्टी मेटल, मीडिया और ऑयल एंड गैस इंडेक्स करीब 2% चढ़ा है।

सांध्यप्रकाश विशेष

IIT मद्रास का कमाल, इमारतों को मिसाइल हमलों से बचाने के लिए तैयार किया जबरदस्त सिस्टम

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के शोधकर्ताओं ने एक ऐसा अभिनव फ्रेमवर्क विकसित किया है, जो देश के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को बैलिस्टिक मिसाइलों के हमलों से बचाने में सक्षम हो सकता है। इस नई तकनीक

का उद्देश्य न केवल इमारतों और संरचनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, बल्कि सेना के लिए हल्के, किफायती और मजबूत बैलिस्टिक-प्रूफ सामग्री का विकास करना भी है, जिसका उपयोग सीमा पर बंकर निर्माण में किया जा सके। यह शोध हाल ही में प्रतिष्ठित पत्रिका रिलाइएबिलिटी इंजीनियरिंग एंड सिस्टम सेफ्टी में प्रकाशित हुआ है।

मजबूत कंक्रीट संरचनाओं का डिजाइन- बैलिस्टिक मिसाइलों से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए यह फ्रेमवर्क डिजाइनरों को प्रबलित कंक्रीट (आरसी) पैनलों की मजबूती बढ़ाने के नए तरीके सुझाता है। शोध में कम्प्यूटेशनल सिमुलेशन तकनीक का उपयोग कर मिसाइलों के प्रभाव का विश्लेषण किया गया। यह तकनीक सैन्य बंकरों, परमाणु संयंत्रों, पुलों और हवाई पट्टियों जैसी महत्वपूर्ण संरचनाओं के लिए कंक्रीट की बैलिस्टिक क्षमता को समझने में मदद करती है। आईआईटी मद्रास के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर अलागप्पन पोन्नालगु ने कहा कि इन संरचनाओं का रणनीतिक महत्व होने के कारण इनकी सुरक्षा बेहद जरूरी है।

सिमुलेशन और फार्मूले से सटीक विश्लेषण

शोधकर्ताओं ने फाइनाइट एलीमेंट (एफई) सिमुलेशन तकनीक का उपयोग कर मिसाइलों के कंक्रीट पर प्रभाव का अध्ययन किया। इस तकनीक से मिसाइल की गहराई तक पहुंच (डेप्थ ऑफ पेनिट्रेशन) और टकराव से उत्पन्न गड्ढे (क्रेटर डैमेज एरिया) का आकलन किया गया। इसके आधार पर एक फार्मूला भी तैयार किया गया, जो हमले के बाद कंक्रीट में बनने वाले गड्ढे के आकार की सटीक भविष्यवाणी कर सकता है। यह फ्रेमवर्क डिजाइनरों को विश्वसनीय डेटा प्रदान करेगा, जिससे वे ऐसी संरचनाएं बना सकेंगे जो मिसाइल हमलों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें। यह तकनीक भविष्य में देश की सुरक्षा और रक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है।

लंदन में विदेश मंत्री एस. जयशंकर की सुरक्षा में बड़ी चूक, खालिस्तानी समर्थकों ने की हमले की कोशिश

लंदन। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर पर लंदन में खालिस्तानी समर्थकों ने हमले की कोशिश की। यह घटना उस समय हुई जब जयशंकर चैथम हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेकर बाहर निकल रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक खालिस्तानी समर्थक ने सुरक्षा घेरे को तोड़ते हुए विदेश मंत्री की कार की ओर दौड़ लगाई और पुलिस की मौजूदगी में भारतीय तिरंगे को फाड़ने का प्रयास किया। इस दौरान वहां मौजूद कुछ अन्य खालिस्तानी समर्थकों ने भी नारेबाजी की। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें यह हंगामा स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

इसी कार्यक्रम के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने कश्मीर के मुद्दे पर भी अपनी बात रखी। जब उनसे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, ÷कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाना एक ऐतिहासिक कदम था। इसके बाद कश्मीर में विकास, आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना दूसरा बड़ा कदम था। तीसरा महत्वपूर्ण कदम कश्मीर में सफलतापूर्वक चुनाव कराना रहा।

केंद्र में 11 IAS अधिकारी संयुक्त सचिव स्तर के पद के लिए इंपैनल्ड

नई दिल्ली। केंद्र में 12 अधिकारी संयुक्त सचिव स्तर के पद के लिए इंपैनल्ड किए गए हैं। केंद्र में संयुक्त सचिव या समकक्ष पद के लिए एक दर्जन अधिकारियों को पैनल में शामिल किया गया है। इन 12 अधिकारियों में से 11 विभिन्न कैडर के 2003, 2004,

2005 और 2007 बैच के IAS अधिकारी हैं, जबकि एक अधिकारी सीएसएस सेवा से संबंधित है। इन अधिकारियों में छत्तीसगढ़ कैडर के 4 IAS अधिकारी हैं।

इंपैनल्ड अधिकारियों के नाम इस प्रकार हैं

● अविनाश चंपावत (आईएएस- 2003: CG) ● कंगाले रीना बाबासाहेब (आईएएस- 2003: CG) ● अंबालागन पी (आईएएस- 2004: CG) ● अलार्मेलमंगई डी (आईएएस- 2004: CG) ● साकेत कुमार (आईएएस- 2005: HY) ● अरविंद अग्रवाल (आईएएस- 2007: OD) ● परवीन कुमार थिंड (आईएएस- 2007: PB) ● दुष्मंता कुमार बेहरा (IAS: 2007: HY) ● प्रभाकर (आईएएस- 2007- एसके) ● विनोद कुमार सुमन (आईएएस- 2007: UD) ● सुहास एलवाई (आईएएस- 2007: UP) ● पीटी भूटिया, सीएसएस (एसएसजीएसएल- 2015)

तस्करी मामले में गिरफ्तार कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव पिछले साल 30 बार दुबई गई!

बुधवार को बंगलुरू एयरपोर्ट पर कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में अब नए खुलासे हो रहे हैं। उस पर दुबई से सोना तस्करी करके लाने का आरोप है। उन्हें बेंगलुरु के के म्पे गौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पकड़ा गया था। इस एक्ट्रेस के पास से ?12.56 करोड़ की कीमत की सोने की छड़ें जब्त की गईं, जिनका वजन लगभग 15 किलोग्राम था। मामले की जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए।

कर्नाटक के सीनियर आईपीएस अधिकारी रामचंद्र राव की सौतेली बेटी रान्या राव ने पिछले साल 30 बार दुबई की यात्रा की। अपनी हर यात्रा पर, वह कई किलो सोना लेकर भारत आती थी। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि रान्या राव को तस्करी के सोने के हर किलोग्राम के लिए ?1 लाख का भुगतान किया गया। इस तरह, उसने कथित तौर पर हर यात्रा में लगभग 12-13 लाख रुपए कमाए

ए ` स ` छिपाकर लाती थी सोने की छड़- पुलिस को जांच में पता चला कि एक्ट्रेस ने तस्करी के कामों के लिए मॉडिफाइड जैकेट और कमर बेल्ट का यूज किया। वह अपनी यात्राओं के दौरान इस तरह के जैकेट और बेल्ट का इस्तेमाल करती थी। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) द्वारा गिरफ्तारी के समय वह अपने जैकेट में सोने की छड़ें छिपा रही थी।

प्रधानमंत्री मोदी उत्तराखंड में- मुखवा में गंगा पूजा की, कहा-

राज्य में किसी सीजन में टूरिज्म बंद नहीं होगा

उत्तरकाशी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को उत्तराखंड दौरे पर हैं। पीएम सबसे पहले उत्तरकाशी के मुखवा पहुंचे। मुखवा को मां गंगा का मायका कहा जाता है। यहां उन्होंने मां गंगा के मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद बाइक रैली को रवाना किया। पीएम ने यहां व्यू पॉइंट से हर्षिल घाटी देखी।

जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि ठंड में जब देश के बड़े हिस्से में कोहरा होता है, सूर्य के दर्शन नहीं होते, तब पहाड़ों पर धूप होती है। ऐसे में कई लोग यहां धूप सेंकने आ सकते हैं। इसके लिए घाम तापो (धूप सेंको) पर्यटन हो सकता है। मैं कंपनियों से कहना चाहता हूं कि वे अपने बड़े-बड़े सेमिनार, कॉन्फ्रेंस के लिए उत्तराखंड आएं।

पीएम बनने के तीसरे कार्यकाल में मोदी का यह उत्तराखंड का दूसरा दौरा है। इससे पहले वे 28 जनवरी को 38वें राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन करने उत्तराखंड आए थे। उत्तराखंड सरकार ने इस साल शीतकालीन पर्यटन शुरू किया है। ष्टरूपुष्पेंद्र धामी ने कहा - इस दौरे से अर्थव्यवस्था, होमस्टे टूरिज्म, बॉर्डर एरिया के गांव के डेवलपमेंट को गति मिलने की उम्मीद है।

पीएम मोदी ने किया हर्षिल की मनमोहक वादियों का दीदार

प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले मां गंगा के शीतकालीन प्रवासस्थल मुखबा स्थित गंगा मंदिर में पूजा अर्चना की। पीएम ने 20 मिनट तक मां गंगा की विशेष पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद पीएम मोदी ने हर्षिल की खूबसूरत वादियों का दीदार किया। पीएम ने मुखबा मंदिर और हर्षिल व्यू प्वाइंट से वादियों का निहारा। इसके बाद पीएम ने हर्षिल में ट्रैकिंग व बाइक रैली को फ्लैग ऑफ किया। हर्षिल उत्तराखंड का ऐसा पर्यटन स्थल है जो हिमालय की गोद में शांति और सुकून की तलाश करने वाले लोगों के लिए एक दम मुफीद है। यह समुद्र तल से 2500 मीटर से भी अधिक ऊंचाई पर भागीरथी नदी के तट पर स्थित है।

पीएम मोदी के भाषण

- पीएम मोदी ने गढ़वाली भाषा में अपने भाषण की शुरुआत की। कहा- म्यारा प्यारा भाई भेणी, मेरी सयवा सोंदी।
- कहा कि मां गंगा ने मुझे बुलाया है। मुझे लगता है कि मां गंगा ने मुझे गोद ले लिया है।
- पीएम मोदी ने सरकार को बारहमासी पर्यटन का विजन दिया। कहा इससे सालभर रहने वाले रोजगार के अवसर मिलेगा।
- पीएम ने कहा कि यह दशक उत्तराखंड का बन रहा है। कहा कि उत्तराखंड की प्रगति के लिए नए रास्ते खुले हैं। उन्होंने शीतकालीन पर्यटन को महत्वपूर्ण कदम है।
- पीएम ने कहा कि घाम तापो पर्यटन उत्तराखंड के नया आमाम लेकर आएगा।
- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि माणा, जादूंग, टिम्मरसैंण में तेजी से पर्यटन बढ़ रहा है। ऐसी व्यवस्था करेंगे जिससे उत्तराखंड हर सीजन में ऑन सीजन रहेगा।
- प्रधानमंत्री ने लोगों से उत्तराखंड में आकर शादी करने की अपील की। उन्होंने कहा कि डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए उत्तराखंड को चुने। साथ ही उन्होंने फिल्मों की शूटिंग के लिए उत्तराखंड को बेहतर बताया।
- उत्तराखंड में 50 टूरिस्ट डेस्टिनेशन विकसित करने की बात पीएम मोदी ने कही। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में पर्यटकों की संख्या बढ़ी है।

मोहन यादव ने वित्त आयोग के साथ की बैठक

दीर्घकालिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए भावी वित्तीय आवश्यकताओं पर हुई चर्चा

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज 16वें वित्त आयोग के सदस्यों के साथ बैठक की।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, डॉ

यादव ने स्थानीय कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में 16वें वित्त आयोग के सदस्यों के साथ बैठक की। इस दौरान उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, राजेंद्र शुक्ल समेत कई अन्य वरिष्ठ मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरविंद पनगढ़िया और

अन्य सदस्य इन दिनों प्रदेश के दौरे पर हैं। कल देर शाम मुख्यमंत्री डॉ यादव ने मुख्यमंत्री निवास में अध्यक्ष डॉ. पनगढ़िया एवं अन्य पदाधिकारियों से भेंट की। मुख्यमंत्री ने आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यगण का आत्मीयतापूर्वक स्वागत किया। मुख्यमंत्री से आयोग के अध्यक्ष डॉ. पनगढ़िया, सदस्य अजय नारायण झा, एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. मनोज पांडा, डॉ. सौम्या कांति घोष, सचिव ऋत्विक पांडे और संयुक्त सचिव केके मिश्रा की भेंट एवं चर्चा हुई।

क्षेत्रीय भाषा को बढ़ाने के लिए गृह मंत्रालय की पहल

32 कार्यालयों को दिया हिंदी दक्ष कार्यालय का दर्जा

नई दिल्ली। सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए गृह मंत्रालय ने बड़ी पहल की है। मंत्रालय ने आईटीबीपी, एनडीआरएफ और सीआईएसएफ समेत 32 कार्यालयों को हिंदी दक्ष कार्यालय के रूप में मान्यता दी है। यहां 82 फीसदी कर्मचारियों ने हिंदी में काम करने का ज्ञान प्राप्त कर लिया है।

केंद्र सरकार ने केंद्रीय एजेंसियों में भाषाई एकरूपता को बढ़ावा देने के लिए यह पहल की है। हिंदी दक्ष कार्यालय की मान्यता पाने वालों में कुल 32 कार्यालय शामिल हैं। इसमें इंडो तिब्बतन सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के सात, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (आईटीबीपी) के पांच और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के 20 कार्यालय शामिल हैं। गृह मंत्रालय का कहना है कि यह पहल हिंदी और क्षेत्रीय भाषा में कामकाज को बढ़ावा देने के प्रयास का हिस्सा है। गृह मंत्रालय ने अपने अधिकारी-कर्मचारियों और सीएपीएफ कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए कार्यालय को हिंदी दक्षता की मान्यता देने वाली अधिसूचना पिछले सप्ताह जारी की थी।

13 भाषाओं में कांस्टेबल परीक्षा कराने का किया था एलान

गृह मंत्रालय ने अप्रैल 2023 में अपने एक एतिहासिक निर्णय के तहत केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लिए हिंदी और अंग्रेजी के अलावा 13 क्षेत्रीय भाषाओं में कॉन्स्टेबल (जनरल ड्यूटी) परीक्षा आयोजित करने को मंजूरी दी थी। यह ऐतिहासिक निर्णय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की पहल पर सीएपीएफ में स्थानीय युवाओं की भागीदारी बढ़ाने और क्षेत्रीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने के लिए लिया गया था। केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के बीच हिंदी को बढ़ावा देने के लिए कई पहल शुरू की हैं। केंद्र सरकार हिंदी का ज्ञान रखने वाले कर्मियों को उनकी दक्षता बढ़ाने के लिए हिंदी भाषा का प्रशिक्षण प्रदान करती है। इस पहल का उद्देश्य भाषाई विविधता का सम्मान करते हुए आधिकारिक कार्यों में हिंदी को बढ़ावा देना है।

धामी सरकार का सीसी कानून लागू लिव-इन में रहने वालों का रजिस्ट्रेशन जरूरी, नहीं तो तीन महीने की जेल

देहरादून। 33 साल की श्रेया देहरादून में एक प्राइवेट कंपनी में जॉब करती हैं। करीब एक साल पहले समर्थ से मिलीं। समर्थ उनकी कंपनी में ही काम करते हैं। दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे। परिवार की बंदिशें थीं, इसलिए तुरंत शादी नहीं कर सकते थे। दोनों ने तय किया कि वे साथ रहेंगे। इसके बाद लिव-इन में रहने लगे। सब ठीक चल रहा था कि 27 जनवरी को उत्तराखंड की धामी सरकार ने यूनिफॉर्म सिविल कोड यानी ष्ट्ट लागू कर दिया। इसके तहत लिव-इन में रह रहे कपल को अपना नाम रजिस्टर कराना होगा।

होलिका दहन पर सुबह से रात तक भद्रा, नहीं होगा चंद्रग्रहण का असर

भोपाल। इस वर्ष होलिका दहन पर सुबह से रात तक भद्रा का असर रहेगा। भद्रा काल में होलिका दहन करने को अशुभ माना जाता है, इसलिए भद्रा काल समाप्त होने के पश्चात रात्रि 11.28 बजे से होलिका दहन किया जाएगा।अगले दिन रंगों का पर्व धुलेंडी पर चंद्रग्रहण है। यह चंद्रग्रहण विदेश में दिखाई देगा, भारत में दिखाई न देने से चंद्रग्रहण का असर नहीं होगा। सूतक काल भी नहीं माना जाएगा।

वहीं रायपुर में महामाया मंदिर के पुजारी

के अनुसार, इस वर्ष 2025 का पहला चंद्रग्रहण 13 मार्च की देर रात और 14 मार्च की सुबह अमेरिका सहित अन्य देशों में दिखाई देगा। भारत में दिखाई नहीं देने से मंदिरों में सूतक नहीं लगेगा।

ग्रह नक्षत्रों पर पड़ने वाले प्रभाव से मिथुन, वृश्चिक, मकर, मीन राशि वालों को सावधान रहना होगा। ग्रहण और भद्रा जीवन को प्रभावित करते हैं। ज्योतिष विज्ञान में इन दुष्प्रभावों को कम करने के उपाय भी बताए गए हैं।

सर्द हवा से फिर ठिठुरा मप्र..पारा 7.8° तक लुढ़का

25 किमी/घंटे की रफ्तार से चली हवा, भोपाल इंदौर में आज भी रहेगा ठंड का असर

भोपाल। मार्च में पहली बार ठंड ने दस्तक दी है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर-जबलपुर समेत मध्यप्रदेश के सभी शहरों में दिन-रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। भोपाल में एक ही रात में पारा 7.8 डिग्री तक लुढ़क गया। वहीं, बुधवार को दिन में 4.7 डिग्री की गिरावट के बाद पारा 26.9 डिग्री पर आ गया। दिन में 20 से 25 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवा चलती रही।

मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत में एक्टिव वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से मौसम

बदला है। पहाड़ों में बर्फबारी हुई है और सर्द हवा चल रही है। इस वजह से रात के तापमान में खासी गिरावट हुई है। अगले दो दिन तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा। 2 से 3 डिग्री की गिरावट और हो सकती है।

10 डिग्री के नीचे पहुंचा रात का पारा- सर्द हवा की वजह से प्रदेश के कई शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार-बुधवार की रात शाजापुर से जुड़े गिरवर में पारा 7.5 डिग्री दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम है। राजगढ़ में 8 डिग्री, अशोकनगर के आवरी में 8.2 डिग्री, नीमच के मरूखेड़ा में 9.1 डिग्री, बड़वानी के तालुन में 9.6 डिग्री और गुना में पारा 9.8 डिग्री दर्ज किया गया। धार, सागर, सीधी, रतलाम, खजुराहो, नौगांव समेत कई शहरों में पारे में गिरावट देखने को मिली।

दिन में भी लुढ़का पारा, पचमढ़ी सबसे ठंडा, 23 डिग्री रहा

उत्तर भारत से आ रही हवाओं की वजह से प्रदेश में रात के साथ दिन में भी ठंडक घुल गई है। इससे कई शहरों में पारा लुढ़क गया है। मौसम विभाग के अनुसार, भोपाल में 4.7 डिग्री की गिरावट के बाद पारा 26.9 डिग्री पर आ गया। इंदौर में 28.4 डिग्री, ग्वालियर में 27.9 डिग्री, उज्जैन में 28.5 डिग्री और जबलपुर में तापमान 27.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

प्राइड ऑफ भोपाल अवार्ड समारोह में उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने किया उत्कृष्ट प्रतिभाओं का सम्मान

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल होटल पलाश, भोपाल में फ्री प्रेस मीडिया समूह के प्राइड ऑफ भोपाल अवार्ड समारोह में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों का सम्मान करना एक गौरवशाली परंपरा है, जो न केवल सम्मानित व्यक्तियों को प्रोत्साहित करती है बल्कि समाज के अन्य लोगों को भी प्रेरित करती है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि मीडिया समाज की समस्याओं को सरकार तक पहुँचाने और जनहितकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है। पत्रकारिता एक जिम्मेदारी है और समाजसेवा का उत्कृष्ट माध्यम भी है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कला, संस्कृति, खेल, स्वास्थ्य, समाजसेवा, शिक्षा, प्रशासन और पुलिस सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया। इनमें कला क्षेत्र में पद्मश्री से सम्मानित श्री हरचंदन सिंह भट्टी और खेल क्षेत्र में विक्रम अवार्डी श्री कमल चावला सहित अन्य विभूतियाँ शामिल थीं।

कार्यक्रम में तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने कहा कि समाज के विकास में पत्रकारिता का अहम स्थान है। वह एक सजग प्रहरी के रूप में विकास की दिशा और स्थिति के सचेतक के रूप में कार्य करते हैं। विधायक श्री भगवानदास सबनानी ने कहा कि भोपाल अब लघु भारत का रूप ले चुका है और इसे स्वच्छ, सुंदर व बेहतर बनाए रखने के लिए सभी नागरिकों का योगदान आवश्यक है। नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का जन्मदिन वृद्धाश्रम में मनाया

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का जन्मदिन वृद्ध आश्रय आश्रम में वृद्धो के बीच मनाया यह जानकारी भारतीय जनता पार्टी के एवं शिवराज जी के चाहते देवेंद्र योगी ने बताया कि प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी प्रदेश के लाडले मामा जी एवं बहनों के भाई एवं किसानों के चाहते नेता शिवराज सिंह चौहान का जन्मदिन आश्रय आश्रम पहुंचकर मनाया गया इस अवसर पर अकबर खान ने बताया कि हम सबके लाडले एवं मध्य प्रदेश के विकास पुरुष माननीय शिवराज सिंह का चौहान जी का जन्मदिन मनाते हुए हमें गर्व महसूस हो रहा है और वह नेता नहीं हम सबके परिवार के सदस्य और उनसे परिवार जैसा हमें स्नेह मिलता है इस अवसर पर जहीर खान अल्फाज खान संतोष श्रीवास सरपंच प्रतिनिधि गोकुल प्रसाद बंसल अब्दुल्ला खान सहित बड़ी संख्या में गनमैन व्यक्ति मौजूद थे

पेटेंट्स का मार्ग सफल फाइलिंग के लिए आवश्यक कदम पर कार्यशाला आयोजित

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज के रिसर्च सेल ने आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के सहयोग से पेटेंट्स का मार्ग सफल फाइलिंग के लिए आवश्यक कदम विषय पर एक कार्यशाला का सफल आयोजन किया। इस कार्यशाला में प्रमुख वक्ता के रूप में डॉ. विनीता मोहिंद्रा, समन्वयक, बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ और डॉ. सविता दीक्षित, प्रोफेसर, रसायन विभाग, मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल उपस्थित रहीं। पहले चरण में डॉ. विनीता मोहिंद्रा ने पेटेंट्स को बौद्धिक संपदा का एक महत्वपूर्ण घटक बताते हुए कहा कि बौद्धिक संपदा एक विचार को स्वामित्व में बदलने की प्रक्रिया है। उन्होंने पेटेंट की वैधता, लाभ, प्रकार, और आवेदन की चरणबद्ध प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी दी, जिससे संकाय सदस्यों का ज्ञान समृद्ध हुआ। इसके बाद डॉ. सविता दीक्षित ने ग्रीन टेक्नोलॉजी और नवाचार पर चर्चा की। उन्होंने इको-फ्रेंडली सामग्रियों जैसे पीईटी, माइक्रोप्लास्टिक के कारण मृदा प्रदूषण, और तुलसी, बंगाल अशोक व पीपल जैसे औषधीय पौधों की स्थायी समाधानों में भूमिका पर प्रकाश डाला।

प्राक्कलन समिति की बैठक संपन्न, निर्माण कार्यों की दी विस्तृत जानकारी

भोपाल। विधानसभा परिसर में मध्य प्रदेश की प्राक्कलन समिति की बैठक संपन्न हुई, जिसमें भोपाल स्मार्ट सिटी एवं मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के अधिकारियों ने समिति को स्मार्ट सिटी के निर्माण कार्यों एवं मेट्रो रेल परियोजना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में सभापति श्री अजय बिश्नोई, सदस्य सर्वश्री भगवानदास सबनानी, ओमप्रकाश धुर्वे, राजेश वर्मा, अभय मिश्रा , दिनेश बोस, विधानसभा के प्रमुख सचिव श्री ए पी सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक के पश्चात समिति ने स्मार्ट सिटी के तहत नवनिर्मित शासकीय आवास गृह, अटल पथ, स्मार्ट रोड, दशहरा मैदान,सदर मंजिल आदि निर्माण कार्यों का अवलोकन/निरीक्षण किया तथा मेट्रो रेल ट्रायल में समिति सम्मिलित हुई।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में वनपाल रश्मि बान ने कायम की एक मिसाल

भोपाल। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण चुनौतियों से भरा हुआ है। टाइगर रिजर्व में पदस्थ कार्यवाहक वनपाल रश्मि बान ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक मिसाल कायम की है। उन्होंने हर चुनौती का सामना करते हुए जंगल की अवैध कटाई, वन्य-जीवों के शिकार और पर्यावरण से जुड़े अन्य अपराधों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। वनपाल रश्मि बान ने वन विभाग और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर वन और वन्य-जीव संरक्षण से जुड़े कई अभियानों का नेतृत्व किया। इससे जंगलों की सुरक्षा को मजबूती मिली है। रश्मि बान के प्रयासों से न केवल अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है, बल्कि स्थानीय समुदायों में भी जागरूकता बढ़ी है। उन्होंने वन संरक्षण के प्रति लोगों को प्रेरित करने के लिये विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों में भागीदारी की है।

विश्वनाथ सिंह राजपूत का देहदान हुआ

भोपाल। लश्करपुर के पास ग्राम हरुखेड़ी के किसान एवं भारतीय जीवन बीमा निगम के एजेंट 65 बर्ष के श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह राजपूत का बीती सुबह बुधवार को निधन हो गया जिनके मृत शरीर का दान स्थानीय अटल बिहारी मेडिकल कॉलेज में किया गया . देहदान और नेत्रदान की जागृति के लिए अंतिम सेवक विकास द्वारा चलाये जा रहे मिशन से जुड़कर श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह राजपूत ने मृत्यु उपरांत देहदान का संकल्प पत्र सन 2018 में भरा था जिसमें जिक्र था कि मेरी मृत्यु के उपरांत पार्थिव शरीर को किसी भी मेडिकल कॉलेज में दान कर दिया जावे तो उनकी इच्छा का सम्मान करते हुए अंतिम सेवक विकास पचौरी के सहयोग से परिवार जनों ने श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह राजपूत के पार्थिव शरीर को अटल बिहारी मेडिकल कॉलेज में दान कर दिया अब यह पार्थिव शरीर मेडिकल कॉलेज के छात्रों को शोध के लिए काम आवेगा. अंतिम सेवक विकास पचौरी ने बताया कि बीते लगभग 15 वर्षों से चले आ रहे नेत्रदान, देहदान,अंगदान,रक्तदान जागरूकता अभियान के अंतर्गत 5 मार्च को यह 26 बा देहदान था. मेडिकल कॉलेज विदिशा में विश्वनाथ प्रताप सिंह राजपूत के देहदान के समय उनके पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि देकर इनकी मोक्ष की कामना करने शोक सभा हुई जिसमें विश्वनाथ प्रताप सिंह राजपूत के पुत्र हीरेंद्र प्रताप सिंह राजपूत पुष्पराज प्रताप सिंह राजपूत , सहित प्रदीप राजपूत गोविंद राजपूत,रणवीर सिंह राजपूत, उदय पाल सिंह चंदेल,रामपाल सिंह राजपूत,चंदन सिंह राजपूत,लाखन सिंह राजपूत,अंतिम सेवक विकास पचौरी,डीन मनीष निगम,एनाटॉमी विभाग के डॉ.नैना वाकोड़े डॉ सुजाता नेताम डॉ .ओम प्रकाश गौर सपोर्टिंग स्टाफ राकेश परिहार रमेश कुमार के अलाबा उनके परिवार जन एवं अनेक व्यक्ति मौजूद थे.

रैम्प योजना के तहत 40 महिला उद्यमियों का हैदराबाद दौरा

भोपाल। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम भारत सरकार की रैम्प योजना के तहत मध्यप्रदेश की 40 मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी महिला उद्यमियों को हैदराबाद में 6 से 8 मार्च तक एक्सपोज़र विजिट पर भेजने की महत्वपूर्ण पहल की गयी है।

मध्यप्रदेश के एमएसएमई विभाग का लघु उद्योग निगम इस महत्वपूर्ण दौरे में नोडल एजेंसी के रूप में साथ रहेगा। इस दौरे में महिला उद्यमी %फिक्की फ्लो इंडस्ट्रियल पार्क% और %वी-हब% जैसे महिला औद्योगिक पार्कों का दौरा करेंगी और उन्नत कार्यप्रणाली, नवीनतम तकनीकों और उन्नत कार्य के नवीनतम तौर-तरीकों को करीब से देख और समझ सकेंगी। माना जा रहा है कि महिला उद्यमी को अपने उद्यम के उन्ननयन मे सहायता मिलेगी। इस दौरान प्रदेश की महिला उद्यमी देश की प्रतिष्ठित महिला उद्योगपतियों से भी मिलेंगी और अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए उनसे संवाद कर सकेंगी। इन महिला उद्यमियों का चयन प्रदेश के जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्रों के द्वारा किया गया है।

यह 40 सदस्यीय दल 6 मार्च को भोपाल एवं इंदौर से विमान द्वारा हैदराबाद रवाना होगा। इस यात्रा का उद्देश्य महिला उद्यमियों को सफल महिला उद्यमियों से मिलने, उनके अनुभवों से सीखने और अपने व्यापार में नए विचार और तकनीक अपनाने के अवसर प्रदान करना है। पहले दिन हैदराबाद में सफल महिला उद्यमियों द्वारा अपने संघर्ष, उद्यमिता विकास और व्यवसाय में अपनाए गए नए तरीकों की जानकारी दी जाएगी। अगले दिन 7 मार्च को महिला उद्यमी फिक्की फ्लो इंडस्ट्रियल पार्क और वी-हब का दौरा करेंगी, जहां वे देश की चार प्रमुख महिला उद्यमियों के उद्योगों का अवलोकन करेंगी।

महिला उद्यमियों को यहां नवीनतम तकनीकों, योजनाओं के क्रियान्वयन और औद्योगिक पार्क की कार्यप्रणाली को समझने का अवसर मिलेगा। यह जानने का अवसर भी मिलेगा कि किस प्रकार नए प्रयोग, आधुनिक तकनीकों का उपयोग और सरकारी योजनाओं का सही क्रियान्वयन एक सफल व्यवसाय की दिशा में सहायक होता है।

स्थानीय निकायों को आय में वृद्धि पर मिलेगी प्रोत्साहन राशि, बजट में 29 करोड़ से अधिक का प्रावधान

भोपाल। प्रदेश में नगरीय निकायों को अपनी आय में वृद्धि करने के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा लगातार निर्देश दिये जा रहे हैं। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी विभिन्न बैठकों में नगर निगम महापौर और स्थानीय निकायों के अध्यक्षों को अपनी निकायों को आर्थिक रूप से आत्म-निर्भर बनाने के लिये निर्देश दिये हैं। इस वर्ष राजस्व आय में श्रेष्ठ कार्य करने वाली स्थानीय निकायों को पुरस्कृत करने के?लिये विभागीय बजट में 29 करोड़ 4 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है। प्रोत्साहन योजना में आय में वृद्धि करने वाली नगरीय निकायों को पिछले 2 वित्तीय वर्षों में राजस्व और गैर राजस्व आय में हुई वृद्धि के प्रतिशत के अनुसार प्रोत्साहन राशि दी जायेगी। नगरीय निकायों को संपत्ति कर, समेकित कर, नगरीय विकास उप कर एवं शिक्षा उप कर से प्रमुख रूप से आय होती है। इसके अलावा नगरीय निकायों को जल उपभोक्ता प्रभार, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रभार, भूमि भवन किराया, बिल्डिंग परमिशन फीस से भी आय होती है। विभाग ने नगरीय निकायों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि उनकी आबादी के हिसाब से निर्धारित की है। प्रदेश के ऐसे नगर पालिक निगम, जिनकी जनसंख्या 5 लाख से अधिक है, उन्हें प्रथम स्थान पर रहने पर 4 करोड़, द्वितीय पर 2 करोड़ 50 लाख और तृतीय स्थान पाने पर 1 करोड़ 50 लाख रूपये की राशि प्रोत्साहन स्वरूप दी जायेगी। प्रदेश के जिन नगर पालिक निगम की जनसंख्या 5 लाख से कम है, उन्हें प्रथम स्थान पर आने पर 3 करोड़ रूपये, द्वितीय पर 2 करोड़ रूपये और तृतीय स्थान प्राप्त करने पर एक करोड़ रूपये की राशि दी जायेगी।

राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने किया मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक का लोकार्पण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि निरोगी काया भगवान का सबसे बड़ा आशीर्वाद है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर निर्मल पैलेस अवधपुरी में मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। क्लिनिक की लागत लगभग 23 लाख रुपए है। क्लीनिक का निर्माण निरोगी काया अभियान के तहत किया गया है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि क्लीनिक पर मरीजों के लिए डायबिटीज, खून और ब्लड प्रेशर आदि की जांच की सुविधा उपलब्ध होगी।

38 लाख के निर्माण कार्यों का हुआ भूमिपूजन

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर ने वार्ड 61 के रामजानकी मंदिर पार्क अवधपुरी में 7 लाख रूपये के स्लेव एवं प्लेटफार्म, अवधपुरी के टैगोर नगर, भावना परिसर फेज-1 में 4 लाख रुपए के सीसी रोड निर्माण कार्य, वार्ड 61 के इंदिरा नगर में 17 लाख रुपए लागत का सीवेज नेटवर्क कार्य तथा अवधपुरी के गोपाल नगर बी-सेक्टर में 10 लाख रुपए लागत के सीसी रोड के निर्माण का भूमि-पूजन किया। इस अवसर पर पार्षद मधु शिवनानी, वी शक्ति राव, संजय शिवनानी, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र धोटे, गणेश राम नागर सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

प्रबंध संचालक ने किया निरीक्षण, बकायादारों के बिजली कनेक्शन काटने के दिए निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

यही कोई शाम साढ़े 4-5 बजे का समय था, प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल अपने दफ्तर से उठे और सीधे पहुँच गए इंडस्ट्रियल गेट जोन के अंतर्गत शहंशा गार्डन मकान नंबर 14 में निवासरत सुश्री सालेहा के घर पर। इस उपभोक्ता पर 2 लाख 81 हजार से अधिक रूपये का बिजली बिल बकाया था। उन्होंने परिसर का मुआयना किया और देखा कि परिसर में ताला लगा हुआ है और बिजली कनेक्शन कटा हुआ है। तहकीकात से पता चला कि इस उपभोक्ता को गलत राशि का बिल मिला था। उन्होंने मौके पर ही उपभोक्ता को राहत प्रदान करते हुए मीटर टेस्टिंग लैब की रिपोर्ट के आधार पर दो दिन के भीतर पुनरीक्षित बिल जारी करने के निर्देश दिए। इसी जोन के अंतर्गत मकान नंबर 201, सुदामा नगर में निवासरत उपभोक्ता श्री दीपक कुमार के घर का प्रबंध संचालक ने मुआयना किया और देखा कि उपभोक्ता के कनेक्शन में पड़ोसी के बिजली मीटर से लाइन जोड़कर बिजली उपयोग की जा रही है जबकि कंपनी के रिकार्ड में उपभोक्ता पर 35 हजार से अधिक राशि का बिल बकाया होने के कारण कनेक्शन काटा जाना दर्ज है। प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघन ने उपभोक्ता पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए और विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 138 के अंतर्गत प्रकरण बनाने के निर्देश दिए।

इस दौरान प्रबंध संचालक ने चांदबढ़ अंतर्गत नव बहार कॉलोनी स्थित गैर घरेलू उपभोक्ता श्री दुलारे खान के कनेक्शन पर 61 हजार 260 बकाया राशि पाए जाने पर उपभोक्ता द्वारा एक दिवस के भीतर राशि जमा नहीं करने पर कनेक्शन काटने के निर्देश दिए। इसी प्रकार भानपुर के शिवनगर स्थित गैर घरेलू उपभोक्ता श्री रिज़वान मलिक के कनेक्शन पर 78 हजार 057 बिजली बिल बकाया होने तथा घरेलू उपभोक्ता श्री विवेक कुमार साहू के कनेक्शन पर 1 लाख 87 हजार से अधिक बकाया होने पर ड्यूज रिक्व्हरी एक्ट के तहत कार्यवाही करने के निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान मुख्य महाप्रबंधक भोपाल क्षेत्र श्री अमृतपाल सिंह एवं महाप्रबंधक भोपाल शहर श्री बी.बी.एस. परिहार उपस्थित थे। दरअसल कंपनी के सूचना प्रौद्योगिकी अनुभाग द्वारा आरसीडीसी मॉडयूल बनाया गया है जिससे बकायादार उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटने की कार्यवाही की जाती है और यदि कोई उपभोक्ता बिजली बिल जमा किये बगैर कनेक्शन जोड़ लेता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जाती है। वैसे तो उपभोक्ता को अगर कटा हुआ कनेक्शन जुड़वाना है तो उसे निर्धारित रीकनेक्शन चार्ज जमा करना होता है। यह एक निर्धारित प्रक्रिया है और इसकी पूर्ति हर उपभोक्ता को करना होती है।

प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने अधिकारियों से कहा कि उपभोक्ताओं को जारी गलत बिल में सुधार किया जाए। बकाया राशि जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटें तथा अनधिकृत रूप से विद्युत का उपयोग और बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करें।

8 आईपीएस सहित 68 पुलिस अफसर के तबादले, मयूर खंडेलवाल उज्जैन के एएसपी बने

भोपाल। राज्य शासन ने 8 आईपीएस सहित 68 पुलिस अफसर के तबादले आदेश जारी किए हैं। भोपाल के एसीपी मयूर खंडेलवाल उज्जैन के एएसपी बनाए गए हैं।

स.क्र.	अधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	प्रस्तावित पदस्थापना
1	श्री मयूर खण्डेलवाल, भापुसे, आरआर-2020	अति.पुलिस उपायुक्त, भोपाल	अति.पुलिस अधीक्षक, जिला-उज्जैन
2	श्री नरेन्द्र रावत, भापुसे, आरआर-2021	सहा.पुलिस उपायुक्त,परदेशीपुरा, इंदौर	अति.पुलिस अधीक्षक, जिला-खरगोन
3	श्री आयुष गूपता, भापुसे, आरआर-2021	नगर पुलिस अधीक्षक, लश्कर, ग्वालियर	अति.पुलिस अधीक्षक, जिला-छिंदवाड़ा
4	श्री अभिषेक रंजन, भापुसे, आरआर-2021	अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) जिला-नीमच	अति.पुलिस अधीक्षक, जिला-सिंगरौली
5	सुश्री विदिता डागर, भापुसे, आरआर-2021	अनुविभागीय अधिकारी(पुलिस) नागौद, जिला-सतना	अति.पुलिस अधीक्षक, जिला-छतरपुर
6	श्री आदर्शकानत शुक्ला, भापुसे,21	अति. पुलिस अधीक्षक, नक्सल ऑपरेशन, बालाघाट	अति. पुलिस अधीक्षक, बैहर, बालाघाट
7	श्री करनदीप सिंह (भापुसे-22)	सहा. पुलिस आयुक्त, नगरीय इंदौर	एसडीओपी बैहर, जिला-बालाघाट
8	श्री ओमप्रकाश (भापुसे-22)	एसडीओपी, रीवा	एसडीओपी, लांजी, जिला-बालाघाट
9	श्री राजेश कुमार शर्मा (डीडी-98)	सामनि कार्यालय,पुमनि,चंबल जोन	सामनि कार्यालय,पुमनि,इंदौर जोन (ग्रामीण)
10	श्रीमती निमिषा पाण्डेय (डीडी 98)	पुलिस अधीक्षक, पीटीएस, पचमढी	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुमु.भोपाल
11	श्री गीतेश कुमार गर्ग (डीडी-98)	अति.पुलिस अधीक्षक, जिला-सीहोर	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला-धार
12	श्री सतयेनद्र सिंह तोमर,(डीडी-98)	अति.पुलिस अधीक्षक, श्योपुर	पुलिस अधीक्षक, पीटीएस, पचमढी
13	श्री मुकेश कुमार वैश्य (डीडी-98)	अति.पुलिस अधीक्षक, मैहर	पुलिस अधीक्षक, पीटीएस, उमरिया
14	श्री सुरेन्द्र सिंह गौर (डीडी-01)	अति.पुलिस अधीक्षक अग्नीशमन सेवाएं, भोपाल	उप सेनानी, 34वीं वाहिनी, विसबल,धार
15	श्रीमती मंजूलता खत्री (डीडी-2001)	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पीटीआरआई, पुमु, भोपाल	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, महिला सुरक्षा एवं अजाक, भोपाल नगरीय पुलिस
16	श्रीमती रश्मि मिश्रा (डीडी-02)	अति.पुलिस उपायुक्त आसूचना, नगरीय पुलिस, इंदौर	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुख्यालय,भोपाल
17	सुश्री प्रतिमा पटेल, (डीडी-02)	पुलिस अधीक्षक, पीटीएस, उमरिया	पुलिस अधीक्षक अजाक रेंज , सागर
18	डॉ. इन्द्रजीत बाकलवार (डीडी-06)	अति.पुलिस अधीक्षक, जिला-धार	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त/स्टॉफ ऑफिसर टू पुलिस आयुक्त कार्यालय, इंदौर नगरीय
19	श्री प्रवीण भूरिया(डीडी-06)	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त/स्टॉफ ऑफिसर टू पुलिस आयुक्त कार्यालय, इंदौर नगरीय	अति.पुलिस अधीक्षक, जिला-श्योपुर
20	श्री सुरेन्द्रपाल सिंह डाबर, (डीडी-06)	अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त/स्टॉफ ऑफिसर टू पुलिस आयुक्त कार्यालय, भोपाल	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला-मुरैना
21	श्रीमती सुनीता रावत, (डीडी-06)	अति.पुलिस अधीक्षक, पीटीसी, इंदौर	अति.पुलिस अधीक्षक, जिला-सीहोर
22	श्रीमती रचना भदौरिया (मुकाती) (डीडी-06)	उप सेनानी 34 बटा.धार	अति.पुलिस अधीक्षक, पीटीसी, इंदौर
23	सुश्री संधया राय (डीडी-08)	अति.पुलिस अधीक्षक, महिला सुरक्षा, जोनल, पुमनि, कार्यालय,भोपाल	अति.पुलिस उपायुक्त, इंदौर नगरीय
24	श्री गोपाल सिंह धाकड़ (डीडी-08)	अति.पुलिस अधीक्षक, जिला-मुरैना	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुमु, भोपाल
25	श्री विक्रम सिंह (डीडी-08)	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला-छतरपुर	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला-मऊगंज
26	श्रीमती आरती सिंह (डीडी-08)	अति.पुलिस अधीक्षक, जिला-पन्ना	अति.पुलिस अधीक्षक, जिला-रीवा
27	श्री विशाल सिंह (सीसी-10)	उप सेनानी,24वीं बटा.जाबरा, रतलाम	उप सेनानी,15वीं वाहिनी, विसबल, इंदौर
28	श्री अनिल कुमार सोनकर, (निरी-10)	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला-रीवा	पुलिस अधीक्षक, अजाक रेंज रीवा
29	श्री परवेज अनवर खान (सीसी-11)	उप सेनानी,26वीं बटा.गुना	उप सेनानी 2रीं वाहिनी, विसबल, ग्वालियर
30	श्री मती शकुंतला रूहल (डीडी-11)	पुलिस अधीक्षक, अजाक रेंज, इंदौर	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण जिला-खरगोन
31	श्री मनोहर सिंह बारिया (डीडी-12)	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक,जिला-खरगोन, ग्रामीण	उप सेनानी, 24वीं वाहिनी, विसबल, जावरा, रतलाम
32	डॉ.चंचल नागर (डीडी-12)	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, अअवि, उज्जैन	अति.पुलिस अधीक्षक, जिला-मैहर
33	सुश्री वंदना चौहान (डीडी-12)	पुलिस अधीक्षक, अजाक रेंज-सागर	अति.पुलिस अधीक्षक, जिला-पन्ना
34	सुश्री सौम्या जैन, (डीडी-12)	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, पीटीसी, इंदौर	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला-देवास
35	श्री अनुराग पाण्डे (निरी-13)	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला-मऊगंज	उप सेनानी 13वीं वाहिनी, विसबल, ग्वालियर
36	श्री मनोज वर्मा (रनि-13)	उप सेनानी, 18वीं बटा. शिवपुरी	उप सेनानी, 10वीं वाहिनी विसबल, सागर
37	श्री पंकज कुमार शर्मा (सीसी-13)	उप सेनानी, 6वीं वाहिनी, विसबल, जबलपुर	उप सेनानी, मान.उचच नयायालय, सुरक्षा इंदौर
38	श्री अमित कुमार वर्मा (डीडी-01)	अति. पुलिस अधीक्षक, जिला-मंडला	अति.पुलिस अधीक्षक, जिला-डिंडोरी
39	श्री के.एल. बंजारे (डीडी-01)	अति.पुलिस अधीक्षक, बैहर जिला-बालाघाट	उप सेनानी,36वीं भा.र.वाहिनी विसबल, बालाघाट
40	श्री शिव कुमार वर्मा (डीडी-02)	अति.पुलिस अधीक्षक, जिला-सिंगरौली	अति.पुलिस अधीक्षक, जिला-मंडला
41	श्री जगनाथ मरकाम (डीडी-02)	अति.पुलिस अधीक्षक, डिंडोरी	उप सेनानी 8वीं वाहिनी, बिसवल छिंदवाड़ा
42	श्री प्रदीप कुमार शेणडे (डीडी-02)	अति.पुलिस अधीक्षक, यातायात, जिला-जबलपुर	उप सेनानी 35वीं भा.र.वाहिनी विसवल, मंडला
43	श्री वल्लभ सैयाम, (सीसी-10)	उप सेनानी, सुरक्षा वाहनी विशेष शाखा पुलिस मुख्यालय, भोपाल	उप सेनानी 35वीं भा.र.वाहिनी, मंडला
44	श्री राकेश कुमार पन्द्रो (डीडी-11)	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, योजना, पुलिस मुखयालय,भोपाल	अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, नक्सल ऑपरेशन, बालाघाट
45	श्री मनोज करपेती, (सीसी-11)	उप सेनानी, 36वीं भा.र. वाहिनी, विसबल, बालाघाट	उप सेनानी 13वीं वाहिनी, विसबल, ग्वालियर
46	श्री अजय बहादुर लावरे, (सीसी-15)	सहायक सेनानी 36वीं भा.र. वाहिनी बालाघाट	सहायक सेनानी 24वीं वाहिनी विसबल, जावरा रतलाम
47	श्रीमती माणकमणि कुमावत (डीडी-17)	एसडीओपी, कटंगी, बालाघाट	उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस मुख्यालय,भोपाल
48	श्रीमती नेहा पचचीसिया (डीडी-17)	एसडीओपी, नैनपुर जिला-मंडला	उप पुलिस अधीक्षक, महिला सुरक्षा, खण्डवा
49	श्री सतीश कुमार साहू (डीडी-18)	एसडीओपी,परसवाड़ा, जिला-बालाघाट	नगर पुलिस अधीक्षक,रांझी, जिला-जबलपुर
50	श्रीमती प्रतिषठा राठौर (डीडी-18)	सहायक सेनानी,10वीं वाहिनी, विसबल, सागर	उप पुलिस अधीक्षक,महिला सुरक्षा, बालाघाट
51	श्री विवेक कुमार शर्मा (डीडी-18)	एसडीओपी, डबरा जिला-ग्वालियर	एसडीओपी कटंगी, जिला-बालाघाट
52	श्री मनीष राज (डीडी-18)	एसडीओपी, कुरवाई, जिला-विदिशा	एसडीओपी नैनपुर, जिला-मंडला
53	श्री सौरभ तिवारी (डीडी-18)	एसडीओपी, चौरई जिला-छिंदवाड़ा	एसडीओपी, विछिया, जिला-मंडला
54	श्री विवेक कुमार गौतम (डीडी-18)	नगर पुलिस अधीक्षक, रांझी, जिला-जबलपुर	उप पुलिस अधीक्षक, जिला-डिंडोरी
55	श्री राजाराम धाकड (डीडी-18)	एसडीओपी, गरौठ, जिला-मंदसौर	उप पुलिस अधीक्षक, पुमानि कार्यलय, बालाघाट जोन
56	श्री अरविन्द कुमार शाह (डीडी-18)	एसडीओपी बैहर, जिला-बालाघाट	एसडीओपी, पारसवाड़ा, जिला-बालाघाट
57	श्रीमती अर्चना अहीर (डीडी-18)	एसडीओपी, विछिया, जिला-मंडला	उप पुलिस अधीक्षक, अजाक, मंडला
58	श्री विमलेश उईके (डीडी-19)	एसडीओपी, मनासा,जिला-नीमच	सहायक सेनानी, 36वीं भा.र.वाहिनी, बालाघाट
59	श्री बिन्दूसार सिंह, (डीडी-19)	सहायक सेनानी 2री वाहिनी, विसबल, ग्वालियर	उप पुलिस अधीक्षक, अजाक, जिला-बालाघाट
60	श्री रजनीश भार्गव सीसी-21)	कार्य. सहायक सेनानी, 2री वाहिनी, विसबल, ग्वालियर	कार्य.सहायक सेनानी, 36वीं भा.र.वाहिनी, बालाघाट
61	श्री बलवीर सिंह चावंड (सीसी-21)	कार्य.सहायक सेनानी,32वीं वाहिनी, विसबल, उज्जैन	कार्य. सहायक सेनानी 35वीं भा.र.वाहिनी, मंडला
62	श्री संजय सक्सेना (सीसी-23)	कार्य.सहायक सेनानी,7वीं वाहिनी, विसबल,भोपाल	कार्य.सहायक सेनानी, 36वीं भा.र.वाहिनी, बालाघाट
63	श्री देवेन्द्र कुमार शर्मा, (सीसी-23)	कार्य. सहायक सेनानी, 23वीं वाहिनी, विसबल,भोपाल	कार्य.सहायक सेनानी, 35वीं भा.र.वाहिनी, मंडला
64	श्री सतयपाल सिंह बघेल (सीसी-23)	कार्य.सहायक सेनानी, 18वीं वाहिनी, विसबल, शिवपुरी	कार्य.सहायक सेनानी, 35वीं भा.र. वाहिनी मंडला

क्रमांक F.No.1/1/4/0013/2025-B-4[Hom]: राज्य शासन एतदद्वारा निम्नांकित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित कर आगामी आदेश तक उनके नाम के सम्मुख कॉलम-4 में दर्शाये पदस्थापना स्थल के पद पर पदस्थ किया जाता है-

क्रं	अधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
(1)	(2)	(3)	(4)
1	श्री दिनेश कुमार कौशल, डीडी-1998	जोनल पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा, रीवा	जोनल पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा, भोपाल
2	श्री अमित सक्सेना, डीडी-1998	जोनल पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा, भोपाल	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुखयालय, भोपाल
3	श्री शिवकुमार सिंह, डीडी-2006	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पी.टी.आर.आई. पुलिस मुख्यालय, भोपाल	जोनल पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा, रीवा
4	श्री संतोष सिंह भदौरिया, निरी-2013	जोनल पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा, रीवा	सहायक पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस मुखयालय, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशन में हुई सत्कार व्यवस्था की देश-विदेश के अतिथियों ने की सराहना

इन्वेस्टर्स समिट: व्यंजनों का स्वाद और सुगंध विश्व के कोने-कोने में पहुंची

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के पर्यटन व संस्कृति पर केंद्रित सत्र में कहा था कि मेले का मतलब है मेल-जोल बढ़ाना और ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट, उद्योगपतियों-निवेशकों-उद्यमियों और सरकार व प्रदेशवासियों के बीच मेल-जोल बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है। भोपाल में पहली बार आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में देश दुनिया के प्रमुख उद्योगपति, निवेशक, यंग इन्नोवेटर, जनप्रतिनिधि और अधिकारी शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुसार निवेश के इस महाकुंभ में पधार रहे सभी अतिथियों का स्वागत-सत्कार, भारतीय संस्कृति के 卐अतिथि देवो भव卐 का भाव जीआईएस में साकार हुआ। उनका विचार था कि यह आयोजन परस्पर मेल-जोल, सद्भावना और सुखद अनुभूति के साथ हो और समिट की सुमधुर स्मृतियां, लंबे चलने वाले संबंधों का आधार बनें। अत: इस वैश्विक आयोजन में अतिथियों के आवागमन-आवास और भोजन की व्यवस्था के प्रति आरंभ से ही विशेष संवेदनशीलता रही।

वैश्विक सम्मेलन में, विविधता से भरे हमारे देश के विभिन्न भागों के साथ-साथ दुनिया के लगभग 60 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। भोजन, सभी की मूल आवश्यकता है, परंतु अलग-अलग सामाजिक -सांस्कृतिक-भौगोलिक परिवेश के कारण भोजन के लिए लोगों की आदतें, रुचियां और आवश्यकताएं अलग-अलग होती हैं। विभिन्न क्षेत्रों से आए इन विशिष्ट जन के लिए भोजन की व्यवस्था एक चुनौती थी। विविधता भरे समागम में सभी के स्वाद और संतुष्टि के अनुरूप भोजन की व्यवस्था करना, एक प्रकार से अपनी दक्षता का प्रमाण देने जैसा था।

भोजन हमारी संपन्नता- सांस्कृतिक विविधता और समृद्ध विरासत को अभिव्यक्त करने का माध्यम है। यह माना जाता है कि भोजन में लोगों को जोड़ने की अद्भुत क्षमता है। अच्छे स्वाद-सुगंध-स्पर्श और आकर्षक प्रस्तुतिकरण से भोजन की यह क्षमता और बढ़ जाती है। देश के दिल में बसे मध्यप्रदेश का भोजन, नए बदलावों को समरसता के साथ आत्मसात करने का प्रतीक है। स्वरुचि भोज परस्पर सौहार्द्र पैदा करने की सामर्थ्य रखते हैं। ग्लोबल समिट के लंच डिनर सेशन, प्रदेश की संपन्नता और आत्मीय तथा सर्व समावेशी व्यवहार के प्रकटीकरण का माध्यम बने। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा दिए गए भोज देश-विदेश के उद्योग समूहों को मध्यप्रदेश के करीब लाने और उनमें राज्य के प्रति रुचि विकसित करने तथा परस्पर मेल-जोल बढ़ाने में सफल रहे।वैश्विक सम्मेलन में जापान से लेकर जर्मनी और अमेरिका,

आस्ट्रेलिया, अफ्रीका सहित लगभग सभी महाद्विपों के देशों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इसके साथ ही देश के विभिन्न राज्यों से आए व्यापार-उद्योग जगत के प्रतिनिधि इस समागम को विविधता से परिपूर्ण बना रहे थे। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लंच-डिनर सेशन में सबकी रुचि-संस्कृति-क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता सब के स्वाद और स्वभाव अनुसार भोजन परोसा गया। खान-पान में मध्यप्रदेश और देश के प्रमुख व्यंजनों के साथ-साथ यूरोपियन, थाई, चाइनीस डिशेज शामिल थीं। जैन फूड, वीगन, मिलेट (श्री अन्न) और ग्लूटेन फ्री आहार लेने वालों का विशेष ध्यान रखा गया। भोजन तैयार करने में प्रदेश के प्रमुख शेफ, विशेषज्ञों, कारीगरों और इस क्षेत्र की प्रतिनिधि संस्थाओं की मदद ली गई। मध्यप्रदेश के व्यंजनों में हाउस ऑफ सैलाना के रॉयल क्यूज़ीन के अंतर्गत मोती के दाने, दाल बाफले, घुइयां की सब्जी, सिंघाड़े की चाट, मुरैना की गजक, झाबुआ का मालपुआ, उज्जैन की कुल्फी, हींग कचौड़ी, रिकमज की सब्जी, इंद्रहर, महुआ का मीठा, टेथरा की रबड़ी और भोपाली गोभी मुसल्लम खास रहे। देश के विभिन्न अंचलों के व्यंजनों में अमृतसरी छोले कुलचे, बिहारी लिट्टी चोखा, दक्षिण का डोसा-उत्तपम, मेरठ की रोटियां और पराठे, बंगाली चौम चौम और केसर अंगूरी रसमलाई परोसे गए।अन्तर्राष्ट्रीय व्यंजनों में पास्ता, टॉर्ट, रिसोटो, ग्नौची, क्लासिक ओपेरा, बास्किन-रॉबिंस की आइसक्रीम, इंडो चाइनीस वोक, नूडल्स, थाय करी और डिम्सिम अतिथियों के आकर्षण का केंद्र रहे। मिलेट फूड के अंतर्गत कुटकी की खीर, रागी बालूशाही, मिलेट खिचड़ी, बाजरे की टिक्की तो जैन फूड में बिना प्याज, लहसुन के व्यंजन और मिलेट थालीपीठ शामिल थे। अलग-अलग क्षेत्र से आए अतिथि, अपने क्षेत्र के मूल व्यंजनों के साथ-साथ अपनी रुचि और जिज्ञासा के अनुसार अन्य क्षेत्रों के व्यंजनों का आनंद लेते रहे। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लंच-डिनर सेशन ने भोजन के सम्मोहन और विविधता से एकाकार होने के अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशन में हुई सत्कार व्यवस्था की देश-विदेश के अतिथियों ने सराहना की। भोजन के विभिन्न सत्रों में नवाचार के साथ परोसी गई मिलेट (श्री अन्न) की डिशेज और मध्यप्रदेश के स्थानीय व्यंजनों की विशेष सराहना हुई। राज्य में पर्यटन गतिविधियों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है, पर्यटन को बढ़ाने में अतिथियों के स्वागत-सत्कार और उनके आवास,भोजन आवागमन आदि की संतोषजनक व्यवस्था का विशेष महत्व है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की व्यवस्थाओं ने इस क्षेत्र में प्रदेश की दक्षता और क्षमता को देश विदेश के अतिथियों के सामने प्रस्तुत किया। देश-विदेश के अतिथियों के मन-मस्तिष्क में बनी प्रदेश की इस छवि से समिट की व्यवस्थाओं और परोसे गए व्यंजनों के स्वाद की गूंज विश्व के कोने कोने में पहुंची है। इससे निश्चित ही और अधिक पर्यटक प्रदेश की ओर अकर्षित होंगे तथा प्रदेश उद्योग-व्यापार सहित पर्यटन के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा।

एमपी ट्रांसको ऑपरेशनल एक्सीलेंस के लिये प्रतिष्ठित अवार्ड से पुरस्कृत

भोपाल। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) को अपने ट्रांसमिशन नेटवर्क में ऑपरेशनल एक्सीलेंस के लिये राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित 11वें गवर्नेंस-नाउ पी.एस.यू. अवार्ड से पुरस्कृत किया गया है। देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पी.एस.यू.) के प्रभावशाली योगदान को मान्यता देने के लिए समर्पित यह पुरस्कार मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) को ऑपरेशनल एक्सीलेंस- ''ऑटोमेशन एंड डिजीटल टेक्नॉलाजी'' केटेगरी में नवाचार एवं अत्याधुनिक तकनीकों के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिये प्रदान किया गया है। दिल्ली में एम.पी. ट्रांसको को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार भारत सरकार के मानव संसाधन विकास और जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प मंत्रालय के पूर्व राज्य मंत्री सत्यपाल सिंह ने प्रदान किया, जिसे मुख्य अभियंता संदीप गायकवाड़ ने प्राप्त किया। यह आयोजन प्रतिष्ठित संस्था गवर्नेंस-नाउ द्वारा आयोजित किया गया। ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर एवं अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ने एम.पी. ट्रांसको को इस उपलब्धि पर बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता आर.एस. बघेल के विशिष्ट प्रयासों से ट्रांसमिशन लाइनों की ड्रोन से सघन पेट्रोलिंग करने वाला देश का शुरूआती राज्य है। मध्यप्रदेश के इस मॉडल को देश की अन्य विद्युत यूटिलिटी ने भी अपनाया। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने ड्रोन पेट्रोलिंग से प्राप्त डाटा का व्यापक विश्लेषण एवं अन्वेषण कर ट्रांसमिशन लाइनों का मेंटेनेन्स सटीकता से किया, जिससे एम.पी. ट्रांसको की लाइनों के ब्रेकडाउन में कमी लाई जा सकी है।

शिवाजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट का सातवा वर्ष का उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने किया पोस्टर विमोचन। यह ट्रॉफी अंकुर खेल मैदान में 10 मार्च से खेली जाएगी।

दिल्ली में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के लाइनमैन हुए सम्मानित

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्य क्षेत्र में निर्धारित मापदंडों पर उच्च प्रदर्शन करने वाले तीन लाइनमैन का सम्मान केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नई दिल्ली में आयोजित लाइनमैन दिवस समारोह में किया गया। सम्मानित होने वालों में कंपनी के जूनियर इंजीनियर श्री संतोष कुमार अहिरवार को नोडल अधिकारी के रूप में सम्मानित किया गया है। साथ ही

कंपनी कार्य क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर हरदा वृत्त में कार्यरत वरिष्ठ लाईन अटेंडेंट श्री रामदीन सेजकर, ग्वालियर शहर वृत्त अंतर्गत कार्यरत श्री अशोक बुनकर एवं श्री अर्जुन बिनजावे को सम्मानित किया गया। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर नई दिल्ली में आयोजित लाइनमैन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सम्मान समारोह -2025 में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के चार कार्मिकों को अवार्ड मिनले पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर तथा मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने सभी कार्मिकों को बधाई दी है। गौरतलब है कि समारोह में देश की लगभग 70 डिस्कॉम, 28 ट्रांसमिशन कंपनियों तथा 25 जनरेशन कंपनियों ने भाग लिया। इसमें से मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के चार कार्मिकों को हाई परफार्मिंग डिस्कॉम का अवार्ड मिला। कंपनी के कार्मिकों को यह अवॉर्ड हमेशा सुरक्षा किट प्रयोग किए जाने, निरन्तर सुरक्षा का ध्यान रखते हुए कार्य करने, तनाव रहित सेवा कार्य करते हुए सुरक्षा मानकों को बेहतरीन ढंग से अपनाने के लिये मिला है।

बिजली कंपनियों में रिक्त 2573 पदों की भर्ती के लिए ऑनलाइन परीक्षा 20 मार्च से

भोपाल। ऊर्जा विभाग के अधीन तीनों बिजली वितरण कंपनियों, ट्रांसमिशन कंपनी, जनरेशन कंपनी और पॉवर मैनेजमेंट कंपनी में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के रिक्त 2573 पदों के लिए ऑनलाइन परीक्षा कार्यक्रम 20 से 30 मार्च तक घोषित कर दिया गया है। यह परीक्षा इंदौर, भोपाल, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सतना, सागर में होगी। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि इन भर्तियों से बिजली वितरण, जनरेशन, ट्रांसमिशन कार्यों के अलावा कार्यालयीन व्यवस्थाओं में काफी आसानी होगी। ऊर्जा विभाग में भर्ती के लिए नोडल कंपनी मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि लॉ असिस्टेंट, असिस्टेंट लॉ ऑफिसर के लिए परीक्षा 20 मार्च को सुबह 9 से 11 बजे, स्टोर असिस्टेंट, ड्रेसर, फायर मैन, जूनियर स्टेनोग्राफर, सिक्योरिटी गार्ड के लिए दोपहर 1 से 3 और जूनियर इंजीनियर मैकेनिकल प्लांट के लिए शाम 5 से 7 तक परीक्षा होगी। ऑफिस असिस्टेंट ग्रेड 3 के लिए 21 मार्च को तीन सत्रों में सुबह 9 से 11, दोपहर 1 से 3 और शाम 5 से 7 तक, जूनियर इंजीनियर सिविल के लिए 22 मार्च सुबह 9 से 11, प्लांट असिस्टेंट इलेक्ट्रिकल दोपहर 1 से 3, प्लांट असिस्टेंट मैकेनिकल शाम 5 से 7 तक परीक्षा होगी। इसी तरह असिस्टेंट मैनेजर एचआर, सिक्योरिटी सब इंस्पेक्टर के लिए 23 मार्च सुबह 9 से 11, असिस्टेंट मैनेजर आईटी, सिविल अटेंडेंट व रेडियोग्राफर के लिए दोपहर 1 से 3, लेब टेक्निशियन के लिए शाम 5 से 7 तक परीक्षा होगी।

प्रबंध निदेशक ने बताया कि ईसीजी टेक्निशियन, फार्मासिस्ट, पब्लिसिटी ऑफिसर के लिए 24 को 9 से 11, एएनएम, स्टॉफ नर्स, प्रोग्रामर, वेलफेयर असिस्टेंट के लिए दोपहर 1 से 3 बजे तक, जूनियर इंजीनियर इलेक्ट्रॉनिक्स (प्लांट) के लिए शाम 5 से 7 तक परीक्षा होगी। लाइन अटेंडेंट के लिए 26 से 29 मार्च 4 दिन सुबह 9 से 11, दोपहर 1 से 3 और शाम 5 से 7 तक परीक्षा होगी। इसी तरह जूनियर इंजीनियर डिस्ट्रिब्यूशन, ट्रांसमिशन, प्लांट, इलेक्ट्रिकल के लिए 30 मार्च को सुबह 9 से 11, दोपहर 1 से 3 और शाम 5 से 7 तक परीक्षा होगी।प्रबंध निदेशक ने बताया कि इन परीक्षाओं के लिए करीब सवा लाख युवाओं ने एमपी ऑन लाइन के माध्यम से ऑनलाइन फार्म जमा कराए थे। प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने अभ्यर्थियों से ऑन लाइन माध्यम से प्रवेश पत्र लाउनलोड कर प्रवेश पत्र में लिखे नियम, शर्तों के अनुरूप तय समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने का अनुरोध किया है।

बच्चों को मारने पर अब शिक्षकों पर होगी सख्त कार्रवाई

सरकारी और निजी स्कूलों में छात्रों के साथ शारीरिक सजा या मारपीट अब पूरी तरह से प्रतिबंधित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश के सरकारी और निजी स्कूलों में छात्रों के साथ शारीरिक सजा या मारपीट अब पूरी तरह से प्रतिबंधित हो गई है। इसके तहत शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। यह फैसला बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चिट्ठी के बाद लिया गया है।मध्य प्रदेश में अब स्कूलों में शारीरिक सजा पूरी तरह से बैन होगी। राज्य के शिक्षा विभाग ने जिला शिक्षा अधिकारियों को इस मामले में सख्त निर्देश जारी किए हैं। यह आदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की ओर से भेजे गए पत्र के आधार पर लागू हुआ है। शारीरिक सजा और मानसिक प्रताड़ना को लेकर सख्त कदम उठाए जाएंगे। अपर संचालक रवींद्र कुमार सिंह ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्कूल में ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए। यदि ऐसा होता है, तो इसके खिलाफ कानूनी और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा अधिनियम में सजा का प्रावधान

मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा अधिनियम 2009 की धारा 17(1) के तहत शारीरिक और मानसिक दंड पर पूरी तरह से प्रतिबंध है। इसके तहत किसी भी शिक्षक या स्कूल द्वारा इस तरह की कार्रवाई करना दंडनीय अपराध है। इसके अलावा भारतीय दंड संहिता की धारा 323 भी शारीरिक दंड को प्रतिबंधित करती है।

सजा देने की घटनाओं पर रोक

राज्य में सभी जिलों के सरकारी और निजी स्कूलों में शारीरिक दंड की घटनाओं की तुरंत पहचान की जाएगी। इसके लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे ताकि बच्चों को शारीरिक सजा का सामना न करना पड़े। जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि ऐसी घटनाओं की सूचना मिलने पर वे तुरंत कार्रवाई करें।

हाल ही में सामने आई शारीरिक सजा की घटनाएं

भोपाल में 2 महीने पहले एक घटना सामने आई थी, जहां एक शिक्षक ने 11वीं कक्षा के छात्र को इतनी बुरी तरह मारा कि उसके पैरों की चमड़ी तक उतर गई थी। छात्र ने आरोप लगाया था कि शिक्षक ने उसे फुटबॉल शूज से मारा था। इसके बाद छात्र के परिजनों ने जिला शिक्षा अधिकारी से शिकायत की थी। वहीं रीवा में भी एक 5 साल के बच्चे को बुरी तरह से डांटा गया और फिर उसे टॉयलेट साफ करने के लिए मजबूर किया गया था। इस घटना को लेकर परिजनों ने स्कूल प्रशासन से शिकायत की, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई, जिससे उन्हें लिखित शिकायत करनी पड़ी।

सौदेबाजी का ट्रंप कार्ड

बीते शुक्रवार अमेरिका के व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच जो अप्रिय विवाद हुआ, उसे पूरी दुनिया ने देखा। विश्व की महाशक्ति कहे जाने वाले अमेरिका में दो राष्ट्राध्यक्षों के बीच पहली बार ऐसी तीखी नोकझोंक देखने को मिली। शायद यह मामला उजागर न होता यदि दोनों नेता प्रेसवार्ता में टीवी कैमरों के सामने न बैठे होते। दरअसल, एक तरफ बड़बोले ट्रंप थे तो दूसरी ओर कूटनीति में अपरिपक्व कहे जाने वाले जेलेंस्की थे, जो रूस से निरंतर खतरे को देखते हुए सुरक्षा की गारंटी मांग रहे थे। वहीं ट्रंप यूक्रेन को दी मदद की कीमत उसके खनिज भंडारों पर कब्जे के रूप में मांग रहे थे। निस्संदेह, तीन साल से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध में अमेरिका ने यूक्रेन की भरपूर मदद की। यदि यूक्रेन युद्ध में टिक पाया तो उसके पीछे अमेरिका व यूरोपीय देशों की आर्थिक व सैन्य मदद थी। लेकिन सत्ता बदलने के बाद ट्रंप कहते रहे हैं कि अमेरिका के करदाताओं का पैसा यूं युद्ध में नहीं झोंका जा सकता,यूक्रेन को मदद की कीमत चुकानी होगी। वैसे खुलेआम युद्ध विराम के लिये सौदेबाजी से अमेरिका की छवि को लेकर कोई अच्छा संदेश दुनिया में नहीं गया। निस्संदेह, ट्रंप की युद्धविराम की कोशिश सार्थक पहल है लेकिन शांति की कीमत वसूलना सभ्य समाज के लिये कोई अच्छी बात भी नहीं है। दरअसल, यूक्रेन प्रस्तावित समझौते में खुद को छला महसूस कर रहा है। एक तो रूस के द्वारा कब्जाये क्षेत्र को वापस न देने की बात की जा रही है तो दूसरे इस बात की गारंटी भी नहीं दी जा रही है कि रूस फिर से हमला नहीं करेगा। दरअसल, जेलेंस्की रूस पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। इस लिये उसकी सोच रही है कि पहले अमेरिका उसे सुरक्षा की गारंटी दे। ऐसी मांग करना कोई गलत भी नहीं है क्योंकि पिछले तीन साल से यूक्रेन लगातार रूस के घातक हमलों को झेल रहा है।

लेकिन पूरी दुनिया में यह बात लोगों के गले नहीं उतर रही है कि ट्रंप शांति स्थापना के प्रयासों की कीमत यूक्रेन के बहुमूल्य खनिज कब्जाकर वसूलें। फिलहाल ट्रंप व जेलेंस्की की नोकझोंक के बाद समझौता व युद्धविराम का मसला खटाई में जाता दिख रहा है। लेकिन हकीकत यह भी है कि यूरोपीय देशों के यूक्रेन के पक्ष में एकजुट होने के बाद भी उसका लंबे समय तक युद्ध में टिका रहना संभव न होगा। यही वजह है कि यूरोप के भरपूर समर्थन के बावजूद निश्चित नहीं कहा जा सकता कि यूक्रेन रूस का मुकाबला पहले ही तरह कर पाएगा। वहीं वजह साफ है कि नाटो के यूरोपीय सदस्य बिना अमेरिकी मदद के यूक्रेन को सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकते। वहीं दूसरी ओर कूटनीतिज्ञों का कहना है कि एक महाशक्ति से युद्धरत रहते हुए यूक्रेन दूसरी महाशक्ति को नाराज नहीं कर सकता। दरअसल, यूक्रेन में रूस ही नहीं, अमेरिका व यूरोपीय देश भी अपने हित देखकर कदम उठा रहे हैं। कहा जा रहा है कि ट्रंप से टकराव की कीमत यूक्रेन को चुकानी पड़ सकती है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जेलेंस्की के व्हाइट हाउस आने से पहले ट्रंप जोर्डन, ब्रिटेन, फ्रांस के शीर्ष नेताओं के साथ तल्ख व्यवहार कर चुके थे। हालांकि, भारतीय प्रधानमंत्री ट्रंप से मुलाकात के दौरान किसी भी टकराव को टालने को अपनी प्राथमिकता बनाए रहे। भारत को पता है कि ट्रंप जब कनाडा व यूरोपीय देशों के नेताओं को नहीं बख्श रहे तो हमें अपने सम्मान व हितों की रक्षा खुद करनी होगी। वह भी तब जब ट्रंप अमेरिका फर्स्ट का नारा लगातार लगा रहे हैं। उन्होंने टैरिफ लगाने में गोरे देश कनाडा तथा चीन को भी नहीं बख्शा। भारत के टैरिफ के भेदभाव को लेकर ट्रंप लगातार मुखर रहे हैं। कथित अवैध अप्रवासी भारतीयों के साथ अमेरिका ने जैसा अमानवीय व्यवहार किया,वह किसी से छिपा नहीं है। भारत को अच्छी तरह पता है कि हमारा सदाबहार मित्र रूस अब ट्रंप के करीब है और ब्रिक्स के देश चीन के ज्यादा नजदीक हैं। ऐसे में हमें अपने हितों की रक्षा अपने बूते ही करनी होगी।

क्रिप्टोकरेंसी: डॉलर का दबदबा कमजोर होगा

राकेश दुबे

सावधान हो जाएँ,दुनिया अब क्रिप्टोकरेंसी की ओर दौड़ने जा रही है। कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की घोषणा है 'अमेरिका क्रिप्टोकरेंसी का अहम भंडार तैयार करेगा तभी से क्रिप्टो बाजार दौड़ने लगा है।' इससे व्यापक आर्थिक हलकों में उलझन और चिंता पसर गई है। ट्रंप का कहना है कि इस भंडार में पांच अलग-अलग क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन, इथिरियम, रिपल, सॉल और एडा रहेंगी।

भारत और अमेरिका के पास पेट्रोलियम के ऐसे ही रणनीतिक भंडार हैं, जो इसलिए तैयार किए जाते हैं ताकि बाजार में मांग और आपूर्ति का असंतुलन बनने पर हालात संभाले जा सकें। ऐसी स्थिति की कल्पना करना भी मुश्किल है, जहां बाजार को सहारा देने के लिए क्रिप्टोकरेंसी भंडार का इस्तेमाल करना पड़े। दुनिया की आरक्षित मुद्रा जारी करने वाला अमेरिका अगर ऐसा भंडार बना रहा है तो इसका साफ मतलब है कि वह डॉलर में भरोसे की कमी को मान रहा है।

कुछ सरकारों को क्रिप्टोकरेंसी से कोई दिक्कत नहीं है और कुछ के पास बड़ी मात्रा में क्रिप्टोकरेंसी हैं। उदाहरण के लिए अमेरिका के ही पास करीब 17 अरब डॉलर के बराबर ऐसी क्रिप्टोकरेंसी है, जो उसने अपराधियों से जब्त की है। चीन के पास करीब 19 अरब डॉलर मूल्य की क्रिप्टोकरेंसी है। ऐसे में भंडार तैयार करने की घोषणा से दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों और सरकारी वेल्थ फंडों को इसमें दिलचस्पी हो सकती है। उस लिहाज से देखें तो इन डिजिटल मुद्राओं को खुद ही स्वीकार्यता मिल रही है, जिससे ये लंबे समय तक दौड़ सकती हैं।

चूंकि सोना हटाने पर अमेरिका के पास ज्यादा विदेशी मुद्रा भंडार नहीं है, इसलिए उसके पास क्रिप्टोकरेंसी का बड़ा जखीरा है, जिसे इस भंडार में रखा जा सकता है। परंतु भंडार तैयार होने के साथ ही कुछ असहज करने वाले सवाल पैदा हो जाएंगे।

अमेरिका में कमोडिटी का 'रणनीतिक भंडार' कांग्रेस के एक अधिनियम के जरिये बनाया जाता है और उस पर कार्यपालिका का नियंत्रण रहता है, जबकि मुद्रा पर फेडरल रिजर्व जैसे स्वतंत्र संस्थानों का नियंत्रण होता है। अगर विधायी प्रक्रिया अपनाई गई तो राष्ट्रपति बाजार संचालन का आदेश दे सकेंगे। अमेरिका सरकार चाहेगी तो क्रिप्टोकरेंसी बाजार पर आसानी से दबदबा कायम कर सकती है। बिटकॉइन, इथिरियम और अन्य सभी क्रिप्टोकरेंसी के अल्गोरिद्म अलग-अलग हैं मगर उन सभी को कंप्यूटर पर गणित के जरिये तैयार किया जाता है। चूंकि ये सीमित मात्रा में ही तैयार हो पाती हैं, इसलिए पता रहता है कि कितनी करेंसी आएगी। मांग में तेज इजाफा हुआ तो कीमतें चढ़ सकती हैं। बड़ी मात्रा में इन्हें बेचा गया तो कीमत धड़ाम हो जाएंगी क्योंकि बाजार में मांग से ज्यादा क्रिप्टोकरेंसी उपलब्ध होगी। ट्रंप संपत्तियों की सूची (या अपने कर विवरण) जारी करने की मांग को लगातार खारिज करते रहे हैं मगर सब जानते हैं कि क्रिप्टोकरेंसी में उनका निवेश है। उनके करीबी सलाहकार ईलॉन मस्क का भी क्रिप्टोकरेंसी में निवेश है। अमेरिकी सरकार के संसाधनों के जरिये क्रिप्टोकरेंसी बाजार को प्रभावित करने की क्षमता हितों का भारी टकराव पैदा कर सकती है। सीधे शब्दों में कहें तो ट्रंप और उनके सहयोगी इसके जरिये और भी अमीर बन सकते हैं। बिटकॉइन तो पूरी तरह विकेंद्रीकृत है और उसकी ब्लॉकचेन का कोई मालिक नहीं है मगर रिपल, सॉल और एडा की ब्लॉकचेन को निजी संस्थाएं चलाती हैं। इन निची कंपनियों का अमेरिकी सरकार से कोई रिश्ता हुआ तो मामला और भी पेचीदा हो सकता है। इन खतरों के अलावा बुनियादी सवाल वही है-ऐसे रणनीतिक भंडार बनाने का आर्थिक औचित्य अब तक सामने नहीं आया है। अमेरिका के लिए खास तौर पर यह सच है क्योंकि वह दुनिया की आरक्षित मुद्रा जारी करता है और किसी भी विदेशी कर्ज को डॉलर छापकर निपटा सकता है। क्रिप्टो भंडार रखने की एक ही वजह हो सकती है - भविष्य में डॉलर का दबदबा कमजोर होने की आशंका। यही वजह है कि क्रिप्टोकरेंसी भंडार बनने भर से डॉलर में भरोसा कमजोर हो सकता है।

कमोबेश सभी मानक भाषाएं बोलियों को 'खा' रही हैं, पर इलाज क्या?

अजय बोकिल

तमिलनाडु में डीएमके सरकार के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने भाजपा और केन्द्र सरकार से अपनी राजनीतिक लड़ाई में जिस तरह हिंदी को खलनायक बनाने की कोशिश की है, उसके पीछे आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर वोटों की गोलबंदी तो है ही साथ में यह आरोप भी है हिंदी उत्तर भारत में अपनी पच्चीस बोलियों को खा गई। इस आरोप में आंशिक सच्चाई है, लेकिन इसके पीछे कारण वो नहीं है, जो स्टालिन अपने सियासी चश्मे से गिना रहे हैं। आज अगर मानक हिंदी अपनी उपभाषाओंऔर बोलियों पर हावी हो रही है तो इसके पीछे बोलियों के संहार की मंशा न होकर मानक हिंदी भाषा का व्यावहारिक कारणों से बढता इस्तेमाल है। 2011 की जनगणना के अनुसार देश में 96.71 फीसदी आबादी भारतीय मानक भाषाओं का प्रयोग करती हैं। बोलियों का विलुप्त अथवा धीरे धीरे चलन से बाहर होते जाना, यह समस्या अकेले हिंदी के साथ ही नहीं है बल्कि उन सभी संविधान मान्य 22 भारतीय भाषाओं के साथ है, जो अब अपने अपने राज्यों की राजभाषाएं भी हैं, जिसमे खुद स्टालिन की मातृभाषा तमिल भी शामिल है। मानक हिंदी के बढ़ते चलन के कारण हिंदी की 18 बोलियों का दायरा सिकुड़ जरूर रहा है, लेकिन यह कहना कि हिंदी सु?नियोजित तरीके से उनको 'खा' रही है, अपने आप में कुत्सित भाव लिए हुए है। स्टालिन को हिंदी के बारे में इतनी दुराग्रहपूर्ण गहरी जानकारी भी किसी ने दी ही होगी। अपने केन्द्र पर सियासी वार में स्टालिन ने दावा किया कि यूपी बिहार कभी हिंदी क्षेत्र नहीं थे तथा बीती एक सदी में जबरन हिंदी थोपने से उत्तर भारत की 25 भाषाएं समाप्त हो गईं। एक्स पर अपनी पोस्ट में स्टालिन ने कहा कि हिंदी के कारण भोजपुरी, मैथिली, अवधी, ब्रज, बुंदेली, गढ़वाली, कुमाऊंनी, मगही, मारवाड़ी, मालवी, छत्तीसगढ़ी, संथाली, अंगिका, हो, खरिया, खोरठा, कुरमाली, कुरुख, मुंडारी, और कई सारी भाषाएं अब अस्तित्व के लिए हांफ रहे हैं। हालांकि भाजपा ने स्टालिन के इस बयान को 'मूर्खतापूर्ण' कहा है। भाषा विज्ञान के अनुसार यूपी की 'पूर्वी हिंदी' और बिहारी की 'बिहारी हिंदी' मानक हिंदी से थोड़ी अलग जरूर है, लेकिन वह हिंदी क्षेत्र का भाग नहीं है, यह सरासर असत्य है।

अलबत्ता स्टालिन की पोस्ट में यह चिंता जरूर विचारणीय है कि हिंदी सहित सभी मानक भारतीय भाषाओं के अतिक्रमण से उनकी बोलियां और उपभाषाएं अपना वजूद कैसे बचाएं? खासकर वो बोलियां जो कभी मान्य भाषाएं ही थीं, लेकिन कालांतर में बोलियां बन कर रह गईं। जाने माने पत्रकार पी. साईनाथ का कहना है कि अवधी, ब्रज, भोजपुरी जैसी भाषाओ को बोलियां कहना ही गलत है। हिंदी की तरह मानक कन्नड के कारण वास्तव में मान्य भाषाएं ही हैं, लेकिन अब मानक भाषाओं की दबंगई के आगे बोलियां कहलाने लगी हैं, प्रचलन से या तो बाहर होती जा रही है या फिर उनका दायरा ग्रामीण क्षेत्रों तक सिमटता जा रहा है। जहां तक आधुनिक और मानक हिंदी की बात है तो इसका इतिहास ही करीब डेढ़ सौ साल पुराना है। इसे भी शुरू में खड़ी बोली ही कहा जाता था। हिंदी के भी विद्वानों के अनुसार हिंदी के भी पांच रूप हैं। पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, बिहारी हिंदी, राजस्थानी हिंदी और पहाड़ी हिंदी। इनमें भी विभिन्न कारणों से पश्चिमी हिंदी ही पहले खड़ी बोली और आज की मानक हिंदी के रूप में स्थापित हो गई है। यही राजभाषा भी है और विदेशियों के लिए भी 'हिंदी' से तात्पर्य इसी मानक हिंदी से है। शिक्षण संस्थानों में भी यही हिंदी पढ़ाई जाती है। हालांकि इस मानक? हिंदी का स्वरूप भी बदलता रहा है। यह हिंदी अपनी बोलियो से ही ऊर्जा प्राप्त करती है। साथ ही उसे अन्य भाषाओ से शब्द संपदा लेने से गुरेज नहीं है। लिहाजा इसकी पाचन शक्ति भी अंग्रेजी की तरह विराट है। यह हिंदी चाहे अनचाहे दूसरी भाषाओं से शब्द, तेवर और मुहावरे लेती जा रही है और खुद को समृद्ध करती जा रही है। ऐसा नहीं है कि भाषा का यह आदान- प्रदान एकतरफा हो, अन्य भारतीय भाषाएं भी व्यावहारिक तकाजों की वजह से हिंदी से शब्द और मुहावरे आयात कर रही हैं। कई बार तो यह आरोप भी लगता है कि हिंदीतर भारतीय भाषाएं हिंदी के 'अतिक्रमण' से भी जूझ रही हैं। सच्चाई यही है कि आज आर्थिक, सामाजिक और भौगोलिक कारणों से भी हिंदी देश की सर्वाधिक स्वीकार्य भाषा स्वत-बनती जा रही है, जिसमें राजनीतिक पलीता लगाने की कोशिश बहुत ज्यादा सफल शायद ही हो। हिंदी की विराट पाचन शक्ति ही यदि अन्य भारतीय भाषाओं के पैरोकारो को भाषाभक्षी राक्षसी वृत्ति लग रही है तो यह उनका दृष्टि दोष है। आखिर 140 करोड़ के बहुभाषी, बहुजातीय और बहुसंस्कृति वाले देश में एक बहुमान्य संपर्क भाषा समय की मांग है। अगर प्रौद्योगिकी हमे भौतिक रूप से करीब ला रही है तो अभिव्यक्ति और परस्पर संवाद के स्तर पर भी एक ऐसी भाषा की नैसर्गिक दरकार है, जिसके जरिए भारत के नागरिक एक दूसरे से जुड़ सके। यह भाषा केवल हिंदी ही हो सकती है, क्योंकि वह इसी जमीन, देशज भाव और प्रेरणा और सांस्कृतिक आग्रह और दबाव से उपजी भाषा है। स्टालिन अगर चाहें कि हिंदी की जगह अंग्रेजी ले ले या फिर तमिल को यह ताज सौंपना चाहें तो यह व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। क्योंकि संपर्क भाषा वही बन सकती है, जिसे ज्यादा से ज्यादा लोग बोल और समझ सकते हों। निश्चजय ही तमिल भाषा का अपना महत्व है, वह भी बहुदेशीय भाषा है, लेकिन भारत में वह हिंदी का विकल्प नहीं हो सकती।

अब सवाल यह है कि क्या सचमुच हिंदी अपनी उन बोलियों को खा रही है, जो उसकी पूर्वज और काफी हद तक जन्मदात्रियां हैं। वर्तमान में हिंदी की कुल 18 बोलियां हैं। जो भौगोलिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुसार अलग अलग क्षेत्रों में आज भी चलन में हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जैसे-जैसे आधु निक शिक्षा और शहरीकरण बढ़ रहा है, बोलियों का साम्राज्य घट रहा है। बोलियां अब ग्रामीण क्षेत्रों तक सिमटती जा रही हैं। हालांकि उनमें भी साहित्य रचा जा रहा है, लेकिन उसकी मान्यता और लोकप्रियता सीमित है। दरअसल पढ़-लिख जाने और घर में बोली के उपयोग पर शर्म महसूस होना, बोली में संवाद को पिछड़ा या गंवारूपन समझने की भ्रामक मान्यता के कारण जिन घरों में कुछ साल पहले तक स्थानीय बोली बोलने का चलन था, उनमें भी अब मानक हिंदी ही बोलने और लिखने का चलन है। मीडिया की मुख्यल भाषा भी यही है। इसके लिए हिंदी दोषी नहीं है बल्कि आधुनिक और सभ्य कहलाने की हमारी अपनी बनाई परिभाषा है। अब तो यह हो गया है कि बच्चा स्कूल जाते ही धीरे धीरे पहले अपनी मातृबोली को तिलांजलि देता है फिर अंग्रेजी रंग में रंगने की कोशिश करता है। इसके लिए दोषी बच्चों के मां-बाप भी हैं, जो खुद ही घरो में बोली में संवाद बंद कर चुके हैं। बोलियां व पूर्वजों द्वारा प्रयुक्त की जाने वाली भाषा को तजने के पीछे सोच यही है कि जब हिंदी जानने से ही रोजगार नहीं मिलता तो बोली को जिंदा रखने से क्या हासिल होगा? यानी कमाई और कथित रूप से सभ्य कहलाने की चिंता समूची सांस्कृतिक चेतना पर हावी है। ऐसे में उनकी मूल बोली किसी मानक भाषा के कारण मर रही है, इसको लेकर कोई खास मलाल नहीं है। भाव यही है कि अगर बोली से मातृभाषा और आंचलिक अस्मिता कायम रहने के अलावा कोई सुख नहीं मिल रहा तो इसे जिंदा रखने से क्या लाभ है?

लेकिन यह समस्या केवल हिंदी की बोलियों की ही नही हैं अन्य भारतीय भाषाओं की भी यही कहानी है, जिसमें मराठी, बंगाली, कन्नड और ?तमिल भी शामिल है। खुद तमिल की 21 बोलियां हैं। जिसमे मध्य तमिलनाडु में बोली जाने वाली तमिल को ही मानक भाषा माना जाता है। यह मानक भाषा ही पढ़ाई जाती है और साहित्य रचना भी मुख्य रूप से इसी भाषा में है। शासकीय व्यवहार की भाषा भी यही है। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में बोली जानी वाली तमिल मद्रास बाशई (भाषाई) कहलाती है, जो तमिल के अलावा तेलुगू, कन्नड, उर्दू, संस्कृत मलयालम आदि भाषाओं का ?मिश्रण है। इसकी तुलना बंबइया हिंदी से की जा सकती है। तमिल फिल्म इंडस्ट्री में इसी भाषा का प्रयोग होता है। यही संपर्क भाषा भी है। खास बात यह है कि तमिलनाडु में ब्राह्मणों द्वारा प्रयुक्त की जाने वाली तमिल ब्राह्मण तमिल कहलाती है, जिसमें संस्कृत शब्द प्रचुर मात्रा में हैं। कहने कहने का आशय यह कि मानक तमिल भी तमिल बोलियों पर हावी हो रही है तो इसकी वजह व्यवहार में एकरूप तमिल की आवश्यकता है और जो कि स्वाभाविक है। इसी तरह अगर मानक हिंदी बोलियों का आंचल सिकोड़ रही है तो इसके पीछे उनका गला घोंटने की मंशा नहीं है, समय, सर्व सम्प्रेषणीयता और बढ़ते प्रादेशिक संपर्क की नैसर्गिक दरकार है।

यह बड़ा सवाल है कि मानक भाषाओंके दबाव के आगे बोलियो खुद को कैसे और किस रूप में बचाएं। इस सांस्कृतिक संपदा को आने वाली पीढ़ियों तक कैसे पहुंचाएं, कैसे उन्हें प्राचीन भाषा और मृत भाषा के तमगे के बचाएं। इसका उत्तर हमे अपने आप से पूछना होगा।

राजनीतिज्ञों की साफगोई से फ्रीबी कल्चर पर नई राजनीतिक बहस

रंजन श्रीवास्तव

दो मंत्रियों के बयानों ने कम से कम मध्य प्रदेश में फ्रीबी कल्चर पर एक नई राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है। केंद्रीय कृषि मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लगभग एक हफ्ते पूर्व भोपाल में वन नेशन वन इलेक्शन विषय पर बोलते हुए कहा कि बार बार चुनाव के कारण कई बार वोट दिलाऊ फैसले लेने पड़ते हैं कि यह भी दे दो, वह भी दे दो। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि बार बार चुनाव होने से वोटों के डर से कई बार ऐसे फैसले भी प्रभावित होते हैं जो बच्चों का भविष्य बना सकते हैं और प्रदेश और देश का विकास कर सकते हैं। जाहिर है केंद्रीय मंत्री का इशारा फ्रीबी कल्चर की तरफ था।

इसी तरह अपने बेबाक बयानों के लिए जाने जाने वाले मध्य प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल के द्वारा दिए गए एक बयान ने भी समाज में फ्रीबी कल्चर पर सवाल उठाया है। प्रह्लाद सिंह पटेल कुछ दिनों पूर्व राजगढ़ में रानी अवंतीबाई लोधी के प्रतिमा अनावरण के बाद एक जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि जब भी नेता आते हैं उन्हें याचिकाओं की एक टोकरी सौंपी जाती है। उन्होंने कहा कि मांगने की आदत के बजाय लोगों में देने की मनोवृति विकसित करनी चाहिए। मुफ्त उपहारों पर अधिक निर्भरता समाज को मजबूत बनाने की बजाय कमजोर बनाती है। लोगों को भीख मांगने की आदत पड़ गयी है।

उल्लेखनीय है कि जुलाई 2022 में उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के वक़्त प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रीबी कल्चर पर जोरदार हमला किया और कहा कि रेवड़ी कल्चर के लोग यह सोचते हैं कि जनता को फ्री की रेवड़ी देकर वो उन्हें खरीद सकते है। उन्होंने जनता का आवाहन करते हुए कहा कि सबको मिलकर इस रेवड़ी कल्चर के मानसिकता को पराजित करना है और देश की राजनीति से इस कल्चर को हटाना है। 2023 में कर्नाटक विधान सभा चुनाव के वक़्त भी प्रधान मंत्री ने रेवड़ी कल्चर पर हमला किया क्योंकि तब उस समय विपक्ष में रहते हुए कांग्रेस ने लोगों को 5 गारंटी देने की बात कही जिसमें से एक गारंटी 21 से 65 वर्ष के महिलाओं को प्रतिमाह 1500 रूपये देने का था।

रोचक यह है कि इसके पहले कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस चुनावों से पहले कर्नाटक के तर्ज पर 5 गारंटी लांच करती तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाड़ली बहना योजना लागू करके 21 वर्ष से ऊपर की महिलाओं को 1250 रूपये प्रतिमाह से शुरुआत करते हुए 3000 रूपये प्रतिमाह की घोषणा कर दी। भाजपा को पहले से ज्यादा सीटें चुनाव में मिलीं। दिल्ली विधान सभा चुनाव के समय आम आदमी पार्टी को पराजित करने के लिए भाजपा ने 2500 रुपए प्रतिमाह महिलाओं को देने का वादा किया जो कि आम आदमी पार्टी की घोषित धनराशि से 400 रूपये प्रतिमाह ज्यादा है। भाजपा की केंद्र सरकार स्वयं किसानो को प्रधान मंत्री सम्मान निधि के नाम पर 2000 रूपये प्रति तीन माह पर देती है।

जब देश के प्रधान मंत्री स्वयं और देश की जनता का एक वर्ग खासकर माध्यम वर्ग चाहता है कि फ्रीबी कल्चर पर रोक लगाई जाय केंद्रीय मंत्री चौहान और मध्य प्रदेश के मंत्री पटेल के बयान एक स्वस्थ बहस की जरूरत की तरफ इशारा कर रहे हैं कि क्या फ्रीबी कल्चर देश के लिए अच्छा है या बुरा। देश के एक वर्ग का मानना है कि फ्रीबी कल्चर से देश की श्रम शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और राजनीतिक दल समाज की आर्थिक स्थिति को ठीक करने के लिए ठोस उपाय अपनाने की जगह फ्रीबी कल्चर को एक शॉर्टकट की तरह प्रयोग में ला रहे हैं। अगर स्वयं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान फ्रीबी कल्चर पर खुल कर बोल रहे हैं तो क्या ये अच्छा नहीं होगा कि भाजपा जिसकी सरकार केंद्र में भी है और कई राज्यों में भी इस कल्चर को ख़त्म करने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाए और इसका समाधान निकालने की कोशिश करे।

प्रह्लाद सिंह पटेल का कहना है कि उन्होंने जो बयान दिया वह एक सामाजिक कार्यक्रम था और समाज के लोगों को स्वावलम्बी बनाने के लिए उनके आह्वान को विपक्ष और मीडिया ने गलत सन्दर्भों में दिखाया है। पटेल लोध समुदाय से आते हैं और समारोह भी रानी अवंतीबाई लोधी के प्रतिमा अनावरण से सम्बंधित था। जाहिर है कि इस समारोह में लोध समुदाय से भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

विपक्ष पटेल पर हमलावर है और उसका कहना है कि पटेल ने जनता को भिखारी बोलकर उनका अपमान किया है। पटेल ने अपना स्पष्टीकरण दे दिया है पर फिर भी उनके बयान से जो कि चौहान के बयान के तुरंत बाद आया है, उस राजनीतिक बहस की आवश्यकता को बताता है कि फ्रीबी कल्चर देश के लिए कितना उचित है और कितना अनुचित।

अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर उच्छृंखलता नामंजूर

-ललित गर्ग-

सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़े दो अलग-अलग मामलों की सुनवाई के दौरान जो कहा, वह जहां संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से खासा अहम है वही एक संतुलित एवं आदर्श समाज व्यवस्था का आधार भी है। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी व धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने से जुड़े इन मामलों में जो फैसले किए हैं और इस दौरान जो टिप्पणियां की हैं, उसके निहितार्थों को समझने की आवश्यकता है। मंगलवार को 'मियां-टियां' और 'पाकिस्तानी' शब्दों के इस्तेमाल से जुड़ी याचिका की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने इस मुकदमे के आरोपी को इस आधार पर आरोप-मुक्त कर दिया कि यह भारतीय दंड सहिता की धारा 298 के तहत धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के अपराध के बराबर नहीं है। वैसे, अदालत ने इन शब्दों के प्रयोग को गैर-मुनासिब माना। एक दूसरे रणवीर इलाहाबादिया से जुड़े मामले में अश्लीलता के आरोपों पर भी सुप्रीम कोर्ट ने बेहद संतुलित लेकिन धारदार-सख्त टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया कि न तो अश्लीलता के लिए कोई गुंजाइश छोड़ी जानी चाहिए और न ही इसे अभिव्यक्ति की आजादी की राह में आने देना चाहिए। रणवीर इलाहाबादिया को पॉडकास्ट जारी रखने की इजाजत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वह नैतिकता और अश्लीलता की सीमा को लांघने की गलती न करें। सुप्रीम कोर्ट ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़ी इन जटिल होती स्थितियों को गंभीरता से लिया और अनेक धुंधलकों को साफ किया है। सर्वोच्च न्यायालय के इन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के जुड़े फैसलों रूपी उजालों का स्वागत होना ही चाहिए।

यह विडम्बनापूर्ण एवं हमारी न्याय प्रक्रिया की विसंगति ही है कि एक सरकारी कर्मचारी के खिलाफ इस्तेमाल इन 'मियां-टियां' और 'पाकिस्तानी' जैसे शब्दों से जुड़े मुकदमे को निचली अदालत से सर्वोच्च न्यायालय तक का सफर तय करने में लगभग चार साल लगे, मगर दोनों पक्षों ने किसी पड़ाव पर यह समझदारी दिखाने की कोशिश नहीं की कि यह सिर्फ अहं की लड़ाई है। कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी की एक कविता पर गुजरात पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। गुजरात हाईकोर्ट ने भी इस मामले में जांच की जरूरत बताते हुए पुलिस कार्रवाई की पुष्टि की थी। इसे देखते हुए सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी मायने रखती है कि एफआईआर दर्ज करने से पहले संबंधित अधिकारियों एवं पुलिस को कविता पढ़नी चाहिए थी। कविता नफरत और हिंसा की नहीं, इंसाफ और इश्क की बात करती है। शीर्ष अदालत ने कहा कि आजादी के 75 साल हो गए हैं। कम से कम अब तो पुलिस को स्वतंत्र अभिव्यक्ति का मर्म समझना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की इस बात का संदेश बिल्कुल स्पष्ट एवं न्यायसंगत है। हालांकि यह छिपी बात नहीं है कि पुलिस स्वायत्त तरीके से काम नहीं करती। अनेक कार्रवाइयां उसे सत्ता पक्ष के दबाव में करनी पड़ती हैं। इसलिए विपक्षी दलों एवं समुदाय विशेष के मामले में अगर अभिव्यक्ति की आजादी के कानून को हाशिये पर धकेल दिया या नजरअंदाज कर दिया जाता है, तो हैरानी की बात नहीं। यह कम बड़ी विडंबना नहीं कि साहित्य और कलाओं में अभिव्यक्त विचारों की व्याख्या भी अदालतों को करनी पड़ रही है। सत्ताएं सदा से अपनी आलोचना से तल्ख हो जाती रही है, ऐसी जटिल स्थितियों में आखिर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा कौन करेगा?

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, इससे पहले भी कई मौकों पर वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लम्बी बहसें हो चुकी हैं, आन्दोलन तक हुए, हिंसा एवं अराजकता का माहौल बना। हर बार अदालतें पुलिस को नसीहत देती हैं, अपने दखल से समझ एवं सीख भी देती है ताकि संतुलित वातावरण बना रहे। मगर शायद उस पर संजीदगी एवं संवेदनशीलता से अमल की जरूरत न तो पुलिस ने समझी और न उग्र एवं विध्वंसक शक्तियों ने। इसी का नतीजा है कि अब भी जब तब ऐसे मामले अदालतों में पहुंच जाते हैं, जिनसे किसी की भावना के आहत होने एवं विभिन्न समुदायों के आपसी सौहार्द-सद्भावना के खण्डित होने के आरोप लगते रहते हैं, जबकि वास्तव में उनमें ऐसा कुछ नहीं होता। बेवजह नफरत, द्वेष एवं घृणा का माहौल बनता रहा है, चाहे वह फिल्मों के दृश्यों-संवादों, किसी राजनेता के बयानों, धर्मगुरुओं के बोलों या साहित्य के किसी अंश को लेकर भावनाएं आहत करने या भड़काने के आरोप किसी ऐतिहासिक-मिथकीय प्रसंग को लेकर की गई टिप्पणी पर लगते रहे हों।

आज सोशल मीडिया जैसे मंचों के बेजा इस्तेमाल की प्रवृति बढ़ रही है, फेसबुक, ट्विटर, यू-ट्यूब जैसे सोशल मंचों पर ऐसी सामग्री परोसी जा रही है, जो अशिष्ट, अभद्र, हिंसक, भ्रामक, राष्ट्र-विरोधी एवं समुदाय विशेष के लोगों को आहत करने वाली होती है, जिसका उद्देश्य राष्ट्र को जोड़ना नहीं, तोड़ना है। इन सोशल मंचों पर ऐसे लोग सक्रिय हैं, जो तोड़-फोड़ की नीति में विश्वास करते हैं, वे चरित्र-हनन और गाली-गलौच जैसी औछी हरकतें करने के लिये उद्यत रहते हैं तथा उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक नीति अपनाते हुए अराजक माहौल बनाते हैं। एक प्रगतिशील, सभ्य एवं शालीन समाज में इस तरह की हिंसा, अश्लीलता, नफरत और भ्रामक सूचनाओं की कोई जगह नहीं होनी चाहिए, लेकिन विडम्बना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कानून के चलते सरकार इन अराजक स्थितियों पर काबू नहीं कर पा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया से जुड़े मंचों के दुरुपयोग पर चिंता से सहमति जताते हुए भी सेंसरशिप और नॉर्म (मानदंड) के बीच के फर्क को रेखांकित किया।

सुप्रीम कोर्ट के इस सख्त रुख की अहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि यह ऐसे समय सामने आया है जब देश में अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर विभिन्न समुदायों का विचलन, द्वेष एवं नफरत काफी बढ़ी हुई दिख रही है। शासन प्रशासन की ओर से इन्हें रोकने की कोशिशों में भी अक्सर अति-उत्साह की झलक देखने को मिलती है। हालांकि सोशल मीडिया के ये मंच स्वस्थ लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक भूमिका भी निभाते देखे जाते रहे हैं। उन पर कड़ाई से बहुत सारे ऐसे लोगों के अधिकार भी बाधित होने का खतरा है, जो स्वस्थ तरीके से अपने विचार रखते और कई विचारणीय मुद्दों की तरफ ध्यान दिलाते हैं। मगर जिस तरह बड़ी संख्या में वहां उपद्रवी, हिंसक, राष्ट्रीय और सामाजिक समरसता को छिन्न-भिन्न करने वाले तत्व सक्रिय हो गए हैं, उससे चिंता होना स्वाभाविक है। इससे जहां नागरिकों के अभिव्यक्ति के अधिकार का उल्लंघन होता है, वहीं इसके गलत इस्तेमाल की बेजा स्थितियां भी देखने को मिलती है। शीर्ष अदालत ने याद दिलाया है कि इस अधिकार का ख्याल रखा जाए। उन पर अंकुश लगाने एवं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई का प्रावधान करना जरूरी है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

बहावलपुरी समाज द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया

ओबेदुल्लागज (संवाददाता)-देवों के देव महादेव भगवान शंकर के पर्व महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में बहावलपुरी समाज ने लंगर लगा कर लोक कल्याण की कामना की है। नगर के वार्ड क्र, 14 में स्थित मंदिर में सुबह 10 बजे हवन व पूजा अर्चना कर भगवान शंकर का गुणगान किया गया। पूजन करके भोले बाबा को हलवा, पूरी, मटर पनीर व चने का स्वादिष्ट भोजन भोग लगाकर शिव भक्तों की सेवा की। बहावलपुरी समाज के मुख्खी प्रताप नारायण अरोड़ा (बल्लू) ओबेदुल्लागंज के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तजनों ने कतार में बैठकर लंगर का अमृतपान किया। वही समाज के प्रतिभाशाली बच्चों को नरेश मेहता भोपाल द्वारा स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र दिए गए और बुधनी बाहवलपुरी समाज मुख्खी धर्मपाल जी को एवं वरिष्ठ समाजसेवक द्वारका प्रसाद अरोरा , वीरभान कामरा, अशोक शेट्टी, भारती नरेश शेट्टी पार्षद को सम्मानित किया गया वही नरेश मेहता द्वारा मंदिर पर सीढ़ी पर रेलिंग एवं कांच का सहयोग किया गया इस अवसर पर मंदिर में सामाजिक महिलाओं द्वारा पूजा करके भगवान शिव का गुणगान किया। इस मौके पर अशोक सेठी, अशोक कामरा, अर्जुन अरोरा, विक्की कामरा गिरीश चावला नरेश शेट्टी मिंटू अरोरा, बब्बी अरोरा, नीरज चावला, विक्की कामरा, विक्की छावडा, सुधीर कमल, दुर्गा अरोरा, सुरेश चावला, दीपू चावला, पिंकू राणा, पंकज खत्री नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सोनू चौकसे उपाध्यक्ष नमीता बागीश अग्रवाल उपस्थिति रही वही समाज के सहयोग से लगाए लंगर में सेवाएं प्रदान करके भोले बाबा से लोक कल्याण की कामना की। उन्होंने बताया कि हर साल लंगर लगाकर भोले बाबा की आराधना करके यह कामना की जाती है कि नगर में सुख समृद्धि बनी रहे व सभी तंदुरुस्त व समृद्ध बनकर भोले बाबा का गुणगान करते रहें।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार को कुचला, युवक की मौके पर मौत

मंडला। शहर में मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने एक बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसा नेहरू स्मारक सर्किट हाउस के सामने हुआ, जहां गिट्टी से भरे ट्रैक्टर ने चंदन कॉलोनी, महाराजपुर निवासी सानिध्य कुशवाहा उम्र 27 वर्ष को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रैक्टर तेज गति से आ रहा था और संतुलन खोते ही बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद सानिध्य सड़क पर गिर पड़ा, तभी ट्रैक्टर का अगला पहिया उसके सिर के ऊपर चढ़ गया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है।स्थानीय लोगों का कहना है कि इस इलाके में तेज रफ्तार ट्रैक्टर और भारी वाहन अक्सर गुजरते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। लोगों ने प्रशासन से इस पर सख्त कदम उठाने की मांग की है।

शाहपुर सोनादेह में मोहन यादव की जमीन पर पांच सौ रेत का अवैध भंडारण

सांध्य प्रकाश योगेश गुप्ता शाहपुर। कांग्रेस के पूर्व विधायक ब्रह्मा भलावी ने अवैध रेत भंडारण किये जाने को लेकर जिला कलेक्टर को लिखित शिकायत की है। श्री भलावी ने सांध्य प्रकाश को बताया कि शाहपुर जनपद पंचायत में भौरा के पास ग्राम पंचायत सोनादेह में मोहन यादव की जमीन पर लगभग पांच सौ ट्रक रेत का अवैध भंडारण की जानकारी मिली है। कोयलबुड्डी और कछार की नदियों से लाकर भंडारण किया गया है । जबकि ट्रैक्टर मालिकों को प्रति ट्राली बारह सौ रुपए हिसाब से भुगतान राधेश्याम यादव द्वारा किया गया है। उन्होंने बताया कि अवैध परिवहन और भंडारण की सुचना उनके द्वारा जिला खनिज विभाग को दी जाती रही है। परंतु खनिज निरीक्षक ने कभी मौका स्थल का दौरा नही किया। बल्कि प्रकरण दर्ज करने के बजाय खनन माफियाओ को पहले सुचना और मुखबिरी करते है। भंडारण स्थल से फोफल्या मार्ग होते हुए रेत का अवैध परिवहन अभी भी जारी है। और अन्य खदानों की रॉयल्टी काटी जा रही है। और अवैध खनन,भंडारण जोरों पर चल रहा है। लेकिन प्रशासन कार्यवाही करने की बजाय दबाने का प्रयास करता रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन और खनिज विभाग से अवैध रेत भंडारण को तुरंत ज़प्त करने तथा कछार एवं कोयलबुड्डी की नदियों से हो रहे अवैध खनन पर सख्त रोक लगाने को लेकर खनिज अधिकारी बैतूल और अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) शाहपुर को शिकायत प्रतिलिपि भेजकर जांच और कार्यवाही करने की मांग है।

खजराना गणेश मंदिर के मुख्य पुजारी मोहन भट्ट का निधन

इंदौर। इंदौर के प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर के मुख्य पुजारी मोहन भट्ट का 5 मार्च 2025, बुधवार को वैकुण्ठवास हो गया। उनके निधन से धार्मिक समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई है। श्रद्धालु और मंदिर से जुड़े लोग इस खबर से दुखी हैं। मोहन भट्ट लंबे समय से खजराना गणेश मंदिर की सेवा में समर्पित थे। उनकी अगुवाई में मंदिर में अनेक धार्मिक अनुष्ठान और उत्सव संपन्न हुए। वे अपनी सादगी, भक्ति और सेवाभाव के लिए जाने जाते थे। उनकी अंतिम यात्रा आज शाम 5 बजे उनके निवास गणेश मंदिर, खजराना से खजराना मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान करेगी।

भूमाफियाओं के आगे बेबस दिख रहा है प्रशासन, नोटिस से आगे नहीं हो पा रही कार्रवाई, अवैध कॉलोनी काटने वालों के हौसले बुलंद

सिरोंज । अवैध रूप से कॉलोनी काटने बालों पर कलेक्टर रोशन सिंह ने कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे 2 महीने से अधिक का समय भी जाने के बाद कार्रवाई नोटिस से आगे नहीं बढ़ पा रही इसे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि भू माफिया ओ के आगे कलेक्टर भी कुछ नहीं कर पा रहे हैं तभी तो अवैध रूप से कॉलोनी काटने का कारोबार रुकने का नाम नहीं इनके हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि कृषि भूमि पर भी कॉलोनी काटने कार्य किया जबकि कलेक्टर ने अवैध रूप से कॉलोनी विकसित करने वालों पर कार्रवाई के निर्देश दिए पर इनके निर्देश का पालन जमीन पर होते हुए दिखाई नहीं दे रहा है। जिसके कारण अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों का धंधा तेजी से फल-फूल रहा है बड़ी संख्या में नई कालोनियां शहर के चारों ओर बन रही हैं। इन्हें प्रशासन की कार्रवाई का कोई डर नहीं है। पहले तो कृषि भूमि को कुछ सालों तक खाली छोड़ देते थे पर अब इनके द्वारा फसल लगी भूमि पर भी कॉलोनी काटने काम बखूबी किया जा रहा है। इन दिनों रोहिल पुरा चौराहे के बायपास मार्ग में कॉलोनियां काटने का काम बड़े स्तर पर हो रहा है लोक लुभावने सपना दिखाकर और कच्चे रास्ते बनाकर इस काम को बखूबी अंजाम दिया जा रहा है। इस तरह की हिम्मत कॉलोनाइजर जब जुटा रहे हैं जब कलेक्टर ने अवैध रूप से कॉलोनी

काटकर जनता के साथ छल कपट करने वाले कॉलोनाइजर पर सख्त कार्रवाई करने से लेकर मामला दर्ज करवाने के निर्देश दिए हैं। जिनके कंधों पर कलेक्टर के आदेश को लागू करवाने की जिम्मेदारी उनकी अनदेखी के कारण धरातल पर कुछ और ही देखने को मिल रहा है कागजों में ही कार्रवाई हो रही है वास्तविकता में कुछ नहीं हो रहा है। यह भी कहा सकते हैं कि भूमाफियाओं पर प्रशासन की करवाई नगर में केवल नोटिस तक सीमित होकर रही है गई एसडीएम ने केवल पथरिया सियल पुर में कुछ कॉलोनीयों को विक्रय से प्रतिबंध किया है। शहर में 100 से ऊपर अवैध कॉलोनी बन रही है। प्रशासन के द्वारा इन कॉलोनाइजर के ऊपर आगे की कार्रवाई नहीं की जा रही हैं एसडीएम ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने के लिए 55 कॉलोनियों पर अग्रिम कार्रवाई के लिए प्रतिवेदन कलेक्टर को भेज दिया है। बाकी कार्यकाल होने पर नोटिस की कार्रवाई गतिशील है दूसरी ओर इसी बीच संख्या और बढ़ रही है। वहीं कलेक्टर कार्यालय से कार्रवाई की फाइल आगे नहीं बढ़ रही है जिसके चलते जनता में भी कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं ।पहले भी अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों के ऊपर कारवाई करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए हर बार नोटिस से ज्यादा की कार्रवाई अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर नहीं होती है । इस बात का एहसास भी है प्रशासन को भूमाफिया करते रहते हैं उन पर कार्रवाई कीमत कोई नहीं कर पाया है उनके आगे सब फेल हो जाते हैं। इस बार भी इसी तरह की स्थिति बनती हुई नजर आ रही है कई महीने बीतने जाने के बाद भी कलेक्टर ऑफिस से आगे कार्रवाई भूमाफियाओं पर नहीं हो पा रही है । इन पर रोक लगाने के लिए प्रशासन को अवैध रूप से कॉलोनी विकसित करने पर इनको विक्रय से प्रतिबंधित करना होगा तभी यह मानेंगे। नहीं तो अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों इसी तरह अपना धंधा चलाते रहेंगे और जनता सरकार को चूना लगाते रहेंगे।

इनका कहना है।

अवैध रूप से कॉलोनी बालों पर करवाई गतिशील चल रही है . यदि कृषि भूमि पर कॉलोनी कट रही है तो जांच के बाद कार्रवाई करेंगे।

अनिल डामोर अपर कलेक्टर

महिला मोर्चा रामेश्वरम की यात्रा पर रवाना हुआ

आष्टा । आष्टा विधानसभा क्षेत्र की महिला मोर्चे की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता आज 9 दिवसीय रामेश्वरम की यात्रा के लिए आष्टा से रवाना हुई । सीहोर जिला भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष रितु आनंद जैन के नेतृत्व में आज सभी महिला मोर्चे की कार्यकर्ता दोपहर में विधायक कार्यालय पर एकत्रित हुए । यहां पर विधायक श्री गोपाल सिंह इंजीनियर के नेतृत्व में महिला मोर्चे की सभी पदाधिकारी का स्वागत और सम्मान किया गया तथा उनके ऊपर पुष्प वर्षा कर उन्हें रामेश्वरम की यात्रा के लिए रवाना किया । इस अवसर पर विधायक श्री गोपाल सिंह इंजीनियर ने अपने संबोधन में कहा कि रामेश्वरम की यात्रा के लिए महिला मोर्चे की सभी पदाधिकारी को बधाई और शुभकामना देता हूं तथा आप रामेश्वरम में भगवान भोलेनाथ के दर्शन पूजन करें,भक्ति करे, आपकी यात्रा सुखद और सानंद संपन्न हो तथा आप जब वहां पर भगवान भोलेनाथ की पूजन अर्चना और अभिषेक करें तब कामना जरूर करें कि आष्टा विधानसभा क्षेत्र में सर्वत्र सुख शांति और समृद्धि रहे तथा भोलेनाथ की कृपा आष्टा पर हमेशा बनी रहे । इस अवसर पर महिला मोर्चे की जिला अध्यक्ष श्रीमती रितु आनंद जैन ने बताया कि आज आष्टा से महिला मोर्चे की आष्टा विधानसभा क्षेत्र की लगभग 27 महिला सदस्य आष्टा से रामेश्वरम की यात्रा के लिए जा रही है । आष्टा से इन सभी महिलाओं को आगामी यात्रा के लिए शुजालपुर रेलवे स्टेशन तक विधायक श्री गोपाल सिंह इंजीनियर द्वारा सभी महिला मोर्चे के सदस्यों को बस के माध्यम से केसरिया एवं भाजपा का झंडा लहरा कर रवाना किया तथा शाम को शुजालपुर रेलवे स्टेशन से यह सभी महिलाएं ट्रेन से रामेश्वरम की यात्रा के लिए रवाना होगी । इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के समस्त पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित थे । महिला मोर्चे की नगर अध्यक्ष श्रीमती अंजनी विशाल चौरसिया ने भी आष्टा से रामेश्वरम की यात्रा पर जा रही सभी महिला सदस्यों का केसरिया दुपट्टा पहना कर स्वागत और सम्मान किया।

पी एम इंटर्नशिप योजना के सफल क्रियान्वयन में प्राचार्य का मार्गदर्शन

सांध्य प्रकाश.इटारसी। ,शासकीय महात्मा गांधी स्मृति स्नातकोतर महाविद्यालय इटारसी में प्राचार्य डॉ राकेश मेहता के अध्यक्षता में शैक्षणिक स्टाफ की एक बैठक आयोजन किया गया।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के क्रियान्वयन से संबंधित उच्चशिक्षा विभाग के नवीनतम आदेश पर चर्चा- परिचर्चा कर योजना के त्वरित क्रियान्वयन हेतु निष्कर्ष निकाला गया। प्राचार्य डॉ मेहता ने कहा कि यह शासन की महत्वपूर्ण योजना है एवं सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ इसकी क्रियान्वयन में सभी स्टाफ को सहयोग करना है। 21 से 24 वर्ष की आयु के सभी विद्यार्थियों को इसमें नामांकित कर पोर्टल में उनका आवेदन प्रस्तुत करवाना शैक्षणिक स्टाफ की विशेष जिम्मेदारी होगी। यह योजना महाविद्यालय से पास आउट पूर्व विद्यार्थियों के लिए एक सुनहरा अवसर है। इसमें चयनित विद्यार्थियों को 6000 रुपए की राशि प्रशिक्षण के प्रारंभ में तथा एक वर्ष तक प्रतिमाह 5000 रुपए की राशि मिलती है । प्राचार्य ने सभी शिक्षित एवं बेरोजगार युवाओं को इसमें पंजीकृत होने हेतु आह्वान किया। योजना के क्रियान्वयन हेतु गठित समिति के नोडल अधिकारी डॉ बसा सत्यनारायण ने कहा कि पूर्व में 150 से अधिक विद्यार्थियों को पंजीकरण किया जा चुका है। इसमें अभी और बढ़ोत्तरी होगी। योजना को लेकर डॉ रश्मि तिवारी ने उच्चशिक्षा विभाग के निर्देशों से सभी को अवगत कराया। महाविद्यालय के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट अधिकारी डॉ पी की अग्रवाल ने कहा कि बैठक में पीजी में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं प्राइवेट विद्यार्थियों का योजना में जोड़ना सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। इस योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु एक हेल्पडेस्क का गठन नोडल अधिकारी डॉ बसा सत्यनारायण के नेतृत्व में किया गया है। बताया गया कि पंजीयन की अन्तिम तिथि 12 मार्च है।

पटेल के विवादित बयान को लेकर राज्यपाल के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

बैरसिया।। मध्य प्रदेश की मोहन यादव सरकार में पंचायत एवं ग्रामीण विकाश मंत्री प्रहलाद पटेल के बयान को लेकर प्रदेश में राजनीति गरमा गई हे।शनिवार को मंत्री प्रहलाद पटेल ने गुना के सुठालिया में वीरांगना रानी अवंती वाई लोधी की प्रतिमा के अनावरण के मौके पर उन्होंने विवादित बयान दे दिया।उन्होंने कहा कि अब तो लोगों को सरकार से भीख मांगने की आदत पड़ गई हे।नेता मंच पर आते हे तो लोग माला पहनाएंगे और पत्र पकड़ा देगे।जिसमें कोई न कोई मांग होगी यह आदत अच्छी नहीं हे।

इसी विवादित बयान को लेकर बुधवार को ब्लाक कांग्रेस नजीराबाद के अध्यक्ष कमलेंद्र सिंह सोलंकी लाला बना के नेतृत्व में सैकड़ों कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने नजीराबाद में प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। नजीराबाद ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष कमलेंद्र सिंह सोलंकी लाला बना ने तीखी प्रक्रिया व्यक्त करते हुए मंत्री प्रहलाद पटेल के बयान पर कहा कि मंत्री प्रहलाद पटेल का बयान साबित करता हे कि चुनाव के समय जनता को माथे पर बिठाने वाले भाजपा नेताओं को सत्ता का ऐसा अहंकार हुआ कि वे जनता को भिखारी करार देने लगे।सत्ता के अहंकार में डूबी भाजपा को अब जनता भिखारी नजर आने लगी। लाला बना ने आरोप लगाया कि प्रदेश की एक करोड़ 29 लाख बहनों को भिखारी बना दिया उन्होंने कहा कि सरकार महिला विरोधी हे। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश की जनता का अपमान मंत्री प्रहलाद पटेल तत्काल स्तीफा दे और जनता से माफी मांगे।नहीं तो कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश में उग्र आंदोलन करेगी जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे

पोषण और आहार शीर्षक पर एक व्याख्यान माला का हुआ आयोजन

एक अच्छा आहार पोषण के लिए आवश्यक सभी पोषक तत्व प्रदान करता है- डॉ.रुचिता शर्मा

छतरपुर। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अंतर्गत आयोजित साप्ताहिक कार्यक्रम में आज तृतीय दिवस पर पोषण और आहार शीर्षक पर एक व्याख्यान माला का आयोजन किया गया जिसकी मुख्य अतिथि एंव मुख्य वक्ता डॉ. रुचिता शर्मा (होम्योपैथिक) विशिष्ट अतिथि विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रमुख डॉ. शिवेंद्र सिंह परमार और पुस्तकालय विभाग की सह प्राध्यापक डॉ.सविता सिंह रही कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी कुलसचिव डॉ. अमित जैन ने की। सर्वप्रथम मंचासीन अतिथियों ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन किया। प्रबंध विभाग की सहा. प्राध्यापक श्रीमती सुमेधा राय ने आगंतुक अतिथियों का परिचय देते हुए कहा कि पोषण और आहार विषय पर विभिन्न जानकारियों को हम सभी आज के व्याख्यानमाला में सुनकर निश्चित ही लाभान्वित होंगे।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ.रुचिता शर्मा ने बताया कि आहार वह खाना है जिसे हम खाते हैं और पोषण वह प्रक्रिया है जिससे शरीर को सही मात्रा में पोषक तत्व मिलते हैं। पोषण और आहार विज्ञान, स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और बीमारियों से बचने में मदद करते हैं। आहार हमारे खाने की पसंद और आदतों से संबंधित है, जबकि पोषण हमारे शरीर को इन खाद्य पदार्थों से क्या मिलता है, इससे संबंधित है। एक अच्छा आहार पोषण के लिए आवश्यक सभी पोषक तत्व प्रदान करता है, गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को अपने पोषण पर विशेष ध्?यान देना होता हैं उन्?हे, स्वस्थ भोजन के लिए फल, सब्ज़ियां, साबुत अनाज, कम वसा वाले डेयरी, और प्रोटीन का सेवन करना चाहिए. साथ ही, हर दिन कम से कम आठ गिलास पानी पीना चाहिए।

विशिष्ट वक्ता डॉ. सविता सिंह ने कहा कि कुछ पोषक तत्व मस्तिष्क के कार्य को बढ़ावा देते हैं और मनोदशा को बेहतर बनाते हैं। उचित पोषण कई बीमारियों जैसे हृदय रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कुछ प्रकार के कैंसर के जोखिम को कम करने में मदद करता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहें प्रभारी कुलसचिव डॉ. अमित जैन ने अपने उद्धबोधन में कहा कि संतुलित आहार और उचित पोषण एक स्वस्थ शरीर के लिए आवश्यक हैं। यह हमें ऊर्जा प्रदान करता है, प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है साथ ही साथ बीमारियों से लड़ने में मदद करता है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रणति चतुर्वेदी ने किया एवं आभार श्रीमती अदिति त्रिपाठी ने व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की डॉ. अंकिता जायसवाल, डॉ. वन्?दना तिवारी, डॉ. अर्चना दुबे, डॉ मनीषा नाहर, वर्षा बुन्देला, सत्यवती चौरसिया, वर्षा यादव, वंदना शुक्ला, सोनाली चंदेल, अंकिता मिश्रा, प्रतीक्षा तिवारी, मुस्कान गुप्ता, प्रशंसा त्रिपाठी, रुचि रावत, मुस्कान गुप्ता, खुशबू चौहान, सृष्टि त्रिपाठी, अंकिता मिश्रा, गुंजन निगम, शालिनी सिंह, संगीता निगम, आरती परिहार, छाया कुशवाहा और प्रियंका बुन्देला उपस्थित रहें।

विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट के लिए कर सकते हैं 9 मार्च तक आवेदन

छतरपुर। भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसमें देश के 18 से 25 वर्ष आयु के युवा माय भारत पोर्टल के माध्यम से 9 मार्च तक आवेदन कर सकते हैं। छतरपुर जिले की जिला नोडल डॉ. नेहा अवस्थी ने बताया यह कार्यक्रम जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जाना है। जिला स्तर पर प्रतिभागिता के लिए प्रतिभागियों को माय भारत पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करने के बाद 1 मिनट का वीडियो अपलोड करना होगा जिसका विषय है आपकी दृष्टि में विकसित भारत का क्या अर्थ है। इस विषय पर आने वाले वीडियो में से 150 सर्वश्रेष्ठ वीडियो का चयन किया जाएगा एवं प्रतिभागियों को नोडल महाविद्यालय में एक राष्ट्र एक चुनाव विषय पर विचार रखने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। छतरपुर जिले में नोडल महाविद्यालय शासकीय बापू महाविद्यालय प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस नौगांव को चुना गया है जहां पर जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित होने वाली है।

10 विजेताओं का चयन राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिए निर्णायक मंडल द्वारा किया जाएगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम में से तीन विजेताओ का चयन राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम के लिए किया जाएगा जो कि राष्ट्रीय संसद नई दिल्ली में अपने विचार प्रस्तुत कर सकेंगे। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय बापू महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीके मिश्रा एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. नेहा अवस्थी ने बताया कि इन सभी स्तरों पर चयन प्रक्रिया में जज के रूप में शिक्षाविद, पत्रकार जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं समाज के अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों को शामिल किया जाएगा।

भाजपा मंत्री नरेंद्र तोमर ने बाड़ेगांव में महाराणा प्रताप और रानी दुर्गावती की प्रतिमा का किया अनावरण

सांध्य प्रकाश बैतूल। विधान सभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने मूलताई के ग्राम बाड़ेगांव में महाराणा प्रताप की प्रतिमा तथा वीरांगना रानी दुर्गावती और डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया। श्री तोमर ने कहा कि आज बाड़ेगांव की इस पावन भूमि पर वीर महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण हुआ है। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप की वीरता और पराक्रम इतना अद्भुत था कि मुगल शासक अकबर ने उनसे सीधे टकराने का कभी साहस नहीं किया। महाराणा प्रताप ने खुद की बजाय देश और समाज के लिए जीकर अपने जीवन को सार्थक बनाने की शिक्षा दी हैं। केंद्रीय मंत्री श्री उईके ने कहा कि महाराणा प्रताप के शौर्य और पराक्रम के प्रतीक हैं। उन्होंने मुगल आक्रांताओं के प्रवेश के कालखंड में देश की रक्षा करने का काम किया हैं। महाराणा प्रताप द्वारा अन्याय का प्रतिकार करने की शिक्षा आज भी हमें अनीति और अनाचार के विरोध लड़ने के लिए प्रेरित करती है। पन्ना विधायक ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा महाराणा प्रताप की प्रेरणा लेकर हमे एकता धैर्य और दृढ़ संकल्पित होकर देश की रक्षा विकास के लिए सदैव तत्पर रहना जरूरी हैं। विधायक सोहागपुर विजय पाल सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप ने मातृभूमि और धर्म की रक्षा के लिए सर्वस्व न्यौछावर किया हैं। विधायक हेमन्त खंडेलवाल ने कहा कि महाराणा प्रताप की प्रतिमा नवीन पीढ़ी को राष्ट्र को सर्वोपरि रखने की शिक्षा देती रहेगा। विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे ने कहा कि महाराणा प्रताप वीरता, समर्पण स्वाभिमान और दृढ़ निश्चय के प्रतीक थे। आमला में भी महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने समाजिक कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। भारी संख्या में कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे

शहर के मुख्य मार्गों को अतिक्रमण मुक्त कराएं : श्री सोमेश मिश्रा

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने किया नगर का औचक भ्रमण

मंडला। जिला मुख्यालय में बैगा-बैगी चौक से बड़ चौराहा तक नगर के मुख्य मार्ग पर सुचारू यातायात व्यवस्था के लिए कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा ने औचक भ्रमण किया। इस दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर के मुख्य मार्गों को अतिक्रमण मुक्त कराएं। सड़क के दोनों ओर नगर पालिका कॉम्पलेक्स की दुकानों के सामने लगाए गए पार्किंग ब्लॉक्स पर पार्किंग के निशान लगाएं। दुकान संचालकों को पार्किंग एरिया में ही वाहनों को पार्क कराने के लिए ताकीद करें। प्योर ब्लॉक्स पर गंदगी करने वाले ऑटोपार्ट्स की दुकानों के संचालकों पर नियमानुसार जुर्माने की कार्यवाही करें। जिन दुकानों में निर्धारित स्थान के बाहर तक सामग्री सजाकर रखी गई है उन पर भी फाईन लगाएं। इस दौरान एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम, तहसीलदार मंडला श्री हिमांशु भलावी, नगर निरीक्षक कोतवाली मंडला श्री शफीक खान, नगर निरीक्षक यातायात श्री ललित धुर्वे सहित पुलिस बल एवं नगरपालिका की टीम उपस्थित रही।

उठाए गए सड़क पर खड़े वाहन, स्पॉट फाईन किया गया

कलेक्टर तथा एसपी के नगर भ्रमण के दौरान पार्किंग क्षेत्र के बाहर सड़क किनारे खड़े दोपहिया तथा चारपहिया वाहनों को पुलिस एवं नगरपालिका की टीम द्वारा जप्त किया गया। जप्त वाहनों को तत्काल थाना कोतवाली परिसर भेजा गया। जिन वाहन मालिकों ने सड़क किनारे लापरवाहीपूर्वक वाहन खड़ा किया था उन पर स्पॉट फाईन भी लगाए गए। उन्होंने निर्देशित किया कि 10 दिवस के अंदर अतिक्रमण हटाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि नगरपालिका एवं राजस्व की टीम नियमित रूप से इसका फॉलोअप करें।

एचडीएफसी बैंक ने भारतीय वायु सेना और सीएससी अकादमी के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने आज भारतीय वायु सेना के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जो सहायक वायु सेना प्रमुख - लेखा और वायु सेना के वेटरन्स और सीएससी अकादमी के कार्यालय के माध्यम से कार्य करता है। इस दिन प्रोजेक्ट एचएकेके (हवाई अनुभव कल्याण केंद्र) - सेवा करने वालों की सेवा करना शुरू किया गया। प्रोजेक्ट एचएकेके को रक्षा पेंशनभोगियों, दिग्गजों और उनके परिवारों को सहायता और सेवाएं प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।शुरुआत में, वायु सेना इकाइयों में 25 केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं, जिनमें नई दिल्ली, बेंगलुरु, गुड़गांव, पुणे, सिकंदराबाद, गुवाहाटी, जोधपुर और चंडीगढ़ शामिल हैं। एचडीएफसी बैंक अपने परिवर्तन कार्यक्रम के तहत रक्षा सेवा के वेटरन्स और उनके परिजनों के लिए आर्थिक समावेशन का निर्माण करेगा। बैंक सीएससी अकादमी (कॉमन सर्विस सेंटर ई-गवर्नेंस लिमिटेड द्वारा प्रवर्तित) के साथ मिलकर वित्तीय उत्पादों और सेवाओं में कौशल विकास और प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिससे उन्हें वित्तीय रूप से स्वतंत्र होने में मदद मिलेगी। एमओयू पर हस्ताक्षर के दौरान उपस्थित सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों में एयर मार्शल पीके घोष एवीएसएम - एयर ऑफिसर इन चार्ज एडमिनिस्ट्रेशन, सुश्री स्मिता भगत, ग्रुप हेड - एचडीएफसी बैंक, संजय राकेश, चेयरमैन, सीएससी अकादमी और भारतीय वायु सेना, एचडीएफसी बैंक और सीएससी ई गवर्नेंस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

नथिंग फ़ोन (3ए) और फ़ोन (3ए) प्रो भारत में लॉन्च किए गए

नई दिल्ली, एजेंसी। नथिंग ने फ़ोन (3ए) सीरीज़ पेश की, जो एडवांस्ड फ़ीचर्स के साथ अपने मिड-रेंज लाइनअप को और बेहतर बनाती है। बहु-चर्चित फ़ोन (2ए) पर आधारित, इसमें है ऑप्टिकल ज़ूम के साथ एक एडवांस्ड ट्रिपल-कैमरा सिस्टम, एक दमदार स्नैपड्रैगन0 प्रोसेसर, एक उज्ज्वल, ज़्यादा रिस्पॉन्सिव डिस्प्ले और आवश्यक स्थान जैसे नथिंग ओएस नवाचार — ये सब दो खास बेहतर डिज़ाइनों में आ रहे हैं। फ़ोन (3ए) और फ़ोन (3ए) प्रो दोनों में ही ज़्यादा सोफ़ेस्टिकेटेड लुक और फ़ील है, जिसमें अपग्रेडेड ग्लास बैक पैनल, इनटर्नल संरचना में बढ़ी हुई समरूपता और फ़िनिश में परिष्कृत विज़ुअल डिटेल्स और तत्व शामिल हैं। इसके अलावा, फ़ोन (3ए) सीरीज़ ने अपनी टिकाऊपन को भी आईपी64 रेटिंग में अपग्रेड किया है।

जब कैमरे की बात आती है, तो नथि ने फ़ोन (3ए) सीरीज़ में अब तक का सबसे एडवांस्ड कैमरा सिस्टम पेश किया है। फ़ोन (3ए) में पहली बार ऑप्टिकल ज़ूम के साथ एक अपग्रेडेड 50एमपी मेन सेंसर और एक सोनी अल्ट्रा-वाइड सेंसर की सुविधा होगी। फ़ोन (3ए) के टेलीफ़ोटो कैमरे में 50 मिमी समतुल्य फोकल लेन्थ पर विस्तृत शॉट्स के लिए तेज़ एफ/2.0 अपर्चर के साथ एक दमदार 50एमपी सेंसर है। 2× ऑप्टिकल रीच एक बेहतरीन ज़ूम के लिए आधार तैयार करती है, जबकि हाई रिज़ॉल्यूशन 4× तक लॉसलेस इन-सेंसर ज़ूम को सक्षम बनाता है। जब आप और ज़ूम इन करना चाहेंगे, तो फ़ोन (3ए) 30× अल्ट्रा ज़ूम के लिए एआई स्पष्टता-बढ़ाने वाले एल्गोरिदम का उपयोग करता है।

भारत वैल्यू फंड (बीवीएफ) ने वीरा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड में 130 करोड़ रुपये का निवेश किया

मुंबई, एजेंसी। 1975 में स्थापित, वीरा ग्रुप एक प्रमुख भारतीय निर्माता है जो उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में विशेषज्ञता रखता है। कंपनी के पास एक विविध पोर्टफोलियो है जिसमें एलईडी टीवी, वाशिंग मशीन, एयर कूलर और मल्टीमीडिया स्पीकर शामिल हैं। यह निवेश इसके प्री-आईपीओ प्लेसमेंट राउंड के सफल समापन का प्रतीक है। वीरा ग्रुप उत्तर प्रदेश के नोएडा में दो अत्याधुनिक सुविधाओं का संचालन करता है, जो घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए सालाना 3 मिलियन टीवी का उत्पादन करने में सक्षम बनाता है। ये सुविधाएं आधुनिक तकनीकों से लैस हैं, जिनमें वैक्यूम-नियंत्रित, जीरो-डस्ट क्लीन रूम, एओआई मशीन और रोबोटिक उत्पादन लाइन शामिल हैं, जो गुणवत्ता और दक्षता के उच्च मानकों को सुनिश्चित करती हैं। इस सेटअप के साथ, समूह हर 5 सेकंड में एक एलईडी टीवी का निर्माण कर सकता है, जिससे यह भारत का नंबर एक ओडीएम निर्माता बन जाता है। वीरा ग्रुप में अपने निवेश के बारे में बात करते हुए, भारत वैल्यू फंड की सीआईओ सुश्री मधु लूनावत ने कहा, कंपनी का वित्तीय प्रदर्शन प्रभावशाली रहा है, वित्त वर्ष 22-24 के बीच बिक्री 55त्न सीएजीआर से बढ़कर वित्त वर्ष 24 में 865 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। भारत का स्मार्ट टीवी निर्माण उद्योग, जिसका मूल्य 2023 में 11.53 अरब अमरीकी डॉलर था, 2030 तक 32.57 अरब अमरीकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो 17 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ रहा है।

सेंसोडाइन ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे 2025 कैंपेन की शुरुआत की

मुंबई एजेंसी। सेंसोडाइन जो हेलियोन पहले ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन कंज्यूमर हेल्थकेयर) का एक जानामाना ओरल केयर ब्रांड है, उसने 24 घंटे में सबसे ज्यादा ऑनलाइन डेंटल स्क्रीनिंग टेस्ट पूरे कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्ज़ बनाया। महाकुंभ 2025 में आयोजित इस पहल में लगभग 27,000 से ज्यादा लोगों ने डेंटल चेकअप कराया। यह भारत में ओरल केयर के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक बहुत बड़ी कामयाब कोशिश रही। इस पहल में अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए सेंसोडाइनने अपने नए 20 रूपये के छोटे टूथपेस्ट पैक बाँटे, जो सेंसिटिविटी से सुरक्षा अब कम दाम में उपलब्ध कराएगा। यह रिकॉर्ड सेंसोडाइन के वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे कैंपेन की शुरुआत भी करता है, जिसका लक्ष्य लोगों को बेहतर ओरल हेल्थ की ओर कदम बढ़ाने के लिए जागरूक करना है। सेंसोडाइन पिछले 10 सालों से भी ज्यादा समय से लोगों को दांतों की सेंसिटिविटी पहचानने और सही समय पर उसके लिए कदम लेने के लिए जागरूक कर रहा है। इस दौरान, ब्रांड ने पूरे भारत में चिल टेस्ट किए हैं, जिससे लाखों लोगों को उनकी समस्या को समझ कर उसके लिए कदम लेने और फिर से अपने पसंदीदा खाने का लुत्फ़ उठाने में मदद मिली है। यह पहल लोगों की जीवन की खुशहाली लौटने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

केन्द्र सरकार की कैबिनेट बैठक में केदारनाथ और हेमकुंड साहिब के लिए रोपवे की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने बुधवार को उत्तराखंड में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए दो महत्वपूर्ण रोपवे परियोजनाओं को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम के तहत दो प्रमुख रोपवे परियोजनाओं को मंजूरी दी। इनमें सोनप्रयाग से केदारनाथ तक 12.9 किलोमीटर और गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब तक 12.4 किलोमीटर लंबी रोपवे परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य तीर्थयात्रियों के लिए यात्रा को आसान और आरामदायक बनाना है।

सोनप्रयाग से केदारनाथ तक रोपवे परियोजना

इस परियोजना के तहत सोनप्रयाग से केदारनाथ तक 12.9 किलोमीटर लंबी रोपवे लाइन बनाई जाएगी। इसे 4 हजार 081.28 करोड़ रुपए की लागत से डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और स्थानांतरण (डीबीएफओटी) मोड पर विकसित किया जाएगा। यह परियोजना केदारनाथ आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए एक वरदान साबित होगी, क्योंकि यह पर्यावरण-अनुकूल, तेज़ और आरामदायक कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। इस परियोजना से यात्रा का समय 8 से 9 घंटे से घटकर सिर्फ 36 मिनट रह जाएगा, जिससे यात्रा में भारी राहत मिलेगी।

सबसे एडवांस्ड गोंडोला तकनीक

यह रोपवे परियोजना ट्राई-केबल डिटेचेबल गोंडोला (3एस) तकनीक पर आधारित होगी, जो सबसे एडवांस्ड और सुरक्षित तकनीकों में से एक मानी जाती है। इसके जरिए एक दिशा में प्रति घंटे 1,800 यात्री यात्रा कर सकेंगे, और प्रतिदिन लगभग 18 हजार यात्री इसका लाभ ले सकेंगे। इस तकनीक की मदद से यात्रियों को एक सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा, साथ ही उन्हें सुंदर दृश्यों का भी आनंद मिलेगा।

केदारनाथ मंदिर तक की यात्रा की कठिनाई

वर्तमान में केदारनाथ मंदिर तक पहुंचने के लिए तीर्थयात्रियों को गौरीकुंड से 16 किलोमीटर की चुनौतीपूर्ण चढ़ाई करनी पड़ती है, जिसे पैदल या टट्टू, पालकी और हेलिकॉप्टर द्वारा तय किया जाता है। इस चढ़ाई में यात्रियों को काफी समय और श्रम की आवश्यकता होती है। हालांकि, प्रस्तावित रोपवे के द्वारा यह यात्रा अत्यधिक आसान और तेज़ हो जाएगी, जिससे तीर्थयात्रियों के लिए यात्रा का अनुभव और अधिक सुखद होगा।

हर मौसम में कनेक्टिविटी

यह रोपवे परियोजना केवल यात्रा के समय को कम करने का काम नहीं करेगी, बल्कि यह हर मौसम में सोनप्रयाग और केदारनाथ के बीच कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगी। मौसम के उतार-चढ़ाव के बावजूद, तीर्थयात्रियों को यात्रा में कोई रुकावट नहीं होगी और वे आसानी से केदारनाथ पहुंच सकेंगे।

हेमकुंड साहिब तक का रोपवे

इसके साथ ही गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब तक 12.4 किलोमीटर लंबी रोपवे परियोजना को भी मंजूरी दी गई है। यह परियोजना उत्तराखंड के धार्मिक और पर्यटन क्षेत्र के लिए एक नई पहल साबित होगी। हेमकुंड साहिब तक की यात्रा भी अब और आसान हो जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं के लिए यह तीर्थ यात्रा अधिक सुविधाजनक बन सकेगी।

गार्नियर ब्लैक नेचुरल्स ने एमएस धोनी और साक्षी सिंह धोनी के साथ

मुंबई एजेंसी। ग्रीन ब्यूटी के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर और हेयर कलर में इंडिया-फर्स्ट इनोवेशन करने वाली कंपनी, गार्नियर ब्लैक नेचुरल्स, ने भारतीय क्रिकेट के आइडल महेंद्र सिंह धोनी और उनकी पत्नी साक्षी सिंह धोनी के साथ अपने सहयोग की घोषणा की है। यह कैम्पेन भारत के सबसे भरोसेमंद ब्रांड गार्नियर के साथ हेयर कलर्स में विश्वास स्थापित करने में नई राह खोलेगा। जिस तरह धोनी ने अपने प्रशंसकों का दिल जीता है, फिर बात उनके अडिग नेतृत्व की हो, बेबाक बातचीत की हो या हमेशा बदलते लुक की। प्रशंसकों को पूरा भरोसा है कि धोनी हर समय सही निर्णय लेते हैं। इसी तरह गार्नियर ब्लैक नेचुरल्स भी एक दशक से अधिक समय से लाखों भारतीयों के जीवन को प्रभावित कर रहा है और उनके प्राकृतिक दिखने वाले हेयर कलर का राज बन चुका है। यह कैम्पेन भारत के दो सबसे भरोसेमंद ब्रांड - धोनी और गार्नियर ब्लैक नेचुरल्स - को एक साथ लाकर ट्रस्ट का नया बैज तैयार करने का प्रतीक है।

इस मजेदार टीवी कमर्शियल में यह पॉवर कपल यह स्थापित करता दिखाई देता है कि कैसे पांच शानदार शेड्स वाला गार्नियर ब्लैक नेचुरल्स भरोसेमंद बदलाव के लिए उनका पसंदीदा हेयर कलर ब्रांड है। इसकी शुरुआत साक्षी को उसके खूबसूरत बालों के राज के बारे में मजाकिया अंदाज में धोनी के चिढ़ाने से होती है। जब साक्षी आत्मविश्वास से बताती है कि उसने भारत के सबसे भरोसेमंद हेयर कलर ब्रांड को क्यों चुना, तो वह आखिरकार उसके फैसले पर भरोसा करते हैं, जिसके बाद हेयर कलरिंग का एक साझा पल आता है।

टाटा मोटर्स ने देश में पहले हाइड्रोजन ट्रक का परीक्षण शुरू कर पर्यावरण की रक्षा और स्वच्छ भविष्य को बढ़ावा दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के 2070 तक प्रदूषण मुक्त बनने के लक्ष्य की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुएए देश की अग्रणी वाणिज्यिक वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने हाइड्रोजन से चलने वाले भारी ट्रकों का पहला परीक्षण शुरू किया है।

इस ऐतिहासिक पहल को केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी और केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह परीक्षण लंबी दूरी के माल परिवहन के लिए पर्यावरण के अनुकूल समाधान विकसित करने के कंपनी के प्रयासों को दर्शाता है।टाटा मोटर्स के कार्यकारी निदेशक श्री गिरीश वाघ और सरकार व कंपनियों के अन्य विशिष्ट प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। इस पहल के जरिए टाटा मोटर्स ने भारत के हरित ऊर्जा लक्ष्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। कंपनी को इस परीक्षण के लिए अनुबंध मिलाए जिसे नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित किया गया है। यह पहल लंबी दूरी के माल परिवहन में हाइड्रोजन से चलने वाले ट्रकों की व्यावसायिक उपयोगिता को परखने और इनके संचालन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को विकसित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस परीक्षण चरण की अवधि 24 महीने होगीए जिसमें अलग.अलग कॉन्फ़िगरेशन और माल ढोने की क्षमता वाले 16 आधुनिक हाइड्रोजन ट्रकों का उपयोग किया जाएगा। इनका परीक्षण देश के प्रमुख मालवाहक मार्गों जैसे मुंबईए पुणेए दिल्ली.एनसीआरए सूरतए वडोदराए जमशेदपुर और कलिंगनगर में किया जाएगा।परीक्षण को हरी झंडी दिखाते हुएए भारत सरकार के केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहाएष्हाइड्रोजन भविष्य का ईंधन हैए जिसमें प्रदूषण कम करने और भारत को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाने की जबरदस्त क्षमता है। इस तरह की पहलें भारी ट्रकों के लिए स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन को अपनाने की गति तेज करेंगी और हमें कम कार्बन उत्सर्जन वाले भविष्य की ओर ले जाएंगी।

ब्रिक्स सीसीआई वी समिट 2025 में प्रगति में महिलाओं की समान भागीदारी के लिए सामूहिक वैश्विक मंच की वकालत

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (ब्रिक्स सीसीआई) की महिला सशक्तिकरण इकाई ब्रिक्स सीसीआई वी ने महिलाओं की अगुवाई में विकास की भावना का जश्न मनाते हुए ब्रिक्स सीसीआई वी वार्षिक महिला सम्मेलन एवं सम्मान समारोह 2025 का आयोजन किया।

इस सम्मान समारोह में आईपीएस (सेवानिवृत्त) एवं पुदुचेरी की पूर्व उप राज्यपाल डाक्टर किरण बेदी, इथियोपिया की उप राजदूत सुश्री बिजुनेश मेसेरेट, ब्रिक्स वुमेन्स बिजनेस एलायंस, दक्षिण अफ्रीका की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री लेबोगैंग जुलु, अभिनेत्री, इको इनवेस्टर, यूएनईपी की गुडविल एंबेसडर सुश्री दिया मिर्जा, डब्लू20 ऑस्ट्रेलिया की प्रतिनिधिमंडल प्रमुख सुश्री चिओऊ सी एंडरसन, लिडर डे जेनेरियो स्टार्टअप 20- टास्क फोर्स ईएसजी, जी20 ब्राजील 2024 की प्रेसिडेंट एट इंस्पायरिंग वुमेन सुश्री जियोवाना क्वाद्रोस, वुमेन इन मैनेजमेंट (डब्लूआईएम) की डाक्टर सुलोचना सेगेरा, बायोफूडलैब की सीईओ व संस्थापक सुश्री एलेना शिफ्रिना, इंटरनेशनल एक्सिलरेशन प्रोग्राम ब्रिक्स बिजनेस इनक्यूबेटर और एससीओ बिजनेस इनक्यूबेटर की निदेशक सुश्री तातियाना सेलिवरस्तोवा, एंटा ग्रुप की वाइस प्रेसिडेंट सुश्री क्रिस्टिना ली (ली लिंग) और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल स्ट्रैटेजी, चाइनीज एकैडमी ऑफ सोशल साइंसेज़ में एसोसिएट प्रोफेसर एवं सीनियर फेलो सुश्री यांग शियाओपिंगको सम्मानित किया गया।

अमृतांजन के मासिक धर्म स्वच्छता ब्रांड कॉम्फी ने किया 100 करोड़ का आंकड़ा पार

मुंबई एजेंसी। दर्द प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी, अमृतांजन हेल्थकेयर ने महिला स्वच्छता से जुड़े बेहतर और किफायती उत्पादों की आवश्यकता को देखते हुए हुए 2011 में कॉम्फी ब्रांड लॉन्च किया था। आज, कॉम्फी 100 करोड़ रुपये का ब्रांड बन गया है, जो सैनिटरी नैपकिन, टैम्पोन, मासिक धर्म कप और पीरियड पेन रोल-ऑन सहित मासिक धर्म से जुड़े समाधानों की पूरी श्रृंखला के साथ लाखों महिलाओं को सशक्त बना रहा है, वह भी बेहद किफायती कीमत पर। भारत में मासिक धर्म का अनुभव करने वाली महिलाओं की संख्या 35.5 करोड़ है और फिलहाल उनमें से केवल 36त्न महिलाएं ही सैनिटरी नैपकिन का उपयोग कर पाती हैं। मुख्य तौर पर ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं और लड़कियों के पास अक्सर मासिक धर्म की देखभाल से जुड़े अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध नहीं होते हैं। इन्हीं महिलाओं की कहानियों से प्रेरित होकर उनकी ज़रूरत पूरी करने के लिए कॉम्फी को डिज़ाइन किया गया।

महिला स्वच्छता से जुड़े उत्पादों के लिहाज़ से अग्रणी बेला प्रीमियर हैप्पी हाइजीन केयर प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से, टीम ने उत्तरी अमेरिका से आयातित पल्प का उपयोग कर एक ऐसा उत्पाद विकसित किया जो भारत में अन्य प्रमुख ब्रांडों की तुलना में 80त्न बेहतर अवशोषण का वादा करता है। लेकिन तकनीकी उत्कृष्टता ही काफी नहीं है बल्कि इसे किफायती भी होना चाहिए। कॉम्फी के किफायती मूल्य निर्धारण ने अलग-अलग आर्थिक पृष्ठभूमि वाली महिलाओं के लिए बेहतर मासिक धर्म देखभाल को सुलभ बना दिया है।

अमेरिका को इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात 18 प्रतिशत तक बढ़ा; तनाव के बावजूद लगातार नौवें महीने बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत से अमेरिका को इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात जनवरी, 2025 में सालाना आधार पर 18 फीसदी बढ़कर 1.62 अरब डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि, देश के कुल इंजीनियरिंग निर्यात में मामूली 7.44 फीसदी की वृद्धि हुई है। यह आंकड़ा ऐसे समय सामने आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और अन्य देशों की ओर से लगाए जाने वाले उच्च टैरिफ को 'बहुत अनुचित' करार दिया है। साथ ही, अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क लगाने वाले देशों पर 2 अप्रैल से जवाबी टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्द्धन परिषद (ईईपीसी) के बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जनवरी अवधि में अमेरिका को इंजीनियरिंग निर्यात एक साल पहले के 14.38 अरब डॉलर से करीब 9 फीसदी बढ़कर 15.60 अरब डॉलर पहुंच गया। वहीं, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को जनवरी में निर्यात 56 फीसदी बढ़कर 61 करोड़ डॉलर और अप्रैल-जनवरी में 45 फीसदी बढ़कर 6.87 अरब डॉलर पहुंच गया। भारत के इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात जिन देशों में बढ़ा है, उनमें जर्मनी, मेक्सिको, तुर्किये, दक्षिण अफ्रीका, फ्रांस, जापान, नेपाल और बांग्लादेश भी शामिल हैं।

एचपीसीएल और टाटा मोटर्स ने कमर्शियल गाड़ियों की परफॉर्मेंस बढ़ाने के लिए जेन्युन डीईएफ लॉन्च किया

मुंबई एजेंसी। महारत्न तेल कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और भारत की बड़ी कमर्शियल गाड़ियों की निर्माता टाटा मोटर्स ने मिलकर को-ब्रांडेड जेन्युन डीजल एग्जॉस्ट फ्लूड (डीईएफ) लॉन्च किया है। यह खास फ्लूड डीजल गाड़ियों के कार्बन उत्सर्जन को कम करने, परफॉर्मेंस बेहतर बनाने और इंजन की एफिशिएंसी बढ़ाने में मदद करेगा।

बीआईएस से मान्यता प्राप्त फैक्ट्रियों में तैयार यह हाई-क्वालिटी डीईएफ इंडस्ट्री के उच्च मानकों का पालन करता है। इसे एचपीसीएल के 23,000 पेट्रोल पंपों के जरिए पूरे देश में उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि ग्राहकों को आसानी से और बिना किसी परेशानी के यह प्रॉडक्ट मिल सके। डीईएफ बीएस-6 मानकों वाली डीजल गाड़ियों के लिए एक जरूरी लिक्विड है। यह गाड़ियों से निकलने वाले हानिकारक नाइट्रोजन ऑक्साइड को सुरक्षित नाइट्रोजन और पानी में बदलकर प्रदूषण कम करने में मदद करता है। टाटा मोटर्स के ग्राहक इस को-ब्रांडेड जेन्युन डीईएफ का इस्तेमाल करके अपनी गाड़ी की परफॉर्मेंस को बेहतर बना सकते हैं। इससे न सिर्फ गाड़ी पर्यावरण के अनुकूल बनती है, बल्कि यह भारतीय मानक ब्यूरो के प्रदूषण नियंत्रण नियमों पर भी पूरी तरह खरी उतरती है।

हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के मार्केटिंग डायरेक्टर अमित गर्ग ने लॉन्च पर कहा एचपीसीएल में हम मोबिलिटी सेक्टर में नवाचार एवं स्थायित्व को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। को-ब्रांडेड डीजल एग्जॉस्ट फ्लूड (डीईएफ) के लिए टाटा मोटर्स के साथ हमारी साझेदारी वायु प्रदूषण कम करने और स्वच्छ परिवहन के साधन प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। हमारा लक्ष्य एचपीसीएल के 23 हजार से ज्यादा पेट्रोल पंपों के विस्तृत नेटवर्क और टाटा मोटर्स की तकनीकी विशेषज्ञता का लाभ उठाकर उपभोक्ताओं को बेहतर, सुलभ और पर्यावरण के अनुकूल समाधान प्रदान करना है ताकि हम एक हरे-भरे भविष्य में योगदान दे सकें।''

राकेश माहोरे बने एन.एस.यू.आई. प्रभारी

छिंदवाड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, सांसद नकुलनाथ के निर्देशानुसार एवं जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे की अनुशंसा पर युवा, जुझारू नेता राकेश माहोरे को जिला एन.एस.यू.आई. के पद पर नियुक्ति प्रदान की । ज्ञात हो श्री माहोरे पूर्व में कांग्रेस संगठन में विभिन्न पदों पर रह चुके हैं और लोकसभा, विधानसभा चुनावों में भी इन्होनें अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन करते हुये अपने बूथ से पार्टी को जीत दिलायी है, और हमेशा पार्टी और युवाओं के लिये संघर्षरत रहते हैं। श्री माहोरे के एन.एस.यू.आई. प्रभारी बनने पर युवाओं में हर्ष व्याप्त है । इनकी नियुक्ति पर एन.एस.यू.आई. के जिला अध्यक्ष अजय सिंह ठाकुर, शेख युनुस, मोनू ठाकुर, समर्थ मैद, इरशाद खान, सहित समस्त जिला एन एस यू आई के पदाधिकारीयों ने बधाई प्रेषित की।

सोशल मीडिया की ठगी से बचें

गर्ल्स कॉलेज छिंदवाड़ा में राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस पर संगोष्ठी

छिन्दवाड़ा। जिले के स्थानीय गर्ल्स कॉलेज छिंदवाड़ा में राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता तपस्या पांडे ने कहा कि वर्तमान में साइबर क्राइम के बढ़ते मामलों को देखते हुए उपयोगकर्ता को सतर्कता और सावधानी बरतनी आवश्यक है। छात्राओं को इंटरनेट का उपयोग करते समय प्राइवेसी सेटिंग्स के टूल्स का उपयोग अवश्य करना चाहिए। श्री रवि पवार ने कहा कि सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म ठगी और धोखाधड़ी का स्त्रोत है, इसलिए उचित जानकारी से ही बचाव संभव है। संचालक डॉ.विजय कलमधार ने कहा कि वित्तीय लेनदेन करते समय ओटीपी, पासवर्ड और संदेहास्पद लिंक शेयर न करें। प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. श्रीपाद आरोनकर ने कहा कि डिजिटल अवेयरनेस से बड़े नुकसान से बचा जा सकता है। इस अवसर पर प्रो.मुकेश दौड़के के साथ ही बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थी।

श्री सत्य साई बाबा के 100 वें जन्मोत्सव वर्ष में क्रिकेट लीग का आयोजन

छिंदवाड़ा। श्री सत्य साई नेशनल क्रिकेट लीग इंडिया के अन्तर्गत श्री सत्य साई यूनिटी कप का आयोजन स्थानीय इंदिरा गांधी क्रिकेट ग्राउंड पर 7 से 9 मार्च 2025 तक किया जाना है। इसमें इंदौर जबलपुर, कटनी, नर्मदरापुरम, सागर और कान्हीवाडा की टीमें हिस्सा ले रही है।नेशनल क्रिकेट टीम के बारे में जानकारी देते हुए लीग कोआर्डीनेटर अरविंद सोनी ने बताया कि भगवान श्री सत्य साई बाबा का 100 वां जन्मोत्सव के आयोजन वर्ष में सत्य साई सेवा संगठन भारत द्वारा पूरे देश में 18 से 35 वर्ष के युवाओं हेतु 850 टीमें 29 राज्यों में क्रिकेट मैच खेल रही है। मध्यप्रदेश में भी 70 टीमों के मध्य मैच उपरांत फाइनल छिन्दवाड़ा में आयोजित किया जा रहा है। यह मैच आध्यात्मिक संदेश जीवन एक खेल है इसे खेलो श्री सत्य साई बाबा के महावाक्य पर पर आधारित है।

जे.ई.ई. में 99.4 अंक मिलने पर सौम्य बंदेवार का सम्मान

नगर निगम महापौर विक्रम अहाके ने दी बधाई

छिंदवाड़ा। जे.ई.ई 2025 की परीक्षा में छिंदवाड़ा जिले में 99.04 अंक लाकर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले चांद हरनाखेडी निवासी ओमकार बंदेवार के नाती व विनीत बंदेवार के सुपुत्र सौम्य बंदेवार का आज छिंदवाड़ा जिले के सांसद विवेक बंटी साहू जी ने अपने निज सांसद कार्यालय में आज स्मृति चिन्ह व शाल श्रीफल देकर सम्मान किया। महापौर ने भी बधाई दी।

समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये पंजीयन 31 मार्च तक

छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग भोपाल द्वारा जारी निर्देशानुसार रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिये किसान पंजीयन और उपार्जन प्रक्रिया का निर्धारण किया गया है, जिसके अनुसार 31 मार्च 2025 तक किसान पंजीयन किया जायेगा, जिसमें निर्धारित अवधि में किसान अपना पंजीयन कर सकते हैं।

इस संबंध में जिला आपूर्ति अधिकारी छिंदवाड़ा श्रीमती गंगा कुमरे ने बताया कि किसान स्वयं के मोबाईल से घर बैठे पंजीयन कर सकेंगे। इसके अलावा पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था के अंतर्गत ग्राम पंचायत कार्यालय में स्थापित सुविधा केन्द्र, जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र, सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र और एम.पी.किसान एप के माध्यम से पंजीयन कराया जा सकता है।

लता सोनवंशी को मैजिक बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड अवार्ड से सम्मानित

छिंदवाड़ा। 1 मार्च 2025 को महाकाल की नगरी उज्जैन में विलासा छंद महालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में यह अदभुत व अविस्मरणीय कार्यक्रम विलासा छंद महालय के संस्थापक डॉ. रामनाथ साहू ननकी, अध्यक्ष डॉ.माधुरी डडसेना मुदिता, सचिव डॉ. ओमकार साहू के प्रज्ञ

संकल्पों तथा श्री श्री 1008 मानस भूषण डॉ.सुमनानंद गिरी महाराज (श्री मौन तीर्थ उज्जैन महामंडलेश्वर निरंजनीय अखाड़ा) के मुख्य आतिथ्य में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

न्यूटन चिखली निवासी तथा शा.उ.मा.वि. पगारा में पदस्थ सुश्री लता सोनवंशी को श्री मौन तीर्थ विद्यापीठ उज्जैन में आयोजित विलासा छंद महालय के दूसरे दीक्षांत समारोह में वर्णावली छंद ग्रन्थ के श्रृजन में सहभागिता प्रदान करने हेतु द मैजिक बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित किया गया है। उल्लेखनीय है कि लता सोनवंशी को विलासा छंद महालय के पटल गुरु एवं पटल प्रमुख हेतु प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है पूर्व में श्री राम काव्य रत्न से सम्मानित किया गया है। इस उपलब्धि के लिए सभी साहित्यकारों, परिजनों, ईष्ट मित्रों एवं शुभ चिंतकों ने बधाई दी है।

रेल सुरक्षा बल आरक्षक की सजगता से बची महिला यात्री की जान

घबराहट में चलती ट्रेन से प्लेटफार्म पर उतरने का प्रयास कर रही थी महिला यात्री
आरपीएफ के जवान की तत्परता से टला बड़ा हादसा

भोपाल । मंडल रेल प्रबंधक श्री देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में रेल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में भोपाल रेलवे स्टेशन पर तैनात रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों ने सतर्कता और तत्परता का परिचय देते हुए एक महिला यात्री की जान बचाकर सराहनीय कार्य किया।

घटना दिनांक 05 मार्च 2025 की रात लगभग 20ः00 बजे की है, जब भोपाल स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक 01 से गाड़ी संख्या 19484 बरौनी-अहमदाबाद एक्सप्रेस बिना रुके गुजर रही थी। इसी दौरान भोपाल निवासी 24 वर्षीय महिला यात्री नेहा, जो ललितपुर से भोपाल की यात्रा कर रही थी, गलती से इस गाड़ी में सवार हो गई थी। जब उसे पता चला कि यह ट्रेन भोपाल स्टेशन पर नहीं रुकेगी, तो घबराहट में उसने चलती ट्रेन से प्लेटफार्म पर उतरने का प्रयास किया। संतुलन बिगड़ने के कारण वह ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच गिरने लगी।

इस स्थिति को देख वहां ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ के आरक्षक सुनील कुमार ने त्वरित निर्णय लेते हुए तत्परता से महिला यात्री को पकड़कर सुरक्षित बाहर खींच लिया। यदि आरक्षक सुनील कुमार समय पर प्रतिक्रिया नहीं देते, तो एक बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती थी। उनकी सतर्कता एवं सूझबूझ से महिला की जान बच गई। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने इस घटना पर कहा कि रेल प्रशासन यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। आरक्षक सुनील कुमार द्वारा दिखाए गए साहस और त्वरित कार्रवाई का यह उदाहरण रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम यात्रियों से अपील करते हैं कि यात्रा के दौरान किसी भी स्थिति में चलती ट्रेन से चढ़ने या उतरने का प्रयास न करें, यह जानलेवा हो सकता है। रेलवे का सुरक्षा बल हर समय सतर्क रहता है, लेकिन यात्रियों को भी अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना आवश्यक है। रेल प्रशासन ने आरक्षक सुनील कुमार के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की है 7 रेलवे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतत प्रयासरत है और इस तरह की घटनाओं से सीख लेकर यात्रियों से भी सतर्कता बरतने की अपील करता है।

3 मृतकों के वारिसों को 12 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

छिन्दवाड़ा। म.प्र.शासन द्वारा मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से वित्तीय वर्ष 2024-25 में जिले की तहसील मोहखेड़ में कुंये के गहरीकरण कार्य के दौरान 3 मजदूरों की मृत्यु होने पर उनके वारिसों को 4-4 लाख रूपये के मान से कुल 12 लाख रूपये आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। स्वीकृति के अनुरूप राशि का भुगतान संबंधित संस्था/ हितग्राहियों के बैंक खातों में किया गया है। कलेक्टर श्री शीलेन्द्र सिंह ने बताया कि जिले की तहसील मोहखेड़ में कुंये के गहरीकरण कार्य के दौरान मलबे में दबने से 3 मजदूरों क्रमशः श्रीमती शहजादी, श्री राशिद खान और श्री वासिद खान वर्तमान निवासी सुल्तानपुर जिला रायसेन की मृत्यु होने से उनके निकटतम वैध वारिसों को 4-4 लाख रूपये के मान से कुल 12 लाख रूपये की व्यक्तिगत आर्थिक सहायता नियमों को शिथिल कर स्वीकृत की गई है।

हिंसात्मक बयानबाजी से शांति भंग करने का काम कर रही है कांग्रेस : पं रमेश दुबे

चौरई । पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और सौंसर से विधायक विजय चौरे द्वारा सांसद विवेक बंटी साहू जी को लेकर अमर्यादित भाषा के प्रयोग एवं जिले में लाशे बिछा देने खून की नदियां बहा देने जैसे बयान से आक्रोशित जिला भाजपा के निर्देशानुसार भारतीय जनता पार्टी कुंडा नगर ग्रामीण मंडल चौरई के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मिलकर बयान के विरोध में दोनों का पुतला जलाकर विरोध प्रकट किया ।

इस दौरान भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष विधायक पं रमेश दुबे जी ने कहा कि पूर्व सीएम कमलनाथ द्वारा पुलिस कर्मियों को लेकर दिए गए बयान पर माफी मांगे सौंसर विधायक के लाशे बिछेगी जैसी हिंसात्मक बयान पर इस्तीफे की बात कही है जनप्रतिनिधि का दायित्व है कि वह समाज में सौहार्दपूर्ण और शांतिपूर्ण वातावरण बनाना है न कि हिंसात्मक बयान बाजी करके समाज में शांति भंग करना है ।

इस दौरान जिला पंचायत सदस्य लखन वर्मा, नपा उपाध्यक्ष सिरपत नायक, मंडल अध्यक्ष मदन राय, विजेंद्र ठाकुर, धरम वर्मा, वरिष्ठ नेता सुरेश शर्मा ईश्वर सिंह चौधरी श्रीराम चौरसिया एच एन शर्मा संजय सुकांत जितेंद्र चौरे अमित सोनी दीपक दुबे अरुण शर्मा रिक्खीराम वर्मा शुभम पालीवाल चंद्रभान सोनी प्रदीप शर्मा गुड्डू शर्मा रजनीश गौतम बंटी जैन केशव तिवारी सुनील वात्सल अर्जुन रघुवंशी आनंद चौरसिया गोविंद दनताले मोनू शर्मा यश रघुवंशी अतुल दुबे सुमित सराठे विकाश शर्मा अनिकेत रघुवंशी समेत कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गरीब परिवारों को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना से मिला संबल:सांसद

मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजनान्तर्गत हर्रई में 449 एवं बिछुआ में 248 जोड़ों की हुई शादी

छिंदवाड़ा। मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजनान्तर्गत छिंदवाड़ा व पांढुर्णा सहित पूरे प्रदेश की निकायों में सामूहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है, यह योजना गरीब परिवारों के लिए संबल के रूप में काम कर रही है। जो गरीब परिवार अपनी बेटी की शादी करने के लिए लाखों का कर्ज लेकर तमाम व्यवस्थाएं किया करते थे। अब उन्हें मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना लागू होने के बाद से बेटियों की शादी करने की चिंता खत्म हो गई है। अब सभी गरीब परिवारों की सभी चिंताओं को भाजपा सरकार ने अपने कंधों पर ले लिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की दूरगामी सोच का ही परिणाम है कि आज गरीब परिवारों को बेटियों की शादी की चिंता खत्म हो गई है। उक्त आशय के उद्गार सांसद बंटी विवेक साहू ने हर्रई और बिछुआ में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह के दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा कई जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही है। जिसका सीधा लाभ गरीब परिवारों को मिल रहा है। पहले की कांग्रेस सरकार द्वारा गरीबों को योजनाओं का सीधा लाभ न देते हुए बिजौलियों की मदद से दिया जाता था। बिजौलियों के कारण गरीबों तक चंद रूपए ही पहुँच पाते थे। लेकिन अब नरेन्द्र मोदी जी की सरकार में हर योजना का लाभ सीधे हितग्राहियों के खातों में पहुँच रहा है। हर्रई में आयोजित कार्यक्रम को विधायक कमलेश शाह, जिला महामंत्री टीकाराम चंद्रवंशी, जिला मंत्री मनोज नेमा, मंडल अध्यक्ष रामनारायण धुर्वे, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सीताराम डेहरिया, पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष कामिनी शाह, पूर्व जिला उपाध्यक्ष शंभूदयाल साहू, सुरलाखापा मंडल अध्यक्ष दीपा श्याम डेहरिया, अमरवाड़ा विधानसभा प्रभारी डॉ.प्रियंका शर्मा, मंडल अध्यक्ष बटकाखापा हरीश साहू ने और बिछुआ में आयोजित सामारोह को भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव, पूर्व विधायक रमेश दुबे, विधायक सुजीत चौधरी, विधानसभा प्रभारी लखन वर्मा, जनपद अध्यक्ष सतीश भलावी ने संबोधित किया।

झर्हर्ई और बिछुआ में हुए 697 जोड़ों के विवाह

मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजनान्तर्गत हर्रई और बिछुआ सामूहिक विवाह सम्मेलनों का आयोजन किया गया, जिसमें हर्रई में 449 एवं बिछुआ में 248 जोड़ों के सामूहिक विवाह संपन्न हुए। सांसद बंटी विवेक साहू ने हर्रई और बिछुआ के नवविवाहित 697 जोड़ों को आर्शीवाद व शुभकामनाएं दी। साथ ही शासन की योजनान्तर्गत प्रत्येक जोड़ों को 49 हजार की सहायता राशि के चेक वितरित करते हुए उनके सफल वैवाहिक जीवन की कामना की और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

सांसद और विधायक शाह द्वारा निःशुल्क कोचिंग क्लासेस का शुभारंभ

19 मार्च से जनपद पंचायत अमरवाड़ा के सभागार में संचालित होगी कक्षाएं

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में अमरवाड़ा में अभ्युदय निःशुल्क कोचिंग क्लासेस की शुरुआत की जा रही है, जिसका शुभारंभ सांसद श्री विवेक बंटी साहू और विधायक श्री कमलेश प्रताप शाह के द्वारा गत दिवस 04 मार्च को किया गया। कक्षा 12वीं पास कोई भी छात्र जो एमपी पीएससी, एसएससी या मध्यप्रदेश की अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करना चाहता है, वह 17 मार्च 2025 तक जनपद पंचायत अमरवाड़ा में आकर अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते है। सीईओ जनपद पंचायत अमरवाड़ा व अभ्युदय निःशुल्क कोचिंग के संचालक श्री जयदेव शर्मा ने बताया कि 19 मार्च से जनपद पंचायत अमरवाड़ा के सभागार में प्रातः 7 से 9 बजे तक क्लासेस संचालित होंगी। इसके लिये संपर्क सूत्र श्री अभिजीत मरावी एडीईओ से मोबाईल नंबर 7770853739 पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। जो टीचर कोचिंग में अपनी निःशुल्क सेवायें देना चाहते हैं, वह सीईओ जनपद पंचायत अमरवाड़ा श्री शर्मा से मोबाईल नंबर 8770489616 पर संपर्क कर सकते हैं। सप्ताह में मात्र 2 घंटे यह सेवा करना है। अभ्युदय निःशुल्क कोचिंग क्लासेस की शुरुआत जिला प्रशासन छिन्दवाड़ा के सौजन्य से की जा रही है।

महिला दिवस के उपलक्ष्य में 8 को होगा विशेष महिला दिवस

छिन्दवाड़ा। महिला एवं बाल विकास विभाग जिला छिन्दवाडा के अंतर्गत जिले की सभी आंगनवाडी केन्द्रों में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत मातृ एवं शिशु के स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुये 8 मार्च को महिला दिवस के उपलक्ष्य में विशेष महिला दिवस का आयोजन किया जायेगा। जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य जाँच, पोषण, रक्तअल्पता का परीक्षण एवं परीक्षण के बाद स्वास्थ्य लाभ दिलाया जायेगा। प्रतिदिन भोजन में विटामिन, प्रोटीन, आयरन की उपलब्धता के विषय पर समझाईश भी दी जायेगी। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने बताया कि जिले के सभी महाविद्यालयों में 08 मार्च 2025 को महिला दिवस के उपलक्ष्य में रंगोली प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा।

छिंदवाड़ा व पांढुर्णा जिले का तरबूज-खरबूज देश के अन्य राज्यों सहित पहुंच रहा है बांग्लादेश

छिन्दवाड़ा। पांढुर्णा कलेक्टर अजय देव शर्मा द्वारा गत दिवस निरीक्षण के बाद आज उप संचालक कृषि श्री जितेन्द्र कुमार सिंह द्वारा पांढुर्णा जिले के पंधराखेड़ी ग्राम के कृषक श्री सतीश घाघरे के खेत में 5 एकड़ में लगाई गई तरबूज़ की फसल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान कृषक श्री घाघरे ने बताया कि अभी खेत से ही व्यापारी दस से बारह रुपये किलो की दर से खरीदी करके अन्य राज्यों सहित बांग्लादेश ले जा रहे हैं। लगभग प्रति एकड़ 250 से 300 क्विंटल का उत्पादन प्राप्त कर रहे हैं, इस प्रकार प्रति एकड़ लगभग किसान लगभग 80 से 90 दिन की फसल से दो लाख रूपये का मुनाफ़ा कमा रहे है । तरबूज की किस्म यूएस-2208 की बोनी ड्रिप के साथ प्लास्टिक मलचिंग करके लगाई गई है ।

मोहगांव में दो गुटों में चले लाठी, डंडे कई लोग हुए घायल..

पांढुर्ना। मध्यप्रदेश के पांढुर्ना जिले में आज दो गुटों में लाठी डंडे चले पूरी धटना मोहगांव थाना अंतर्गत का है जंहा दो परिवारों को बीच में जमकर मारपीट होने का मामला सामने आया है। जहां दोनों पक्ष के लोग एक दूसरे से डंडे और लात घुसे से मारपीट करते वीडियो में साफ दिखाई दे रहे है। घटना बुधवार की सुबह की बताई जा रही है। थाना प्रभारी बघेल ने बुधवार की सुबह बताया कि मोहगांव में रहने वाले मनोज पिता हरिभाऊ बनाईत ने तीन माह पहले पड़ोस में रहने वाले गोविंदा उईके की लड़की को भगा ले गया था।3 माह बाद लड़का लड़की अपने मोहगांव पहुंचे। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच पहले हल्की नोंकझोंक हुई। लेकिन कुछ समय बाद विवाद बढ़ता गया। ओर दोनों पक्षों के बीच डंडे और लात घुसे मारना शुरू कर दिया। मोहगांव पुलिस ने गोविंदा उईके की शिकायत पर हरिभाऊ, मनोज रवि ओर उषा बनाईत पर 396,115,351 (2), 3(5) बीएनएस ओर एससी ङ्क एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया।वही हरिभाऊ बनाईत की शिकायत पर गोविंदा, पवन, संगीता ओर सपना उईके पर 396,115,351 (2), 3(5) बीएनएस मामला दर्ज किया गया है।

भविष्य में जलाशय का पानी 50 प्रतिशत जलाशय में जमा रखने हेतु अनुबंध

सौंसर। बोरगांव में पेयजल की स्थिति को देखते हुए जलाशय का पानी 50 प्रतिशत जलाशय में जमा रखने हेतु ग्राम पंचायत का प्रतिनिधि मंडल ने एसडीएम सिद्धार्थ पटेल को ज्ञापन सौंपा। पेयजल का संकट आगामी दिनों एवं भविष्य में न हो, ग्राम पंचायत बोरगांव एक घनी आबादी वाला क्षेत्र है। पानी की पूर्ती में कठिनाई उत्पन्न हो सकती है। भविष्य में जलाशय का पानी 50प्रतिशत जलाशय में जमा रखने हेतु अनुबंध करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया। कुछ दिनों पूर्व जलाशय का गेट अज्ञात व्यक्ति द्वारा खोला गया जिससे पानी की बड़ी मात्रा में बर्बादी हो रही है एवं गेट भी क्षतिग्रस्त होने के कारण जल तेजी से नहर में व्यर्थ बह रहा है। जल संसाधन विभाग को अवगत कराने पर भी आज दिनांक तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस कारण मान्य एसडीएम महोदय से आज पंचायत सरपंच, उपसरपंच एवं पंचों द्वारा शिकायत की गई एवं जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने का आग्रह किया गया। ज्ञापन देते समय प्रमुख रूप से सरपंच ग्राम पंचायत बोरगांव पंकज श्रीपत दातरकर, उपसरपंच घनश्याम कालबांडे, पंच प्रफुल्ल देवतले, सविता हिंगवे, रामशिला सुयवंशी, प्रदीप कालबांडे, नरेंद्र सावनकर, जगदीश झरबड़े उपस्थित रहे।

शराब बंदी नहीं होने पर गांव-गांव निकलेगी मुख्यमंत्री की शवयात्रा

छिंदवाड़ा - विगत् लंबे समय से ग्राम माचागोरा के आसपास के सभी ग्रामीण क्षेत्रों में एवं डेम के आसपास देशी-विदेशी मदिरा की जगह-जगह कुचिया खुलने से यहाँ आपराधिक घटनायें एवं माचागोरा डेम जो कि वर्तमान में जिले का एक पर्यटक स्थल है जहाँ प्रतिदिन हजारों पर्यटक भ्रमण करने आते हैं, जिनके साथ शराबियों द्वारा अनावश्यक ही वाद-विवाद किया जाता है एवं महिलाओं के साथ छेड़छाड़ की घटनायें सामने आ रही है, इससे माचागोरा सहित आसपास के ग्रामों में आये दिन विवाद की स्थिति उत्पन्न होने की सूचना ग्रामीणों द्वारा पहले भी प्रशासन को दी गई परंतु प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं होने एवं शराब माफियाओं को खुला संरक्षण देने के कारण ग्रामीणों ने गुलाबी गैंग कमाण्डर मध्यप्रदेश/छत्तीसगढ़ प्रभारी संपूर्ण महाराष्ट्र पूर्णिमा वर्मा से इस शराब की बिक्री पर रोक लगाने संपर्क किया । ग्रामीणों की मांग पर गुलाबी गैंग कमाण्डर पूर्णिमा वर्मा ने माचागोरा ग्राममं सहित आसपास के ग्रामीण महिलाओं एवं पुरूषों को एकजुट कर गुलाबी गैंग का गठन किया है । उन्होनें प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में चल रही देशी एवं विदेशी मदिरा की कुचिया तत्काल बंद की जावे एवं क्षेत्र में 24 घंटे पुलिस की गश्त बढाई जावे और इस संपूर्ण क्षेत्र को स्पेशल जोन में लिया जावे। अन्यथा चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के अंदरे पर गुलाबी गैंग द्वारा गांव-गांव में प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की शव यात्रा निकाली जायेगी। जिसकी संपूर्ण जबावदारी शासन प्रशासन की होगी ।

कलयुगी मां ने मासूम बेटियों पर बरपाया कहर, एक की मौत, दूसरी गंभीर

.**छिंदवाड़ा।** शहर के लालबाग इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां 32 वर्षीय महिला निशा साहू ने अपनी दो मासूम बेटियों के साथ बेरहमी से मारपीट की। इस घटना में ढाई साल की छोटी बेटी नम्रता की मौत हो गई, जबकि 10 साल की अमृता गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद निशा साहू ने खुद भी फिनायल पीकर आत्महत्या का प्रयास किया। सूचना मिलने पर पति सुमित साहू जब घर पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद था। अनहोनी की आशंका के चलते पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया, जहां महिला और दोनों बच्चियां बेहोशी की हालत में पड़ी मिलीं। तुरंत उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने नम्रता को मृत घोषित कर दिया, जबकि अमृता का इलाज जारी है। अमृता के बयान के अनुसार, उसकी मां ने लोहे के तवे से उसके सिर पर हमला किया था, जिससे उसे गंभीर चोट आई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना के पीछे के कारणों की जांच में जुटी है। नम्रता के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, इटारसी

क्र. / लोक कर्म शाखा/2025/2292 इटारसी दिनांक 06.03.2025

ई निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केंद्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण बेवसाईट https:\\www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कं	टेंडर पोर्टल कं	कार्य का नाम	कार्य की लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई.एम.डी	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_406400_1	वार्ड कं 02 संदीप वर्मा के मकान से संतोष चौधरी के मकान तक आरसी सी नाली एवं शीला राय के मकान से श्री रावत के मकान तक सीसी रोड निर्माण कार्य। (विधायक निधि)	10,38,983/-	2000/- 7792/-	04.04.2025 17.30

नोट - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की बेबसाईट https:\\www.mptenders.gov.in पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, इटारसी

रीजन-2 ग्रीन कॉन्फ्रेंस के आयोजन की घोषणा की

लायंस क्लब इंटरनेशनल के रीजन चेयरमैन नरेन्द्र सिंह जग्गी ने आगामी 9 मार्च को रीजन-2 ग्रीन कॉन्फ्रेंस के आयोजन की घोषणा की है। यह कार्यक्रम हरनूर पैलेस में होगा। इस कार्यक्रम में लायंस क्लब के सभी सदस्य और अन्य लोग भी भाग ले सकते हैं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश् लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है।

कार्यक्रम का विवरण इस प्रकार है-

- रविवार, 9 मार्च 2025 को शाम 4:30 बजे से 5:15 बजे तक रजिस्ट्रेशन और फेलोशिप होगी। इसके बाद, शाम 5:15 बजे से रात 9:15 बजे तक मुख्य कार्यक्रम होगा। रात 9:15 बजे से स्नेह भोज का आयोजन किया जाएगा।
- कार्यक्रम में बेस्ट ड्रेस (मेल/फीमेल), बेस्ट कपल, लायंस पिन कलेक्शन और बेस्ट स्टॉल जैसे विभिन्न पुरस्कार दिए जाएंगे। इसके अलावा, ध्वज प्रस्तुतिकरण और रीजन अवार्ड्स भी होंगे।
- सतवंत बादशाह पंजाबी पॉप सिंगर मुख्य कार्यक्रम में प्रस्तुति देंगे।
- लायन कुलभूषण मित्तल मुख्य वक्ता होंगे।
- लायन मनीष सैनानी (आयोजन अध्यक्ष)
- लायन डॉ राहुल भारतीय (संगठन सचिव) के रूप में सम्मेलन का आयोजन देखा राहे है।

बच्चों को मारने पर शिक्षकों पर होगी कार्रवाई

एमपी सरकार का बड़ा फैसला, स्कूलों में शारीरिक दंड पर पूर्ण प्रतिबंध

भोपाल। मध्य प्रदेश के सरकारी और निजी स्कूलों में अब छात्र-छात्राओं के साथ मारपीट या किसी भी तरह की शारीरिक सजा पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। टीचर्स और अन्य जिम्मेदार कर्मचारियों पर कानूनी कार्रवाई भी होगी।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग की चिट्ठी के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए ऐसी हालत में कार्रवाई के लिए कहा है। साथ ही ऐसे मामलों की रिपोर्ट भी देने के लिए कहा गया है।

लोक शिक्षण संचालनालय के अपर संचालक रवीन्द्र कुमार सिंह की ओर से शारीरिक दंड (कॉर्पोरल पनिशमेंट) पर पूर्ण प्रतिबंध और कड़ी कार्रवाई संबंधी निर्देश मंगलवार को जारी किए गए हैं। मध्य प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने इसको लेकर 4 फरवरी 2025 को स्कूल शिक्षा विभाग को पत्र लिखा था।

2 महीने पहले भोपाल में जूते मारकर निकाली थी चमड़ी

इस तरह का एक मामला दो माह पहले भोपाल में हो चुका है। यहां सेंट माइकल स्कूल के टीचर ने 11वीं के छात्र को इतना पीटा था कि उसके दोनों पैरों की चमड़ी निकल गई थी। छात्र का कहना था कि टीचर ने उसके पैरों पर फुटबॉल के शूट की तरह मारा। इसके बाद छात्र के परिजनों ने जिला शिक्षा अधिकारी को इसकी शिकायत की थी जिस पर जांच समिति बनाई गई थी।

शारीरिक-मानसिक प्रताड़ना, भेदभाव दंडनीय अपराध

आदेश के बाद अब इस मामले में सख्त एक्शन के निर्देश दिए जा रहे हैं। अपर संचालक ने कहा है कि मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा अधिनियम 2009 की धारा 17 (1) में शारीरिक मानसिक प्रताड़ना और भेदभाव पूरी तरह प्रतिबंधित है। साथ ही धारा 17 (2) के तहत ऐसा करना दंडनीय अपराध है।

भारतीय दंड संहिता की धारा 323 के तहत शारीरिक दंड भी प्रतिबंधित है। इसलिए प्रदेश के सभी जिलों में संचालित सरकारी और निजी स्कूलों में छात्रों को शारीरिक दंड देने की घटनाओं की त्वरित पहचान करने और इस तरह की स्थितियों पर रोक लगाने के लिए उचित कदम उठाए जाएं। सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को ये निर्देश भी दिए गए हैं कि किसी स्कूल या शिक्षक द्वारा शारीरिक दंड देने के मामले में तत्काल एक्शन लेकर अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई की जाए।

भोपाल के मानसरोवर कॉम्पलेक्स में आग

फायर सिस्टम से काबू पाया, बड़ा हादसा टला

भोपाल। भोपाल के होशंगाबाद रोड स्थित मान सरोवर कॉम्पलेक्स के एक बंद इंटीरियर डिजाइन के ऑफिस में गुरुवार सुबह आग लग गई। दुकान के अंदर धुआं उठते देख आसपास के दुकानदार पहुंचे और फायर सिस्टम की मदद से आग पर काबू पाया। इधर, देर रात करोंद इलाके में फर्नीचर की 8 दुकानों में भीषण आग लगी। जिससे लाखों रुपए का फर्नीचर जलकर राख हो गया। 3 घंटे में आग पर काबू पाया जा सका।

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से कुछ दूर ही मानसरोवर कॉम्पलेक्स है। यही पर आग लगी। मानसरोवर कॉम्प्लेक्स व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल चुग ने बताया, अलार्म बजते ही दुकानदार भागे और फायर सिस्टम से आग को काबू में किया। इससे बड़ा हादसा होने से टल गया। मौके पर फायर बिग्रेड की गाड़ियां भी पहुंची।

इलाके में हड़कंप मचा

कॉम्पलेक्स में आग लगने की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। पहले भी यहां आगजनी की घटनाएं हो चुकी हैं और खासा नुकसान हुआ था। ऐसे में आग को बुझाने के लिए आसपास के दुकानदार दौड़ पड़े। इससे फैलने से पहले ही आग काबू में आ गई।

सड़क किनारे फर्नीचर दुकानों में भीषण आग, आधी बचा ली

बुधवार-गुरुवार रात करीब 2 बजे करोंद स्थित नबी बाग इलाके में सड़क किनारे की फर्नीचर दुकानों में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि एक के बाद एक 8 दुकानों को आग ने चपेट में ले लिया। यहां पर करीब 17 दुकानें थी। ऐसे में आधी दुकानें बचा ली गई, लेकिन जिन दुकानों में आग लगी, वहां रखा लाखों रुपए का फर्नीचर जलकर राख हो गया।

निशातपुरा थाने के प्रधान आरक्षक राहुल सिकरवार ने बताया, दुकानें सड़क किनारे टीन शेड में बनी है। आग लगने की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे। आसपास के इलाकों से दमकलें भी पहुंच गई। करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। तब तक 8 दुकानें जल चुकी थी। यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था, क्योंकि दुकानों के पीछे ही गेहूं का खेत भी है।

एएसआई 5 लाख की रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ाया

भोपाल में आरोपी को बचाने 25 लाख में की थी डील; टीआई समेत 4 लोगों पर केस दर्ज

भोपाल। भोपाल में बुधवार को ऐशबाग थाने में पदस्थ एएसआई पवन रघुवंशी को 5 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा गया है। खास बात ये है कि पुलिस की टीम ने ही ये कार्रवाई की है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया है। इसी मामले में ऐशबाग थाना टीआई जितेंद्र गढ़वाल समेत 4 लोगों पर भी एफआईआर दर्ज की गई है।

दरअसल, ये मामला हाल ही में भोपाल में पकड़ाए ठगी के एक कॉल सेंटर से जुड़ा है। बताया जा रहा है कि इस मामले के आरोपियों में से एक आरोपी मुइन खान को बचाने के एवज में एएसआई ने उससे 25 लाख रुपए में डील की थी। उसी डील की पहली किस्त के रूप में एएसआई 5 लाख रुपए ले रहा था। तभी क्राइम ब्रांच और जोन-1 की एडिशनल डीसीपी रश्मि मिश्रा समेत उनकी टीम ने एएसआई को रंगेहाथ धर दबोचा।

सुबह तक जिस थाने में टीआई थे, शाम को वहीं केस दर्ज- रिश्वत के इस मामले में टीआई जितेंद्र गढ़वाल के खिलाफ भी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। खास बात यह है कि जिस ऐशबाग थाने में जितेंद्र गढ़वाल बतौर टीआई पदस्थ थे, उसी थाने में उन पर एफआईआर दर्ज हुई है। उनके साथ पवन रघुवंशी, प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र और टीकमगढ़ से रिश्वत देने वाले अंशुल उर्फ मोना जैन को आरोपी बनाया गया है। पुलिस की एक टीम टीकमगढ़ भी पहुंच चुकी है। टीआई गढ़वाल की भूमिका यह बताई जा रही है कि उनकी जानकारी में रिश्वत का ये पूरा घटनाक्रम हुआ।

ठगी के कॉल सेंटर के इसी मामले में कार्रवाई में लापरवाही को लेकर पुलिस ने बुधवार को ऐशबाग थाना टीआई जितेंद्र गढ़वाल सहित चार पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया है। पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्रा ने बताया कि चारों आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ विभागीय जांच की जा रही है। इनके सीडीआर (कॉल डिटेल) भी निकाला जा रहा है।

मालवीय नगर में महापौर मालती राय एवं विधायक सबनानी ने किया सीसी रोड का भूमि पूजन

भोपाल महापौर मालती राय एवं दक्षिण पश्चिम के विधायक भगवान दास सबनानी ने वार्ड 31 के मालवीय नगर में सीसी रोड का भूमि पूजन किया। इस दौरान क्षेत्रीय पार्षद बृजुला सचान, मंडल अध्यक्ष राकेश पालीवाल, राजीव वर्मा एवं पंकज बिसारिया समेत नगर निगम के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

भोपाल में वॉक फॉर हेल्थ वॉक फॉर अवेयरनेस का आयोजन

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के दिन कार्यक्रम, 9 मार्च को पीसीओएस पर प्रदेश की पहली कॉन्फ्रेंस

भोपाल। भोपाल में 8 मार्च यानी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के दिन महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए वॉक फॉर हेल्थ, वॉक फॉर अवेयरनेस÷ थीम पर विशेष वॉकथॉन का आयोजन किया जा रहा है। इसके साथ ही 9 मार्च को ÷पीसीओएस÷ विषय पर प्रदेश की पहली राष्ट्रीय कार्यशाला भी आयोजित की जा रही है।

स्टेट नोडल डॉ. रचना दुबे ने बताया कि वॉकथॉन का आयोजन 8 मार्च को सुबह 7 बजे भोपाल के अटल पथ से किया जायेगा। रैली में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन भी करा सकते है। वहीं 9 मार्च को कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में प्रदेश की पहली पीसीओएस आधारित राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। जहां पर प्रदेश के चिकित्सक पीसीओएस से बचाव, उपचार के नए तकनीक एवं अनुसंधान को साझा करेंगे।

प्रदेश में पहली बार होगी पीसीओएस आधारित कॉन्फ्रेंस- डॉ. रचना दुबे ने बताया कि कार्यक्रम में महिलाओं को गायनोकोलॉजी, इनफर्टिलिटी और कैंसर निवारण से संबंधित जानकारी दी जायेगी। उन्होंने कहा कि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने एवं प्रजनन स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ÷अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस÷ पर कार्यक्रम का आयोजन किया है।

वहीं 9 मार्च को होने वाले कांफ्रेंस में राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ मुख्यतः स्त्री रोग विशेषज्ञ, मधुमेह विशेषज्ञ, स्किन स्पेशलिस्ट, फिटनेस एक्सपर्ट, न्यूट्रिशनिस्ट, मनोरोग विशेषज्ञ, एक मंच पर एकत्रित होंगे। यह प्रदेश में पहली बार पीसीओएस आधारित कॉन्फ्रेंस होगी।

शक्ति संपूर्ण महिला स्वास्थ्य केंद्र विकसित- डॉ. रचना दुबे ने बताया कि महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का समाधान एक ही जगह पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ÷शक्ति संपूर्ण महिला स्वास्थ्य केंद्र÷ भोपाल जिले के कैलाश नाथ काटजू सिविल अस्पताल में विकसित किया जा रहा है।

एमपी समेत 6 राज्यों का वॉन्टेड तामराज गिरफ्तार

आसाराम-नारायण साईं का कट्टर अनुयायी 10 सालों से था फरार; धर्म परिवर्तन कर बन गया स्टीफन

भोपाल/सूरत। गुजरात पुलिस ने 10 सालों से फरार ताम्रध्वज उर्फ तामराज को गिरफ्तार कर लिया। ताम्रध्वज रेप के दोषी आसाराम और उनके बेटे नारायण साईं का कट्टर अनुयायी है। वह आसाराम के खिलाफ आवाज उठाने वाले कई लोगों की हत्या और जानलेवा हमलों के मामले में 6 राज्यों में वांटेड था। इतना ही नहीं, उस पर हरियाणा सरकार ने 50 हजार रुपए का इनाम भी रखा है।

जेल में आसाराम-नारायण साईं से की मिलने की कोशिश- तामराज ने जेल में आसाराम और नारायण साईं से मिलने की भी कई बार कोशिश की, लेकिन हर बार नाकाम रहा। वह आसाराम और उसके बेटे नारायण साईं का इतना कट्टर समर्थक था कि उनके खिलाफ आवाज उठाने वाला हर शख्स उसके निशाने पर होता था।

शहर में खाली जमीनों का सर्वे पूरा: भोपाल में साढ़े 32 हजार एकड़ भूमि, जहां 5 साल में 10 हजार नई झुग्गियां बनने का डर

भोपाल। राजधानी में कुल 388 लोकेशन ऐसी हैं जिन पर झुग्गी ?बस्तियां काबिज हैं। इन 388 में से 280 जमीनें सरकारी हैं। प्रशासन के सर्वे के मुताबिक इन सरकारी और निजी जमीनों पर 1.52 लाख से ज्यादा झुग्गियां हैं। इनमें शहर की करीब 6 लाख आबादी रहती है। इन झुग्गी बस्तियों को हटाने और उन्हें मकान बनाकर देने ?की योजनाओं पर काम चल रहा है। खुद प्रशासन का मानना है कि अगले 5 साल में शहर में 10 हजार से ज्यादा नई झुग्गियां बन सकती हैं।

प्रशासन को यह भी डर है कि जहां से झुग्गियां हटाई जाएंगी, वे भी दूसरी खाली जगहों पर शिफ्ट हो सकती हैं। इसे देखते हुए नई झुग्गियों को बनने से रोकने का मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। इसके लिए सबसे पहले शहर में खाली सरकारी और निजी जमीनों की

पूरी जानकारी जुटाने का जिम्मा सभी एसडीएम को सौंपा गया। सर्वे में निकलकर आया कि शहर में ऐसी 32,400 एकड़ खाली जमीन है, जहां नई झुग्गियां बस सकती हैं। अब प्लान के तहत इन जमीनों पर पौधरोपण से लेकर शहर की जरूरत के अनुसार अन्य उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। गौरतलब है कि शहर में 280 सरकारी जमीनों पर झुग्गी बस्तियां हैं। इसके अलावा 51 निजी और अन्य विभागों की करीब 100 से ज्यादा जमीनों पर झुग्गियां हैं।

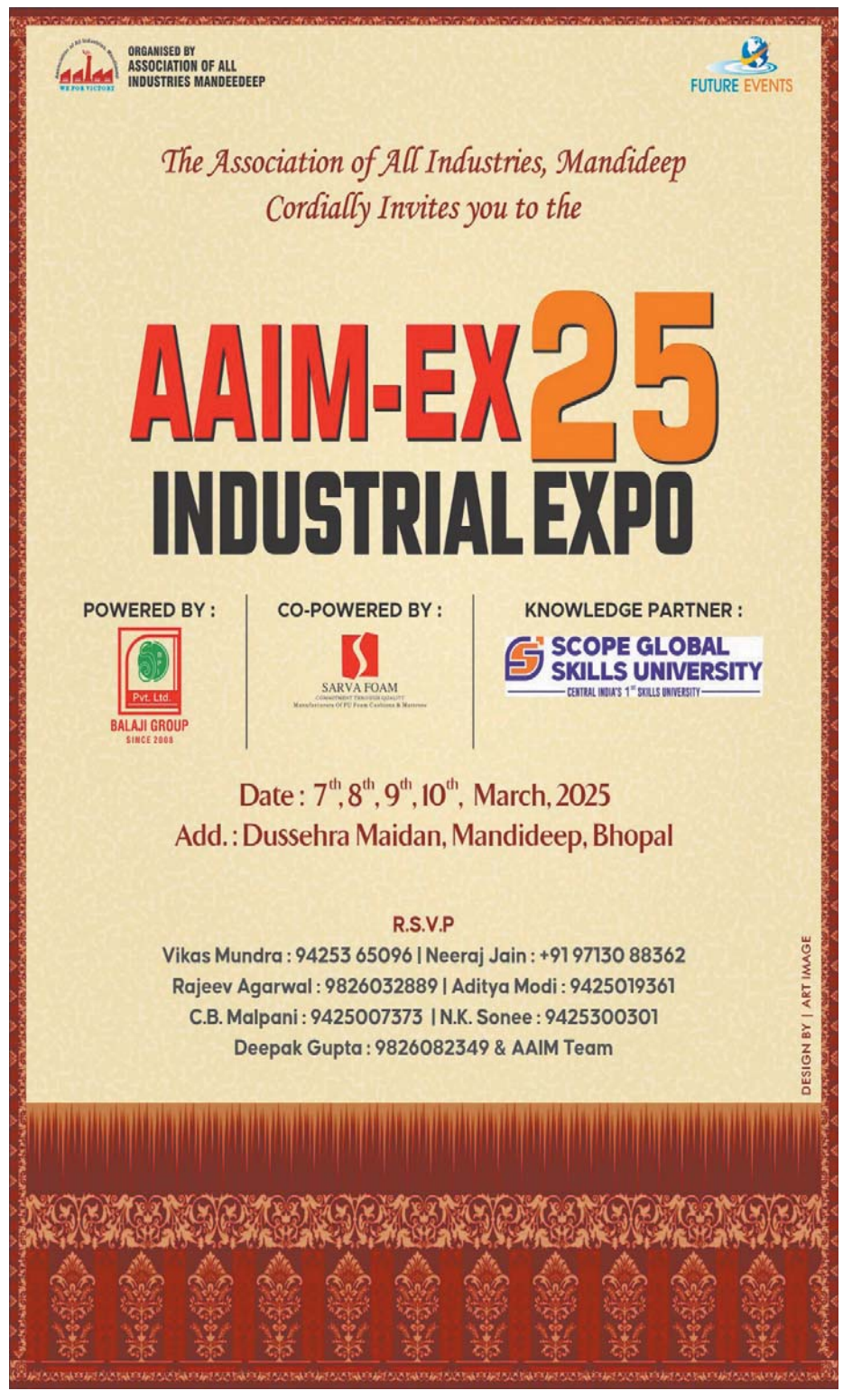

1000 से ज्यादा घरों के कनेक्शन काटे गए

शहर में बिजली बकाएदारों के 8 रेड जोन; पहली बार एमडी रिकवरी के लिए निकले, 2 करोड़ वसूले

भोपाल। मार्च की क्लोजिंग को लेकर बिजली कंपनी ने बुधवार से सख्ती के साथ वसूली अभियान शुरू किया। अब तक कंपनी का अमला ही वसूली के लिए निकलता रहा है। लेकिन, बुधवार शाम पहली बार कंपनी के एमडी क्षितिज सिंघल स्वयं वसूली अभियान के लिए निकले और घर-घर पहुंचे। इस दौरान एक दिन में करीब 2 करोड़ का बकाया वसूला गया। भोपाल सिटी सर्कल में कुल 6.10 लाख बिजली उपभोक्ता हैं इनमें से 1.25 लाख (25 फीसदी) पर करीब 150 करोड़ रुपए बकाया है।

सिटी सर्कल के नॉर्थ और ईस्ट डिवीजन के दायरे में पुराने शहर के कई इलाके आते हैं। इन दोनों संभागों के

करीब 2.70 लाख उपभोक्ता में से 50 हजार ऐसे हैं, जो साल में 2, 3 बार ही बिजली बिल भरते हैं। इनसे वसूली के लिए एमडी ने निकलकर खुद कनेक्शन कटवाए। 1000 से ज्यादा घरों के कनेक्शन काटे गए। इस दौरान कई उपभोक्ताओं ने बिल जमा भी किया। सिर्फ उत्तर संभाग के इलाकों में 55 हजार लोगों पर 26.43 करोड़ रुपए बकाया है।

बिल नहीं भरा, पड़ोसी के मीटर से बिजली, केस दर्ज

एमडी सुदामा नगर के मकान नंबर 201 में दीपक कुमार के घर पहुंचे। यहां कनेक्शन पड़ोसी के बिजली मीटर से जुड़ा था। दीपक कुमार पर 35 हजार से अधिक बकाया होने पर कनेक्शन काटा गया था। एमडी ने बकायेदार पर केस दर्ज कराने के आदेश दिए।

यहां मीटर और सर्विस केबल तक उखाड़ लिए

करोंद जोन में 20 से ज्यादा बड़े बकायादारों के मीटर और सर्विस केबल तक उखाड़ ली गई। यहां हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी निवासी मंसूर पर 944501 , समीर पर 963300, देवकी नगर के मोहम्मद अनवर पर 952000 और प्रेमलता 989711 रुपए बकाया था।

1.87 लाख के बकाएदार को एक दिन की मोहलत

भानपुर के विवेक कुमार साहू पर 1. 87 लाख रुपए से अधिक बकाया था। नव बहार कॉलोनी में दुलारे पर 61,260 रुपए बकाया हैं।। इन्हें बकाया बिल भरने के लिए एक दिन की मोहलत दी गई। शिवनगर के रिजवान को भी 78 हजार बकाए पर एक दिन की मोहलत दी गई।

काजी कैंप में बड़े बकायेदार, सुल्तानिया दूसरे नंबर पर

खुद कनेक्शन जोड़े तो धारा 138 में कार्रवाई बकायादारों के कनेक्शन काटने के लिए बिजली कंपनी की आईटी सेल ने आरसीडीसी मॉडयूल बनाया है। यदि उपभोक्ता बिजली बिल जमा किए बिना कनेक्शन जोड़ते हैं तो उन पर धारा 138 के तहत कार्रवाई की जा रही है। अपनी ही गड़बड़ी पकड़ी... शहंशाह गार्डन के मकान नंबर 14 का 2.81 लाख बकाया बताया था। एमडी ने जांच कराई तो पता चला कि उपभोक्ता को गलत राशि का बिल मिला था। उन्होंने रिवाइज बिल देने के निर्देश दिए।